जन-जन की वाणी...
हिन्दी दैनिक
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित
शुक्ल पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2083
• औरंगाबाद • गुरूवार • 30 जुलाई 2026 • वर्ष 28 • अंक 238 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

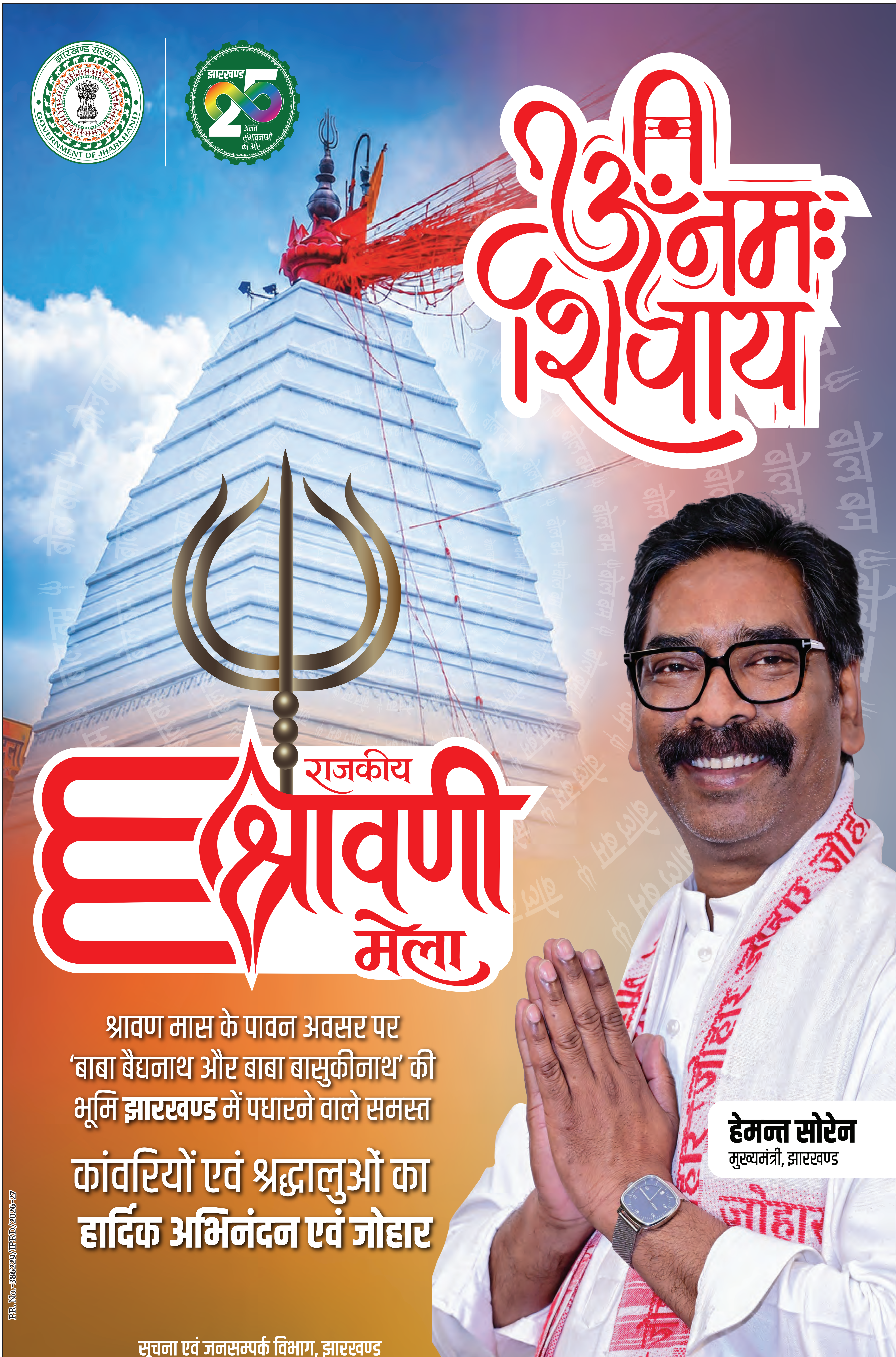

संक्षिप्त समाचार

सावन शुरू होते ही धनियामा पहाड़ी पर लगेगी भक्तों की भीड़

नारदीगंज (नवादा)। भगवान शिव के अतिप्रिय मास 'सावन' के आगमन को लेकर शिव भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आगामी 30 जुलाई 2026 से शुरू हो रहे सावन माह के लिए जिले के प्रसिद्ध व ऐतिहासिक मनोकामना धाम'—धनियावां पहाड़ी स्थित शिव-पार्वती मंदिर शिवभक्तों के लिए सजधज कर तैयार हो गया है। मंदिर परिसर की साफ-सफाई और रंग-रोगन का काम पूरा कर लिया गया है। श्रद्धालुओं व कांवरियों की सुविधा के लिए पेयजल, प्रकाश (लाइटिंग) और ठहराव के पुख्ता इंतजाम हैं। मंदिर के पुजारी बबलू मिश्र, मतलु मिश्र, छोटेलाल मिश्र कहते हैं कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, द्वापर युग में मगध सम्राट जरासंध की पुत्री धन्यावती यहां अपने आराध्य भोलेनाथ की पूजा करने आती थीं। मंदिर परिसर में विराजमान द्वादश शिवलिंग श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का केंद्र हैं। सावन में इस मंदिर में रुद्राभिषेक, विशेष अनुष्ठान होंगे। पूरे महीने हर हर महादेव के जयकारे से वातावरण भक्तिमय रहेगा। धनियावां पहाड़ी के अलावा क्षेत्र के ओड़ो स्थित आभालिंगम महादेव मंदिर, नारदीगंज बाजार का शिवाला परमा, वनगंगा, मसौढ़ा, कहुआरा, रामे और कोसला के शिव मंदिरों को भी भव्य रूप से सजाया गया है।

आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर आई जी को सौंपा आवेदन

नारदीगंज (नवादा)। नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र के गंजपर निवासी कपिल यादव ने पुलिस महानिरीक्षक (मगध), गया को आवेदन देकर न्याय का गुहार लगाई है । उन्होंने आरोप लगाया है कि नारदीगंज थाना कांड संख्या 250/2026 के मुख्य नामजद आरोपी को पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं किया है। आरोपी खुलेआम क्षेत्र में घूम रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री रूनी कुमारी की शादी वर्ष 2020 में दलेलपुर नंदग्राम गांव के विपिन कुमार से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही उसे प्रताड़ित किया जाने लगा था। जिसके बाद उसने वर्ष 2024 में दहेज प्रताड़ना का मामला न्यायालय में भी दर्ज कराया था। आरोप है कि उनकी पुत्री की हत्या कर दी गई, जिसके संबंध में नौ जुलाई 2026 को प्राथमिकी दर्ज हुई। लेकिन अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आरोपी के ठिकाने की सूचना पुलिस को देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है । इस मामले को निष्पक्ष जांच कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

महादेव पब्लिक वेलफेयर ट्रस्ट का आठवां स्थापना दिवस 8अगस्त को

नारदीगंज (नवादा)। महादेव पब्लिक वेलफेयर ट्रस्ट आफ इंडिया का छठी स्थापना दिवस आगामी आठ अगस्त 2026 को धूमधाम से मनाया जायेगा। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय कार्यालय हिसुआ में होगी। कार्यक्रम की जानकारी संस्था के मुख्य प्रबंधक अधिकारी अरुण कुमार ,आर. के. सिंह,धीरज कुमार, विवेक कुमार,मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से दिया । कहा गया यह संस्था पिछले छह वर्षो से लगातार सामाजिक कार्य करते आ रही है। चाहे शिक्षा हो स्वास्थ्य है महिला सशक्तिकरण हो। संस्था के द्वारा महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भर बनाने की उदेश्य से दो नयी योजना की शुरुआत की जाएगी।

मंगलपुर पुल पर मरम्मति कार्य को लेकर 30 जुलाई से यातायात रहेगा बंद

बेतिया। अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर विकास कुमार ने बताया कि गंडक नदी पर स्थित मंगलपुर पुल पर मरम्मति कार्य के मद्देनजर दिनांक 30 जुलाई 2026 को प्रातः 5:00 बजे से अगले आदेश तक पुल पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूर्णतः बंद रहेगा। उन्होंने बताया कि गोपालगंज की ओर जाने वाले वाहन चालकों एवं आमजनों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में अरेराज मार्ग का उपयोग करना होगा। वहीं, नौतन प्रखंड अंतर्गत मछरगावा चौक से यातायात को जगदीशपुर की ओर डायवर्ट किया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी ने आमजनों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि मंगलपुर पुल पर मरम्मति कार्य के दौरान निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का ही उपयोग करें तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुल पर मरम्मति कार्य पूर्ण होने एवं यातायात बहाल किए जाने के संबंध में अलग से सूचना दी जाएगी।

सेमरा थाना का एसपी ने किया औचक निरीक्षण, पुलिसिंग को ले दिया निर्देश

बगहा। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने सेमरा थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना में लंबित कांडों की गहन समीक्षा करते हुए उनके त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर दिया ।साथ ही पुराने मामलों के शीघ्र निष्पादन, केस संचिकाओं के सुव्यवस्थित रख-रखाव, थाना परिसर की साफ-सफाई, अनुसंधान कार्य में तेजी लाने तथा निष्पादन की गुणवत्ता बनाए रखने के संबंध में संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के संधारण एवं विभिन्न प्रशासनिक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया . उन्होंने कहा कि प्रत्येक लंबित मामले का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध अनुसंधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके ।मौके पर सेमरा थानाध्यक्ष रेशमी कुमारी सहित थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

विश्व बाघ दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

वाल्मीकिनगर। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के बीअवसर पर वाल्मीकि टाइगर रिजर्व वन प्रमंडल 2 के अलग अलग रेंज में छात्र छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।इसी क्रम में वाल्मीकिनगर रेंज और गोनौली रेंज के रेंजर सत्यम कुमार और राजकुमार पासवान के नेतृत्व में बाघ दिवस के पूर्व संध्या मंगलवार को राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भेड़िहारी और उत्क्रमित विद्यालय गोनौली के छात्र छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।साथ ही पर्यावरण संरक्षण में बाघ किस प्रकार से सहयोगी है, के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।और वन्य जीव तथा मनुष्य के बीच संघर्ष विराम के बाबत भी बच्चों को जानकारी देते हुए जागरूक किया गया।विदित हो कि विश्व बाघ दिवस हर वर्ष 29 जुलाई को मनाया जाता है। वाल्मीकिनगर रेंजर सत्यम कुमार और गोनौली रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि विश्व बाघ दिवस के पूर्व संध्या पर विद्यालय के बच्चों के बीच चित्रकला और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।प्रतियोगिता में प्रथम तीन सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तनु कुमारी वर्ग 10, द्वितीय स्थान मांम्पी कुमारी वर्ग 10 तथा तृतीय स्थान मनोरमा कुमारी वर्ग 10 प्राप्त किया।वहीं निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निशि कुमारी वर्ग 10,द्वितीय स्थान अप्सा नाज़ वर्ग 10 एवं तृतीय स्थान महिमा यादव वर्ग 9 की छात्रा ने अपना परचम लहराया।इस अवसर पर विधालय के प्रधानाध्यापक धनंजय कुमार,वनपाल सूरज कुमार सहित अन्य वन्यकर्मी और विधालय के शिक्षक तथा छात्र मौजूद रहे।

चितवन राष्ट्रीय निकुंज में बाघों की संख्या में हुई वृद्धि

वाल्मीकिनगर। सीमावर्ती देश नेपाल में बाघ की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। और नेपाल में बाघ की संख्या 429 पहुंच गया है। जबकि पिछले गणना 2022 में नेपाल में 355 बाघ की गणना की गई थी। 29 जुलाई को विश्व बाघ दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय निकुंज तथा वन्य जीव संरक्षण विभाग के द्वारा बाघ गणना का नतीजा सार्वजनिक किया गया। जिससे पिछले गणना की तुलना में 74 बाघ की वृद्धि हुई है।विभाग के द्वारा जारी की गई तथ्यांक के अनुसार चितवन राष्ट्रीय निकुंज में बाघ की संख्या 128 से बढ़कर 145 पहुंच गया है। इसी तरह परसा निकुंज में बाघ की संख्या 41 से बढ़कर 71 पहुंच गया है। बांके राष्ट्रीय निकुंज में 25 से बढ़कर 51 तथा शुक्ला फांटा राष्ट्रीय निकुंज में 36 से बढ़कर बाघ की संख्या 50 पहुंच गया है। लेकिन बर्दिया निकुंज में बाघ की संख्या में गिरावट देखा जा रहा है। पिछले गणना में बर्दिया निकुंज में 125 बाघ की गणना की गई थी जबकि इस बार की गणना में बाघ की संख्या घटकर 112 हो गया है। यानी कि बर्दिया निकुंज में 13 बाघ कम हो गए है। इस बार के गणना में अत्याधुनिक कैमरा ट्रैपिंग प्रविधि से 373 अलग अलग बाघ का पहचान किया गया। जिसके आधार पर वैज्ञानिक विधायक प्रयोग कर कुल अनुमानित संख्या 429 निकाला गया है।

रजौली प्रखंड सभागार में विकास योजनाओं की समीक्षा, 6 करोड़ की मिली मंजूरी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ प्रमुख सरोज देवी की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक, सभी पंचायतों की योजनाएं पारित

रजौली। रजौली प्रखंड सभागार में बुधवार को प्रमुख सरोज देवी की अध्यक्षता में पंचायत समिति सदस्यों, मुखियाओं और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण विकास से जुड़ी कई योजनाओं की गहन समीक्षा की गई।बैठक में बीडीओ संजीव झा, सीओ मो. गुफरान मजहरी,पीओ विजय रंजन परमार, एमओ अजीत कुमार, बीपीआरओ हरिमोहन कुमार, बीएओ रौशन कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सौरभ कुमार निराला, उपप्रमुख विनोद राजवंशी, रजौली पूर्वी मुखिया संजय यादव, धमनी मुखिया विनोद कुमार और जीविका बीपीएम मनीष कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क नवीकरण योजना, सहकारिता विभाग, राशन कार्ड, 15वीं एवं षष्ठम वित्त आयोग की अनुपूरक राशि, पंचायत समिति योजना के चयन, वन विभाग,

बैठक की शामिल प्रमुख, बीडीओ, सीओ व अन्य

अंचल, श्रम विभाग, सामाजिक सुरक्षा, पीएचईडी, विद्युत विभाग, पशुपालन, सिंचाई और जीविका से संबंधित सभी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।पदाधिकारियों ने योजनाओं में आ रही समस्याओं और लक्ष्य के विरुद्ध हुए कार्य की जानकारी दी। मुखिया और पंचायत समिति सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं भी प्रमुख के सामने रखीं।

6 करोड़ की मिली मंजूरी :- बीडीओ संजीव झा ने बैठक में बताया कि VB-RAM-G की विभिन्न योजनाओं के लिए 5 करोड़ रुपए और पंचायत समिति की योजनाओं के लिए लगभग 1 करोड़ रुपए की मंजूरी प्राप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि विकास कार्यों में तेजी लाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों के वित्तीय वर्ष 2026-27 की सभी योजनाओं को पारित कर दिया गया है। अब पंचायतें स्वीकृत योजनाओं पर तुरंत काम शुरू कर सकेंगी।

प्रमुख सरोज देवी ने सभी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि स्वीकृत राशि का सदुपयोग समय पर और गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। बैठक में लिए गए निर्णयों से प्रखंड में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

नरहट में करंट लगने से भाजपा मंडल उपाध्यक्ष की मौत, क्षेत्र में शोक की लहर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नरहट (नवादा)। नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के ओलीपुर गांव में बुधवार की सुबह बिजली का तार जोड़ने के दौरान करंट लगने से भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष रामस्वरूप महतो (75) की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओलीपुर निवासी रामस्वरूप महतो, पिता स्वर्गीय काशी महतो, मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे अपने घर के पास कृषि कार्य के लिए बिजली का तार जोड़ रहे थे। इसी दौरान वे अचानक बिजली की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नरहट पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर नरहट थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, नवादा भेज दिया।

मृतक रामस्वरूप महतो भारतीय जनता पार्टी से लंबे समय से जुड़े हुए

रोते बिलखते स्वंजन

थे और वर्तमान में भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे। उनके निधन पर नरहट भाजपा मंडल अध्यक्ष नवीन सिंह, शेखपुरा मंडल अध्यक्ष अनिल राजवंशी, भाजपा नेता विवेकानंद, मुरारी मनोहर सहित अन्य नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

एसएसबी को बड़ी सफलता छह तस्कर दबोचे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ नेपाल ले जाए जा रहे खाद्य एवं उपभोक्ता सामान के साथ छह मोटरसाइकिल जब्त, कस्टम को सौंपा गया मामला

गौनाहा। भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 44वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), नरकटियागंज को बड़ी सफलता मिली है। "सी" समवाय पचरौता की टीम ने विशेष गश्ती के दौरान छह कथित तस्करों को भारी मात्रा में खाद्य एवं उपभोक्ता सामान तथा छह मोटरसाइकिलों के साथ पकड़ लिया। बरामद सामान और सभी आरोपितों को अग्रिम कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग, बेतिया को सौंप दिया गया।

एसएसबी के अनुसार, 29 जुलाई 2026 को उपनिरीक्षक (सामान्य) रवि कुमार के नेतृत्व में टीम अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या-429 से करीब 2.6 किलोमीटर भारतीय सीमा के भीतर आम बागान के समीप विशेष गश्त पर थी। इसी दौरान छह मोटरसाइकिलों पर भारी मात्रा में सामान ले जाते हुए लोगों को रोका गया। जांच में 650 किलोग्राम चीनी, 46.80 किलोग्राम चाऊमीन, 1.5 लीटर क्षमता वाली 105 कोल्ड ड्रिंक की बोतलें, विभिन्न ब्रांड के चिप्स, रेड बुल, 78 किलोग्राम चावल, रिफाइंड तेल तथा सरसों तेल सहित अन्य सामान बरामद किया गया।

पकड़े गए सभी लोगों की पहचान नेपाल के पर्सा जिले के निवासी रोमन सापकोटा, सीसी उप्रेती, जारी तमांग, संजय गोले, बाल बहादुर श्रेष्ठ और फुरबा स्यानाग्दन के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि बरामद सामान भारत से नेपाल ले जाया जा रहा था। एसएसबी ने सभी आरोपितों, छह मोटरसाइकिलों और जब्त सामान को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय, बेतिया के हवाले कर दिया है।

सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों ने एसएसबी की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि लगातार हो रही सख्ती से सीमा पार होने वाली अवैध तस्करी पर अंकुश लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एसएसबी की सक्रियता से तस्करी में कमी आई है और तस्करी में संलिप्त लोगों में भय का माहौल बना है।

रजौली पत्रकार संगठन में लोकतंत्र की मिसाल, कुमार मनीष देव को फिर मिला पत्रकारों का भरोसा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मनीष बने प्रखंड अध्यक्ष, तो संतोष बने उपाध्यक्ष

रजौली। पत्रकारिता के क्षेत्र में निष्पक्षता और एकजुटता की मिसाल पेश करते हुए रजौली पत्रकार संगठन के चुनाव में एक बार फिर कुमार मनीष देव को अध्यक्ष पद पर चुना गया है। पत्रकारों ने भारी मतों से अपना भरोसा जताते हुए उन्हें संगठन की कमान सौंपी है। बुधवार को रजौली के एनएच-20 किनारे स्थित स्वस्तिक रेस्टोरेंट में हुए संगठन के वार्षिक चुनाव में पत्रकारों की भारी उपस्थिति रही। चुनाव शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ। मतदान के बाद मतगणना में कुमार मनीष देव को स्पष्ट बढ़त मिलते ही पत्रकारों ने तालियों से उनका स्वागत किया। वहीं संतोष कुमार सिंह उपाध्यक्ष पद के लिए चुने गए। संगठन के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को पत्रकार साथियों ने मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की।

चुनाव के बाद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के साथ पत्रकारगण

"पत्रकारों की एकता ही हमारी ताकत है" :- अध्यक्ष चुने जाने के बाद कुमार मनीष देव ने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि रजौली के सभी पत्रकारों की एकता और भरोसे की जीत है। उन्होंने कहा, "आज के दौर में पत्रकारों के सामने कई चुनौतियां हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम निष्पक्ष होकर समाज की आवाज बनें और प्रशासन व आमजन के बीच सेतु का काम करें।

पत्रकारों के हित और सुरक्षा के लिए संगठन हमेशा आगे रहेगा।" उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपने कार्यकाल में संगठन को और मजबूत किया जाएगा। पत्रकारों की समस्याओं को जिला और राज्य स्तर तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही प्रखंड में होने वाली गलत गतिविधियों को उजागर कर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भूमिका को मजबूती से निभाया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया में वरिष्ठ पत्रकारों और निर्वाचन पदाधिकारियों की अहम भूमिका रही। नए कार्यकारिणी के गठन के बाद संगठन में नई ऊर्जा देखी जा रही है। पत्रकारों ने कहा कि कुमार मनीष देव के नेतृत्व में संगठन ने पिछले कार्यकाल में भी पत्रकारों के मान-सम्मान और मुद्दों को लेकर सराहनीय काम किया है। इसी कारण एक बार फिर पत्रकारों ने उन पर भरोसा जताया है। रजौली पत्रकार संगठन के इस चुनाव को प्रखंड में लोकतंत्र की मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। इस मौके पर अशोक कुमार राय, दिनेश कुमार, पवन कुमार,राजेश कुमार, रवि कुमार सिंह, राहुल कुमार, विकास सोलंकी, गौरव कुमार, मनोज कुमार, संतोष कुमार एवं ऋषभ कुमार मौजूद रहे।

अपहरण के बाद दुष्कर्म कर हत्या के मामले में अभियुक्त गिरफ्तार, नवादा पुलिस की त्वरित कार्रवाई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा : नवादा जिले के पकरीबरावां थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से एक बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया था। इस संबंध में बच्ची के परिजनों द्वारा दिया गया लिखित आवेदन के आधार पर पकरीबरावां थाना में कांड संख्या 336/26, दिनांक 27 जुलाई 2026 को दर्ज किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, नवादा के निर्देश पर एसडीपीओ, पकरीबरावां के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम (एसआईटी) का गठन किया गया। गठित टीम बच्ची की सकुशल बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी।

इसी क्रम में 28 जुलाई की सुबह लगभग 7:00 बजे सूचना मिली

कि पकरीबरावां थाना क्षेत्र के देवधा कॉलेज के समीप एक खेत में बच्ची का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव की पहचान कराई गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। पुलिस अधीक्षक, नवादा ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, नवादा भेज दिया गया।

पुलिस को मिले सटीक इनपुट और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर घटना में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। थाना लाकर पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि 27 जुलाई 2026 की रात लगभग 8:00 बजे जब मृतका घर के पास स्थित दुकान से पेन खरीदकर लौट रही थी, तब उसने बच्ची का अपहरण किया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद मुंह में मिट्टी भरकर और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी तथा शव को खेत में फेंक दिया।

पूछताछ पूरी होने के बाद गिरफ्तार अभियुक्त लखनपुरा ग्राम निवासी रघुनंदन मांझी पिता तेतर मांझी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले के अन्य पहलुओं पर अनुसंधान जारी है। पुलिस द्वारा मृतका के परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस ने कहा कि अभियुक्त को स्पीडी ट्रायल के माध्यम से जल्द से जल्द सजा दिलाई जाएगी।

न्यायिक फेरबदलः शिव गोपाल मिश्रा बने पश्चिम चंपारण के नए जिला एवं सत्र न्यायाधीश

वर्तमान जिला जज अनामिका टी का पटना सिविल कोर्ट में तबादला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेतिया। पटना उच्च न्यायालय द्वारा किए गए न्यायिक फेरबदल के तहत उच्च न्यायालय के वर्तमान महानिबंधक शिव गोपाल मिश्रा को पश्चिम चंपारण का नया जिला एवं सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वहीं पश्चिम चंपारण की वर्तमान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनामिका टी का स्थानांतरण पटना सिविल कोर्ट में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर किया गया है। उच्च न्यायालय से जुड़े विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, न्यायिक प्रशासन को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से यह तबादला किया गया है। जल्द ही दोनों अधिकारी अपने-अपने नए पदों का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

अनामिका टी का पश्चिम चंपारण में कार्यकाल अपेक्षाकृत छोटा रहा, लेकिन इस दौरान उन्होंने न्यायिक कार्यों के त्वरित निष्पादन, प्रशासनिक दक्षता और सरल कार्यशैली से अपनी अलग पहचान बनाई। अधिवक्ताओं, न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायालय कर्मियों तथा वादकारियों के बीच उनकी कार्यशैली की सराहना की जाती रही। न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन और न्यायिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए उनके प्रयासों को सकारात्मक रूप से देखा गया।

उनके स्थानांतरण पर न्यायिक जगत में मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। एक ओर उनके बेहतर कार्यकाल को लेकर लोगों में संतोष है, वहीं दूसरी ओर उनके स्थानांतरण से स्थानीय अधिवक्ताओं और न्यायालय कर्मियों में भावुकता भी दिखाई दे रही है।

नवनियुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिव गोपाल मिश्रा के आगमन से न्यायिक व्यवस्था को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। न्यायिक सेवा में स्थानांतरण और पदस्थापन सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाए रखना होता है।

जानलेवा हमला में शामिल एक युवक समेत दो लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजे गए जेल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के ऊपरटंडा में बीते 16 जुलाई की रात्रि को चाचा-भतीजा पर हुई जानलेवा हमला मामले में पुलिस बलों ने एक नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी ओर शराब मामले में पांच वर्षों से फरार चल रहे अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया है।

थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि महसई निवासी सुधीर मालाकार की पत्नी रीता देवी ने थाने को लिखित आवेदन देकर बताई कि उनका बेटा रौशन कुमार अपने दोस्तों के साथ नदी के तरफ घूमने गया था। इसी क्रम में ऊपरटंडा के मोहित कुमार, सौरव कुमार, विकास कुमार व सुजीत कुमार के अलावे नीचे बाजार निवासी मंटू कुमार द्वारा रौशन को भद्दी-भद्दी गालियां दी गई। रौशन द्वारा विरोध करने पर उक्त पांचों लोगों द्वारा लोहे के रॉड से सिर पर मारकर गम्भीर रूप से जख्मी कर दिया। सूचना पर पहुंचे संजीत कुमार के सीने में भी बोतल को फोड़कर जानलेवा हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित रीता देवी के द्वारा दिया आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस अभियुक्तों की गिरफ्तारी में जुटी हुई थी।

इसी बीच गुप्त सूचना के आलोक में नामजद अभियुक्त श्री साव के पुत्र मंटू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है। वहीं दूसरी ओर वर्ष 2021 में पुलिस ने 100 लीटर शराब के साथ दो बाइकों को जब्त किया था एवं दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया था,जबकि कुछ तस्कर भाग गए थे। इसको लेकर रजौली थाना कांड संख्या 294/21 में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी। पुलिस ने कांड के वांछित अभियुक्त झारखंड के कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के झुमरी तिलैया के बेलाटांड़ मोहल्ला निवासी शिवशंकर प्रसाद के पुत्र पंकज कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को बुधवार को मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि अपराधी गतिविधियों के विरुद्ध पुलिस सख्त है और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा रही है।

Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

खेल

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास, 10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले...

देश

एनसीपी विलय की खबरों के बीच शरद पवार ने पीएम मोदी को दिया बारामती आने का न्योता...

शुक्ल पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • गुरुवार • 30 जुलाई 2026 • वर्ष 28 • अंक 238 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,31,550	₹ 2,35,000

आज का इतिहास

2012 : लंबी बिजली कटौती ने दिल्ली के लोगों को प्रभावित किया है। दिल्ली, भारत में 300 मिलियन से अधिक लोग बिना बिजली के रह गए हैं। पावर ग्रिड की विफलता के कारण शहर को बहुत नुकसान हुआ है।

2011 : जारा फिलिप्स, महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की पोती ने माइक टिंडेल से शादी की। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंग्लैंड रग्बी यूनियन है।

न्यूज बाइट्स

सुपौल में बनेगा बिहार का तीसरा इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च

सुपौल (नि.सं.)। सुपौल जिले में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च (आईडीटीआर) की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। जिला प्रशासन ने बसंतपुर अंचल के वीरपुर मौजा स्थित बनैलीपट्टी में इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 10 एकड़ सरकारी भूमि परिवहन विभाग को निःशुल्क अंतरविभागीय हस्तांतरण के लिए उपलब्ध करा दी है। इस संबंध में जिलाधिकारी सावन कुमार ने आदेश जारी कर दिया है। प्रस्तावित संस्थान बिहार का तीसरा आईडीटीआर होगा। वर्तमान में इस प्रकार का संस्थान औरंगाबाद में संचालित है, जबकि पटना में दूसरे संस्थान की स्थापना की प्रक्रिया चल रही है। सुपौल में बनने वाला यह संस्थान कोसी-सीमांचल क्षेत्र का पहला अत्याधुनिक ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र होगा। संस्थान में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हल्के एवं भारी मोटर वाहनों के संचालन, सड़क सुरक्षा, सिम्युलेटर आधारित आधुनिक ड्राइविंग प्रशिक्षण और यातायात अनुसंधान की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आधुनिक तकनीक से लैस यह केंद्र प्रशिक्षित और दक्ष चालकों की नई पीढ़ी तैयार करेगा। परिवहन विभाग के अनुसार, यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के लिए देश के साथ-साथ विदेशों में भी रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने की घोषणा

32,388 शिक्षकों की होगी बहाली जल्द जारी होगा भर्ती का विज्ञापन

शिक्षा विभाग ने बीपीएससी को भेजी अधियाचना, बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति

• सरकार का दावा है कि भर्ती से विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर होगी और युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा।

निज संवाददाता | पटना

बिहार के लाखों शिक्षक अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को शिक्षक भर्ती के चौथे चरण (टीआरई-4) के तहत राज्य में 32,388 शिक्षकों की नियुक्ति की घोषणा की। इसके लिए शिक्षा विभाग ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) को अधियाचना भेज दी है। अब आयोग जल्द ही विस्तृत विज्ञापन जारी करते हुए आवेदन प्रक्रिया और परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा करेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने और सरकारी विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि टीआरई-4 के तहत होने वाली यह भर्ती इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर होगी और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी।

टीआरई-4 में पदों का विवरण

शिक्षा विभाग के अनुसार, इस भर्ती अभियान में कक्षा 1 से 5 तक के लिए 3,847 पद, कक्षा 6 से 8 के लिए 8,563 पद, कक्षा 9 से 10 के लिए 3,877 पद तथा कक्षा 11 से 12 के लिए 16,101 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। सबसे अधिक रिक्तियां उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए निर्धारित की गई हैं। अधियाचना प्राप्त होने के बाद बिहार लोक सेवा आयोग अब भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। आयोग जल्द ही विस्तृत विज्ञापन जारी करेगा, जिसमें पात्रता, आवेदन की तिथि, परीक्षा कार्यक्रम और चयन प्रक्रिया से जुड़ी सभी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। लंबे समय से टीआरई-4 भर्ती का इंतजार कर रहे लाखों अभ्यर्थियों के लिए यह घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राज्य सरकार का कहना है कि बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति से एक ओर युवाओं को सरकारी नौकरी का अवसर मिलेगा, वहीं दूसरी ओर सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर होने से शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

हर साल बहाल होंगे 20 हजार शिक्षक

22 मई 2026 को सम्राट सरकार ने एक फैसला लिया था, जिसमें कहा गया था कि हर साल 20 हजार टीचर बहाल किए जाएंगे। इसी फैसले को लागू किए जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की बैठक के बाद सरकार ने घोषणा की थी कि अब हर साल शिक्षकों की बहाली की जाएगी। इसके तहत अगले पांच साल में 1 लाख शिक्षकों की नियुक्ति का टारगेट रखा गया है। बीपीएससी की ओर से टीआरई का विज्ञापन हर साल जुलाई में जारी करने का निर्णय लिया गया है। सरकार के अनुसार, शिक्षा विभाग हर साल रिटायर होने वाले शिक्षकों और उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर बीपीएससी को अधियाचना भेजेगा।

पहले स्क्रीनिंग टेस्ट फिर मुख्य परीक्षा

पहले चरण में स्क्रीनिंग टेस्ट (पीटी) आयोजित किया जाएगा, जो पूरी तरह वस्तुनिष्ठ (ऑब्जेक्टिव) होगा। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों की संख्या को कम करना है, ताकि मुख्य परीक्षा का संचालन अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से किया जा सके। स्क्रीनिंग टेस्ट का आयोजन राज्यभर के एक हजार से अधिक परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा।

स्क्रीनिंग टेस्ट में सफल होने वाले अभ्यर्थी ही दूसरे चरण की मुख्य परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। आयोग के अनुसार मुख्य परीक्षा भी वस्तुनिष्ठ होगी, लेकिन इसका आयोजन मुख्य रूप से पटना में किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस नई व्यवस्था से परीक्षा प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष होगी और भर्ती में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

लोकसभा में पेपर लीक संशोधन बिल पास सात साल की सजा, 10 करोड़ तक जुर्माना

• वंदे मातरम के अपमान पर तीन साल तक की सजा का प्रावधान

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा ने बुधवार को 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस विधेयक के जरिए सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए कानून को और अधिक सख्त बनाया गया है। बिल पर मंगलवार को करीब नौ घंटे चर्चा हुई, जबकि बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगभग 50 मिनट तक अपनी बात रखी। विपक्ष के हंगामे के बीच अंततः विधेयक पारित हो गया। संशोधित कानून के तहत पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी से जुड़े मामलों में दोषियों के लिए कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। अब ऐसे अपराधों में अधिकतम 10 वर्ष तक की कैद और 10 करोड़ तक के जुर्माने की सजा दी जा सकेगी।

सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य प्रतियोगी और सार्वजनिक परीक्षाओं की निष्पक्षता बनाए रखना तथा परीक्षा माफियाओं पर प्रभावी अंकुश लगाना है। उधर, राज्यसभा ने राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को भी मंजूरी दे दी। इस संशोधन के बाद वंदे मातरम् को भी जन-गण-मन की तरह कानूनी संरक्षण प्राप्त होगा। नए प्रावधानों के अनुसार राष्ट्रगीत का अपमान, अनादर करना या उसके गायन में जानबूझकर बाधा उत्पन्न करना दंडनीय अपराध माना जाएगा। संशोधित विधेयक के तहत वंदे मातरम् के अपमान के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष तक की कैद, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान किया गया है। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रगीत के सम्मान को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह संशोधन लाया गया है।

अमित शाह ने छात्रों को दी बधाई

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधन रोकथाम) संशोधन विधेयक के पारित होने पर देशभर के छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक सार्वजनिक परीक्षाओं की पवित्रता बनाए रखने और युवाओं के सपनों व आकांक्षाओं की रक्षा के लिए सख्त कानूनी प्रावधान सुनिश्चित करता है। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि लोकसभा में इस महत्वपूर्ण विधेयक के पारित होने पर भारत के सभी छात्रों को बधाई। उन्होंने कहा कि यह कानून सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वालों और परीक्षा की पवित्रता भंग करने वालों के खिलाफ सबसे कठोर सजा का प्रावधान करता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह संशोधन विधेयक युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं की रक्षा के लिए लाया गया है। इसके जरिए सार्वजनिक परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता को और मजबूत किया जाएगा। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि मोदी सरकार छात्रों के भविष्य को खतरे में डालने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कानून की पूरी सख्ती से कार्रवाई की जाएगी और उन्हें कठोर दंड दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सरकार का मानना है कि नए संशोधन के लागू होने से सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर प्रभावी रोक लगेगी और ईमानदार अभ्यर्थियों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

सभी जिला व अनुमंडलीय अस्पतालों में सशक्त होगी नेत्र चिकित्सा सेवा

• आई ओपीडी और आई ओटी को आधुनिक उपकरणों से किया जाएगा लैस, स्वास्थ्य विभाग ने गैप एनालिसिस के दिए निर्देश

निज संवाददाता | पटना

राज्य सरकार के सात निश्चय-3 कार्यक्रम के तहत बिहार में नेत्र चिकित्सा सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने राज्य के सभी जिला एवं अनुमंडलीय अस्पतालों में संचालित आई ओपीडी (आई विभाग) और आई ऑपरेशन थिएटर (आई ओटी) की सुविधाओं का अंतर-विश्लेषण (गैप एनालिसिस) कराने का निर्देश जारी किया है, ताकि आवश्यक आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जा सकें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वर्तमान में राज्य के 25 जिला अस्पतालों में मोतियाबिंद (कैटरेक्ट) ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है। अब सभी जिला एवं अनुमंडलीय अस्पतालों में उपलब्ध संसाधनों और सुविधाओं का आकलन कर चरणबद्ध तरीके से आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे नेत्र सर्जरी सेवाओं का पूरे राज्य में विस्तार किया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि सरकार का उद्देश्य आम लोगों को मोतियाबिंद और अन्य नेत्र रोगों के इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहने देना है। जिला स्तर पर ही आधुनिक उपकरण, प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मी और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे मरीजों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण उपचार मिलेगा और अनावश्यक रेफरल मामलों में कमी आएगी।

विभाग ने सभी अस्पतालों को भारतीय जन स्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस) के अनुरूप आई ओपीडी और आई ओटी में उपलब्ध उपकरणों की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। गैप एनालिसिस के आधार पर उपकरणों की कमी की पहचान कर आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता की निगरानी बीईएमएमपी पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिला एवं अनुमंडलीय अस्पतालों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी गैप एनालिसिस रिपोर्ट राज्य स्वास्थ्य समिति को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इससे राज्यभर में नेत्र चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और मरीजों

सीएम सम्राट चौधरी की अध्यक्षता कई फैसलों पर लगी मुहर

22 हजार आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका की होगी बहाली , वेजफेड विस्तार को भी मिली मंजूरी

• गन्ना आधारित उद्योग लगने से किसानों को बेहतर बाजार और युवाओं को रोजगार मिलेगा।

• अमृत 2.0 के तहत लखीसराय (150.96 करोड़) और किशनगंज (53.71 करोड़) जलापूर्ति परियोजनाओं को मंजूरी मिली।

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बिहार मंत्रिपरिषद की बैठक में 24 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने महिलाओं के लिए बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों में करीब 22 हजार सेविका एवं सहायिका पदों पर बहाली प्रक्रिया शुरू करने की स्वीकृति प्रदान की। सरकार का मानना है कि इससे हजारों महिलाओं को रोजगार मिलेगा और बाल विकास एवं पोषण सेवाओं को मजबूती मिलेगी। बैठक में केंद्र प्रायोजित अमृत 2.0 मिशन के तहत लखीसराय और किशनगंज जलापूर्ति परियोजनाओं को भी प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। लखीसराय जलापूर्ति परियोजना के लिए 150.96 करोड़ तथा किशनगंज जलापूर्ति परियोजना के लिए 53.71 करोड़ मंजूर किए गए हैं। इन योजनाओं के पूरा होने से शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल आपूर्ति बेहतर होगी। मिथिलांचल के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए दरभंगा के रैयाम और मधुबनी के सकरी स्थित बंद पड़ी चीनी मिल परिसरों में नई सहकारी चीनी मिलों और गन्ना उपोत्पाद आधारित उद्योग स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। सरकार का कहना है कि इससे गन्ना किसानों को लाभ मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पथ निर्माण विभाग के प्रस्ताव के तहत जमुई जिले में एनएच-333ए पर दो उच्चस्तरीय आरसीसी पुलों के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई। खैरा-सोनो मार्ग पर नरियाना घाट में क्यूल नदी पर 93.82 करोड़ तथा मांगोबंदर में सुकनर नदी पर 55.96 करोड़ की लागत से नए पुल बनाए जाएंगे। इससे क्षेत्र की यातायात सुविधा और कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

कैबिनेट ने राज्य में सब्जी उत्पादक किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने और विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन योजना के तहत वेजफेड के विस्तार को भी मंजूरी दी। इस योजना पर 106.39 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसके तहत पंचायत स्तर पर संग्रहण केंद्र, प्रखंड स्तर पर आधारभूत संरचना, सहकारी समितियों को कार्यशील पूंजी तथा सब्जियों के परिवहन के लिए रीफर वाहनों की व्यवस्था विकसित की जाएगी। सरकार का कहना है कि इन फैसलों से कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत संरचना को नई मजबूती मिलेगी।

ट्रांसजेंडर पहचान पत्र और सरकारी नौकरियों में आरक्षण पर चर्चा

• किन्नर कल्याण बोर्ड की बैठक अब हर तीन महीने पर होगी, ट्रांसजेंडर समुदाय की मांगों पर सरकार गंभीर

निज संवाददाता | पटना

समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को बिहार राज्य किन्नर कल्याण बोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ट्रांसजेंडर समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान ट्रांसजेंडर पहचान पत्र के निर्बाध निर्गमन, सरकारी नौकरियों में रोजगार एवं आरक्षण, किन्नर कल्याण बोर्ड के लिए स्थायी कार्यालय की स्थापना, विभाग और बोर्ड के बीच बेहतर समन्वय के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति, विभागीय वेबसाइट पर बोर्ड के सदस्यों का विवरण उपलब्ध कराने तथा सदस्यों के लिए उचित मानदेय निर्धारित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय की सभी न्यायसंगत मांगों पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिन विषयों पर मुख्यमंत्री स्तर पर निर्णय लिया जाना आवश्यक होगा, उन्हें मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। मंत्री ने निर्देश दिया कि बिहार राज्य किन्नर कल्याण बोर्ड की बैठक अब प्रत्येक तीन महीने पर नियमित रूप से आयोजित की जाए, ताकि समुदाय से जुड़े मुद्दों की समयबद्ध समीक्षा हो सके और उनके समाधान में तेजी लाई जा सके।

बैठक के दौरान ट्रांसजेंडर समुदाय की एक सदस्य ने कौशल विकास मिशन के तहत प्राप्त निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण का अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस पहल ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने की नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाएं ट्रांसजेंडर समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बैठक में समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव एच.आर. श्रीनिवास सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं किन्नर कल्याण बोर्ड के सदस्य उपस्थित रहे।

खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध और वैश्विक सप्लाई चेन में आई बाधाओं का असर

भारत में महंगी हुई कैंसर की दवाएं, कीमोथेरेपी की लागत बढ़ी

• रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य-पूर्व तनाव से दवा निर्माण लागत बढ़ी।

• कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से शिपिंग और हवाई परिवहन महंगा हुआ।

निज संवाददाता | पटना

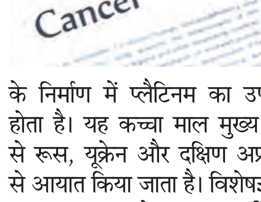

खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध और वैश्विक सप्लाई चेन में आई बाधाओं का असर अब भारत में कैंसर मरीजों के इलाज पर भी दिखाई देने लगा है। जीवनरक्षक कीमोथेरेपी दवाओं, विशेषकर प्लैटिनम आधारित दवाओं की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे कैंसर मरीजों और उनके परिजनों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कीमोथेरेपी में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाली सिस्प्लैटिन, कार्बोप्लैटिन और ऑक्सालीप्लैटिन जैसी दवाओं के निर्माण में प्लैटिनम का उपयोग होता है। यह कच्चा माल मुख्य रूप से रूस, यूक्रेन और दक्षिण अफ्रीका से आयात किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण इन दवाओं के कच्चे माल की उपलब्धता प्रभावित हुई है, जिससे उत्पादन लागत बढ़ गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण समुद्री और हवाई माल ढुलाई भी महंगी हो गई है। इसका सीधा असर दवा निर्माण लागत पर पड़ा है। हालांकि जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें सामान्यतः सरकारी नियंत्रण में रहती हैं, लेकिन बढ़ती उत्पादन लागत को देखते हुए इन दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की अनुमति दी गई है।

महावीर कैंसर संस्थान की चिकित्सा निदेशक डॉ. मनीषा सिंह ने बताया कि संस्थान में प्रतिदिन लगभग 250 से 300 मरीज कीमोथेरेपी के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि खाड़ी संकट के कारण प्लैटिनम आधारित कुछ दवाओं की आपूर्ति प्रभावित हुई है, लेकिन संस्थान ने पहले से पर्याप्त स्टॉक की व्यवस्था कर रखी है। इसलिए मरीजों को फिलहाल दवाओं की कमी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। महावीर कैंसर संस्थान के हेड एंड नेक विभाग के प्रभारी डॉ. कुणाल रंजन ने बताया कि ईरान-अमेरिका तनाव, मध्य-पूर्व संघर्ष और वैश्विक परिवहन व्यवस्था प्रभावित होने से कंटेनरों और जहाजों की उपलब्धता कम हुई है। इसके कारण माल ढुलाई की लागत काफी बढ़ गई है, जिससे सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लैटिन जैसी जीवनरक्षक दवाओं का उत्पादन महंगा हो गया है।

उन्होंने कहा कि परिवहन और कच्चे माल की लागत बढ़ने से फार्मा कंपनियों का उत्पादन खर्च काफी बढ़ा है। अस्पतालों में संभावित कमी की आशंका को देखते हुए सरकार ने कंपनियों की मांग पर आवश्यक कैंसर दवाओं की कीमतों में वृद्धि की अनुमति दी, ताकि उनकी आपूर्ति बाधित न हो। डॉ. कुणाल रंजन ने सुझाव दिया कि आर्थिक रूप से कमजोर कैंसर मरीजों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार को जीवनरक्षक कैंसर दवाओं पर विशेष सब्सिडी या राहत पैकेज देने पर विचार करना चाहिए। इससे मरीजों पर बढ़ते आर्थिक बोझ को कम किया जा सकेगा और उन्हें समय पर आवश्यक उपचार मिल सकेगा।

स्टांप ड्यूटी चोरी पर सरकार सख्त

बिहार में जमीन रजिस्ट्री के नए नियम लागू कीमत छिपाने पर 100 प्रतिशत तक जुर्माना

• बाजार मूल्य कम बताने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

निज संवाददाता | पटना

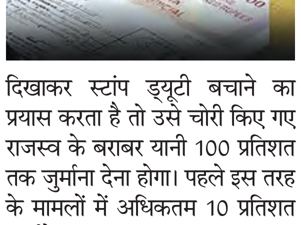

बिहार में जमीन और मकान की रजिस्ट्री को लेकर राज्य सरकार ने नियमों को और सख्त कर दिया है। मंत्रिपरिषद की मंजूरी के बाद भारतीय स्टांप (संशोधन) विधेयक-2026 लागू कर दिया गया है और इसका गजट नोटिफिकेशन भी जारी हो चुका है। नए कानून का उद्देश्य संपत्ति की वास्तविक कीमत छिपाकर स्टांप ड्यूटी की चोरी करने वालों पर प्रभावी रोक लगाना है। नए प्रावधानों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर जमीन या मकान की कीमत कम दिखाकर स्टांप ड्यूटी बचाने का प्रयास करता है तो उसे चोरी किए गए राजस्व के बराबर यानी 100 प्रतिशत तक जुर्माना देना होगा। पहले इस तरह के मामलों में अधिकतम 10 प्रतिशत जुर्माने का प्रावधान था।

सरकार ने भुगतान को लेकर भी सख्त व्यवस्था की है। यदि निर्धारित समय के भीतर बकाया स्टांप शुल्क और जुर्माना जमा नहीं किया गया तो संबंधित संपत्ति पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। वहीं राजस्व चोरी के मामलों की जांच की समय-सीमा भी दो वर्ष से बढ़ाकर चार वर्ष कर दी गई है, जिससे पुराने मामलों की भी जांच संभव होगी। नए नियमों के तहत यदि जिलाधिकारी (डीएम) या सहायक निबंधन महानिरीक्षक (एआईजी) किसी मामले में राजस्व चोरी का आदेश देते हैं तो संबंधित व्यक्ति को 60 दिनों के भीतर बकाया राशि और जुर्माना जमा करना होगा। तय अवधि के बाद भुगतान करने पर ब्याज भी देना पड़ेगा, हालांकि ब्याज की कुल राशि मूल राजस्व चोरी की राशि से अधिक नहीं होगी। संशोधित नियमों के तहत सहायक निबंधन अधिकारियों को भी अतिरिक्त अधिकार दिए गए हैं। यदि किसी संपत्ति के मूल्यांकन पर संदेह होगा तो वे रजिस्ट्री से पहले ही मामला डीएम या एआईजी के पास भेज सकेंगे।

आज से शुरू हो रहा भगवान शिव का प्रिय श्रावण मास

पटना (नि.सं.)। भगवान शिव को समर्पित पवित्र श्रावण मास आज से प्रारंभ हो रहा है। इस वर्ष सावन 28 अगस्त तक रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन का महीना भगवान शिव की आराधना, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक और सोमवार व्रत के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दौरान श्रद्धालु व्रत रखकर शिवलिंग का जलाभिषेक करेंगे और सुख, समृद्धि तथा मनोकामना पूर्ति की कामना करेंगे। सावन के आरंभ के साथ ही देशभर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगेगी। भक्त गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, आक और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे। धार्मिक मान्यता है कि सावन में विधि-विधान से की गई शिव पूजा से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन के कष्ट दूर होते हैं। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार सावन में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है और व्यक्ति को मानसिक शांति की प्राप्ति होती है।

संक्षिप्त समाचार

2017 के मामले का फरार वारंटी सात साल बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा

काराकाट /रोहतास। काराकाट थाना पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए वर्ष 2017 के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के मानिक परासी गांव में छापेमारी कर आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान मानिक परासी गांव निवासी परमेश्वर तिवारी के पुत्र ललन तिवारी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि ललन तिवारी के विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी था और वह लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहा था। विश्वसनीय सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके संभावित ठिकाने पर छापेमारी की, जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही नियमित गश्ती व्यवस्था को भी और सुदृढ़ किया गया है, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि न्यायालय से वारंट जारी होने के बाद फरार चल रहे आरोपितों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

समावेशी शिक्षा को प्रभावी बनाने पर बीईओ ने दिया जोर - सीडब्ल्यूएसएन रिसोर्स सेंटर का निरीक्षण

तमकुही। विकास खंड दुदही के बीआरसी परिसर स्थित सीडब्ल्यूएसएन (चाइल्ड विद स्पेशल नीड) रिसोर्स सेंटर का बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी रीता गुप्ता ने निरीक्षण किया। उन्होंने दिव्यांग बच्चों से संवाद कर उनकी शैक्षिक प्रगति, उपलब्ध सुविधाओं और सहायक उपकरणों के उपयोग की जानकारी ली। साथ ही विशेष शिक्षकों को समावेशी शिक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सभी इंटीनरेट (विशेष) शिक्षक दिव्यांग बच्चों के साथ उपस्थित मिले। बीईओ ने बच्चों से उपलब्ध दिव्यांग उपकरणों का प्रयोग कराया तथा उनके उपयोग की जानकारी लेते हुए विभिन्न शैक्षिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। बीईओ रीता गुप्ता ने कहा कि समावेशी शिक्षा तभी सार्थक होगी, जब प्रत्येक दिव्यांग बच्चा विद्यालय से जुड़कर नियमित शिक्षा प्राप्त करे ।इस अवसर पर विशेष शिक्षक भीमराव, विजय चौधरी, अनंत अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

महिला स्वाभिमान बटालियन की समादेष्टा ने फलदार पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वाल्मीकिनगर। वाल्मीकि नगर स्थित महिला स्वाभिमान बटालियन परिसर में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस, गुरु पूर्णिमा, विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर बटालियन की समादेष्टा कुमारी निर्मला के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधों का पौधारोपण किया गया। सुश्री निर्मला ने सिंगल उसे प्लास्टिक का परित्याग करने का अपील किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से यथासंभव ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने की अपील की।ताकि पर्यावरण की रक्षा की जा सके। पर्यावरण प्रेमी मनोज कुमार और समाजसेवी अजय झा ने बताया कि एक बेहतर पर्यावरण के लिए पेड़ पौधे की रक्षा उनका विकास अति आवश्यक है। इस अवसर पर युवाओं से कर्मठ होने की अपील की गई। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपनी संस्कृति और सभ्यता के मुताबिक आचरण की भी अपील की। इस अवसर पर महिला स्वाभिमान बटालियन के कई अधिकारी व जवान के अलावा कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

प्रचंड गर्मी को देखते हुए राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन भारत ने किया निशुल्क प्याऊ की व्यवस्था

बेतिया। प्रचंड गर्मी को देखते हुए राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन भारत के द्वारा बेतिया राज देवड़ी मेला ग्राउंड में निशुल्क प्याऊ की व्यवस्था किया गया है। जिसका विद्वत उद्घाटन बुधवार के दिन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हैदर अली, जिला अध्यक्ष विनय कुमार, प्रदेश सचिव तनवीर आलम, संगठन के युवा प्रकोष्ठ के सचिव नसीम अंसारी, मोहम्मद डब्लू, अजीत पटेल, मोहम्मद असलम, मुकेश कुमार, अरुण बरनवाल की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रचंड गर्मी को देखते हुए यह व्यवस्था संगठन के सहयोग से आम जनता के लिए निशुल्क किया गया है। वहीं जिला अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि मेला ग्राउंड भीड़ भाड़ वाला जगह है। जहां सभी जगह के लोग यही से होकर गुजरते हैं। लेकिन इनके पीने के लिए इस जगह एक भी चापाकल या नल नहीं है इसको देखते हुए राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन भारत में निशुल्क प्याउ की व्यवस्था किया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया संत गुरू रविदास की पूजा

- भगवान राम एवं कृष्ण में विशेष श्रद्धा रखते थे संत रविदास जी
- निर्गुण ब्रम्ह की पूजा कर रविदास ने सिद्ध किया कि व्यक्ति छोटा बड़ा जन्म से नहीं कर्मों से होता है

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

राजपुर - गुरू पूर्णिमा के अवसर अवसर पर राजपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष रामजीत राय उर्फ पप्पू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जगन्नाथ मठ परिसर में गुरू संत रविदास जी का पूजा-पाठ कर आशीर्वाद प्राप्त किया.

इस अवसर पर मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष ने कहा कि संसार में कोई भी छोटा या बड़ा जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्मों से होता है.संत शिरोमणि रविदास जी भगवान राम एवं श्री कृष्ण को ईश्वर मानते थे.भगवान श्री कृष्ण का उपदेश मैं निराकार हूं से बहुत अधिक प्रभावित थे.वे निर्गुण ब्रम्ह की उपासना करते हुए समाज को आजीवन जीव हत्या के विरूद्ध जागाते रहे.

उन्होंने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर,श्री छत्रपति शाहूजी महाराज,त्यागमूर्ति रमाबाई अंबेडकर हमारे समाज के कुछ कठिन उदाहरण हैं.जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी इस संसार में लोगों की सेवा की.खुद के जीवन को समाज के लिये समर्पित कर दिया.जिसके फलस्वरूप समाज में लोग आज भी उनकी पूजा कर रहे हैं.इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान रविदासजी के जीवन चरित्र पर आधारित उनके कर्मों को याद किया गया.

मौके पर संजय पाण्डेय, शनि वर्मा, संतोष सोनी,बडन दुबे,ओंकार तिवारी उर्फ हाहाकार तिवारी, मठाधिश्वर सुदर्शनाचार्य, संजय पाण्डेय, बलिराम तिवारी, श्यामजी तिवारी,अंजनी तिवारी, मदनमोहन तिवारी भरत तिवारी,राजा तिवारी,सुनिल चौबे अतुल चौबे, राजगीर पाण्डेय, बसंत तिवारी, अंजय ब्रम्हचारी, ददन पाण्डेय, विजयकान्त तिवारी समेत अन्य मौजूद रहे समेत अन्य मौजूद रहे.

गुरू पूजा कर जगन्नाथ जी मठ ट्रस्ट ने आयोजित किया लंगर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- भगवान शिव ने सर्वप्रथम इस दिन को अपना ज्ञान सप्त ऋषियों को किया था प्रदान

राजपुर- गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को प्रखंड के अमरपुर गांव स्थित भगवान जगन्नाथ जी मठ सेवा आश्रम ट्रस्ट ने गुरू पूजा कार्यक्रम आयोजित किया .जहां मठाधिश्वर सुदर्शनाचार्य के नेतृत्व में विधि-विधान से धर्म सम्मत गुरू पूजा सम्पन्न हुआ.मौके पर मौजूद दर्जन भर वेद मर्मज्ञ विद्वान ब्राह्मणों द्वारा श्री हरि की प्रसन्नता के लिए जगन्नाथ अष्टकम मंत्र का पाठ किया गया.भक्तों की सेवा के लिए लंगर आयोजित हुआ.जहां सैकड़ो साधु संत,भक्त,असहाय गरीब वृद्ध व बालकों ने भगवान का प्रसाद ग्रहण किया.

मठाधिश्वर ने बताया कि सर्व प्रथम भगवान शिव ने इस दिन को अपना ज्ञान सप्त ऋषियों को प्रदान किया था.यह उत्सव उस गुरू के प्रति कृतज्ञता व सम्मान व्यक्त करने को समर्पित है.जिन्होंने अपने शिष्य के जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

गुरू सम्मान में विगत चार सौ वर्ष से मठ परिसर में विधि विधान से पूजा अर्चना का कार्यक्रम किया जाता है.मंदिर प्रांगण में श्री रामचरितमानस का अनवरत पाठ संचालन होता है.भगवान के चरित्र का पठन, गायन व श्रवण प्रतिदिन साधु संतों की टोली करती है.भगवान जगन्नाथ कलयुग में अपने माया रचित सुख प्राप्ति के आधार हैं.

मौके पर पकड़ी बरदराज मंदिर के मठाधिश्वर सूर्यकांताचार्य जी,बेद मर्मज्ञ विद्वान ब्राह्मण बिहटा मठ महंत जीयर मधवाचार्य स्वामी,बरना कुटिया के महंत श्रीधराचार्य जी, दासरथी पाण्डेय,कमलेश पाण्डेय, देवमनी पाण्डये, शिकांत त्रिपाठी, अंजनी स्वामी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष रामजीत राय उर्फ पप्पू राय, संजय पाण्डेय, ददन जी पाण्डेय, बबन तिवारी, श्रीधर स्वामी, कमल नारायण जी व संत विलास शर्मा, नवलेनदु पाण्डेय, फुलन लाल, मंगरवलिया पंचायत मुखिया इन्द्रजीत सिंह,महात्मा बुद्ध,बरना पंचायत के मुखिया योगेन्द्र चौधरी,मदनमोहन तिवारी,अंजय ब्रम्हचारी,धनजी सिंह यादव,कृष्णा सिंह यादव,रविंद्र कुमार यादव,भाई जयराम सिंह अकेला समेत कई अन्य मौजूद रहे.

एसएसबी ने 1,370 पशुओं की स्वास्थ्य जांच कर वितरित की दवाएं

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गौनाहा। सीमावर्ती क्षेत्रों में सेवा, सुरक्षा और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए 44वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), नरकटियागंज ने मंगलवार को अपने कार्यक्षेत्र "बी" समवाय के वाइब्रेंट विलेज नगरदेही एवं भंगहा गांव में निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

कार्यवाहक कमांडेंट गोविंद कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी, बेतिया के सहायक कमांडेंट एवं पशु चिकित्सा अधिकारी विनीत कुमार ने ग्रामीणों के पशुओं की स्वास्थ्य जांच की तथा निःशुल्क दवाओं का वितरण किया। शिविर में कुल 80 पशुपालकों के 1,370 पशुओं—जिनमें गाय, भैंस, बकरी, मुर्गी एवं अन्य मवेशी शामिल थे—की जांच कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया। पशुपालकों को पशुओं के संतुलित आहार, स्वच्छ रखरखाव तथा बेहतर देखभाल के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी गई, ताकि पशुधन स्वस्थ एवं उत्पादक बना रहे।

कार्यक्रम में निरीक्षक (सामान्य) रविकांत, उपनिरीक्षक (सामान्य) भरत भूषण, सहायक उपनिरीक्षक (सामान्य) अमर सिंह, मुख्य आरक्षी (पशु चिकित्सा) मुकेश कुमार सैनी तथा आरक्षी (पशु चिकित्सा) प्रदीप कुमार सहित एसएसबी के अन्य जवान मौजूद रहे।

एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती गांवों में समय-समय पर स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा, जागरूकता एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

तेंदूनी चौक से थाना चौक तक विशेष अतिक्रमण हटाओ का चलाया गया अभियान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास। अनुमंडल पदाधिकारी, बिक्रमगंज की अध्यक्षता में नगर परिषद्, बिक्रमगंज अंतर्गत तेंदूनी चौक से थाना चौक तक विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान क्षेत्र में अस्थायी अतिक्रमण के कारण उत्पन्न हो रही यातायात बाधा, आमजन की आवाजाही में हो रही कठिनाइयों तथा विधि-व्यवस्था के सुचारू संचालन को दृष्टिगत रखते हुए संचालित किया गया।

अभियान के दौरान सड़क के दोनों किनारों, नालों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण को नियमानुसार हटाया गया। साथ ही संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण नहीं करने हेतु सख्त निर्देश दिए गए।

अनुमंडल पदाधिकारी, बिक्रमगंज ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त रखना प्रशासन एवं नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। नगर परिषद् क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुगम बनाने तथा आम नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करने हेतु इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

अभियान के सफल संचालन हेतु नगर परिषद्, बिक्रमगंज द्वारा पर्याप्त संख्या में मानवबल, सफाई कर्मी, जेसीबी/ट्रैक्टर आदि की व्यवस्था की गई थी तथा स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा विधि-व्यवस्था संधारण में आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

नटवार एवं बाजार समिति इंडस्ट्रियल फीडर की विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बिक्रमगंज /रोहतास। विद्युत आपूर्ति प्रशाखा दिनारा अंतर्गत 30 जुलाई (गुरुवार) को नटवार पावर सब-स्टेशन में बैजल कंपनी द्वारा नया पैनल स्थापित किए जाने के कारण प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक नटवार फीडर एवं बाजार समिति इंडस्ट्रियल फीडर से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। कनीय विद्युत अभियंता दिनारा विकास कुमार ने बताया कि विद्युत व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नटवार पीएसएस में नया पैनल स्थापित किया जा रहा है।

101 मीटर लंबे पुल का एक हिस्सा ध्वस्त जान जोखिम में डालकर आवागमन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चंपारण के नौतन प्रखंड अंतर्गत धूमनगर स्थित 101 मीटर लंबा पुल जर्जर होकर हादसे को आमंत्रण दे रहा है। पुल का एक हिस्सा ध्वस्त होकर धंस गया है, जबकि कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से आवागमन अत्यंत जोखिम भरा हो गया है। इसके बावजूद लोग मजबूरी में जान जोखिम में डालकर इस पुल से आवागमन कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुल की बदहाल स्थिति के बावजूद प्रशासन ने अब तक भारी वाहनों के परिचालन पर रोक नहीं लगाई है और न ही मरम्मत की दिशा में कोई ठोस पहल की गई है। इससे कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान इसी पुराने पुल के स्थान पर नए आरसीसी पुल के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी। शिलान्यास कार्यक्रम में सांसद डॉ. संजय जायसवाल, तत्कालीन पर्यटन मंत्री एवं स्थानीय विधायक नारायण प्रसाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए थे। उस समय लोगों को शीघ्र निर्माण कार्य शुरू होने का भरोसा दिया गया था, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य धरातल पर शुरू नहीं हो सका।

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य प्रारंभ होने की उम्मीद में कुछ निर्माण सामग्री भी स्थल पर पहुंचाई गई थी, लेकिन बाद में ठेकेदार उसे वापस ले गया। इसके बाद से निर्माण स्थल पूरी तरह वीरान पड़ा है और पुल की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। यह पुल आसपास के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्कूली छात्र, किसान, व्यापारी और आम लोग इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। पुल की जर्जर स्थिति के कारण हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

स्थानीय लोगों ने सरकार और जिला प्रशासन से अविलंब नए पुल का निर्माण कार्य शुरू कराने, तब तक सुरक्षा की दृष्टि से भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने तथा क्षतिग्रस्त पुल की आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

ठनका (वज्रपात) से पशुओं के बचाव हेतु आवश्यक सुझाव

क्या करें

- पशुओं को पशु शेड में रखना चाहिए।
- उर्जा चालित यंत्रों से पशु को दूर रखना चाहिए।
- धातु से बने कृषि यंत्र–डंडा आदि से पशुओं को दूर कर दें।
- आसमानी बिजली के झटका से घायल होने पर पीड़ित पशु की चिकित्सा हेतु तत्काल नजदीकी पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करना चाहिए।
- स्थानीय रेडियो एवं अन्य संचार साधनों से मौसम की जानकारी प्राप्त करते रहें।

क्या न करें

- पशुओं को किसी एकल उँचे वृक्ष के नीचे न बांधे।
- उँचे स्थान खासकर पहाड़ों पर पशु के खाने एवं पानी के लिये धातु निर्मित नाद का उपयोग नहीं करना चाहिए।
- तालाब और जलाशय के समीप पशुओं को न ले जाएं।
- बिजली के उपकरण या तार के साथ संपर्क से पशुओं को बचाएं व बिजली के उपकरणों को बिजली के संपर्क से हटा दें।
- साथ ही बिजली एवं टेलीफोन के खंभों के नीचे पशुओं को कदापि नहीं बाँधे क्योंकि उँचे वृक्ष, उँची इमारतें एवं टेलीफोन/बिजली के खंभे आसमानी बिजली को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

PR No.- 008993 (Animal)D. 2026-27

पशुपालन निदेशालय, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार
@BiharDFARD

बिहार सरकार

समाहरणालय, औरंगाबाद
(जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय)
–: आवश्यक सूचना :–

मुस्लिम महिला परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलाओं के सहायता स्वरोजगार योजना हेतु आवश्यक सूचना

औरंगाबाद जिलान्तर्गत मुख्यमंत्री मुस्लिम महिला परित्यक्ता/तलाकशुदा योजना अन्तर्गत बिहार सरकार द्वारा ऐसी मुस्लिम महिला जो परित्यक्ता/तलाकशुदा हो, एवं जिनकी उम्र 50 वर्ष से कम हो को एकमुश्त आर्थिक सहायता के रूप में 25,000/– (पच्चीस हजार) का अनुदान दिया जाता है, जो पूर्णतः अदेय है।

आवेदन की प्रक्रिया :–

1. जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, औरंगाबाद द्वारा जारी प्रपत्र।
2. आय प्रमाण पत्र (अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत)
3. निवास प्रमाण पत्र (अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत)
4. जनप्रतिनिधि द्वारा निर्गत परित्यक्ता/तलाकशुदा अनुशंसा पत्र।
5. आधार कार्ड की छायाप्रति।
6. आयु प्रमाण पत्र। (निर्वाचन पहचान पत्र आदि)
7. बैंक पासबुक की छायाप्रति।

उक्त अभिप्रमाणित दस्तावेज को जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, औरंगाबाद अथवा अपने संबंधित प्रखण्ड कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

सहायक निदेशक,अ०क०,
औरंगाबाद

PR- 008953 (MWD) 2026-27

विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

बिहार सरकार

समाहरणालय, औरंगाबाद
(जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय)

इस विज्ञप्ति के माध्यम से औरंगाबाद जिले में वर्ष–2026 में मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक विद्यार्थी प्रोत्साहन योजान्तर्गत (इन्टर, मौलवी, फौकानिया प्रथम श्रेणी) छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहन राशि का लाभ लेने हेतु **''आवेदन ऑनलाईन करने से संबंधित आम सूचना''**

औरंगाबाद जिलान्तर्गत मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना का लाभ लेने हेतु बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से इन्टर प्रथम श्रेणी वर्ष 2026 अल्पसंख्यक छात्राएँ एवं बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना से उत्तीर्ण मौलवी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्रा एवं फौकानियां में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र/छात्रा को प्रोत्साहन राशि की प्राप्त करने हेतु आवेदन ऑनलाईन किया जाना है।

औरंगाबाद जिलान्तर्गत संबंधित छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि आवेदन ऑनलाईन के क्रम में आवेदक का निम्नांकित कागजात अभिप्रमाणित/स्व अभिप्रमाणित प्रति साफ–साफ स्कैन कर अपलोड किया जाना आवश्यक है, जिसका विवरण निम्नवत् है :–

Required Documents

Eligibility Criteria

- *Mark sheet*
- *Passing certificate*
- *Registration card*
- *Domicile Certificate*
- *Bank Passbook/Cancelled Cheque*
- *Aadhaar Card*
- *Photo & Signature*

Eligible Courses

12th (Only Muslim girls) / Moulvi (Only girls) /Fauquania (both boys and girls)Belongs to the notified minority Community (Muslim, Sikh, Jain, Parsi, Buddhist and Christian)

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार, पटना के वेबसाईट ई–कल्याण पॉर्टल **https://ekalyan-bihar-gov-in/mvpy/** पर आवेदन कर सकते है।

सहायक निदेशक, अ०क०
औरंगाबाद

PR- 008951 (Minority Welfare) 2026-27

उक्त सूचना **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त समाचार

फरार आरोपी के घर इश्तिहार चिपकाया

बांका। झारखंड राज्य के जसीडीह थाना क्षेत्र में हत्या के मामले में फरार चल रहे बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र के संझा गांव निवासी पीयूष कुमार यादव के घर बुधवार को जसीडीह पुलिस ने इश्तिहार चिपकाया। जसीडीह थाना के एसआई चंदन कुमार साह रजौन पुलिस के साथ अभियुक्त के घर पहुंचे और इश्तिहार चिपकाया।इसके अलावा आसपास के बिजली पोल, चौपाल एवं मंदिर सहित विभिन्न जगहों पर भी इश्तिहार चिपकाया गया।

आरोपी लंबे से चल रहा था फरार: जानकारी के अनुसार, पिछले वर्ष जसीडीह थाना क्षेत्र के आईएसबीटी बस स्टैंड पर संझा निवासी 25 वर्षीय बस चालक आशीष यादव की हत्या कर दी गई थी। मृतक के परिजनों के बयान पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में संझा निवासी बस कंडक्टर कुंदन कुमार यादव और खलासी पीयूष कुमार यादव को आरोपी बनाया गया था। आशीष यादव मां भवानी शंकर बस का चालक था।जसीडीह थाना के एसआई चंदन कुमार साह ने बताया कि हत्या मामले के एक आरोपी कुंदन कुमार यादव ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है, जबकि दूसरा आरोपी पीयूष कुमार यादव लंबे समय से फरार चल रहा है।

घर की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी: उसकी गिरफ्तारी के लिए कई बार उसके घर पर छापेमारी की गई, लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, देवघर के आदेश पर इश्तिहार चिपकाकर आरोपी को शीघ्र न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। आत्मसमर्पण नहीं करने पर आगे उसके घर की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। रजौन थाना अध्यक्ष महेश कुमार ने बताया कि जसीडीह पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई है।

5,068 पोलों पर लगेंगी एलईडी लाइटें

भागलपुर| शहर की गलियों और मोहल्लों में अंधेरा दूर करने के लिए नगर निगम की एलईडी स्ट्रीट लाइट योजना अब धरातल पर उतरने वाली है। 5,068 नए बिजली पोलों पर लाइट लगाने के लिए 10 एजेंसियां तकनीकी बिड में सफल हुई हैं। अब इन एजेंसियों की वित्तीय बिड खोली जाएगी। रोशनी शाखा प्रभारी जय प्रकाश यादव ने बताया सबसे कम दर वाली एजेंसी का चयन किया जाएगा।

इबिया ने सुधार के सुझाव दिए

भागलपुर| ईस्टर्न बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (इबिया) ने मंगलवार को पटना में उद्योग विभाग की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) प्रारूप समिति की बैठक में एमएसएमई ड्राफ्ट नीति पर पत्रक सौंपा। उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने प्रस्तावित बिहार एमएसएमई प्रारूप नीति के प्रावधानों में सुधार के सुझाव दिए। इबिया के अध्यक्ष आलोक अग्रवाल, एमएसएमई निदेशक अमन समीर, सहायक निदेशक आशीष थे।

पार्षदों ने झूठा मुकदमा वापस लेने की मांग की, कल धरना देने की चेतावनी

भागलपुर। नगर निगम पार्षद संघ की बैठक मंगलवार को निगम सभागार में अध्यक्ष अनिल पासवान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कार्यालय अधीक्षक की ओर से पार्षदों पर दर्ज केस को झूठा बताते हुए उसे तत्काल वापस लेने की मांग की गई। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि आगामी सामान्य बोर्ड की बैठक से पहले मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो 30 जुलाई को शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में स्थायी समिति सदस्य अश्वनी जोशी मोंटी ने कहा कि कुछ माह पूर्व तत्कालीन कार्यपालक अभियंता के कथित अमर्यादित व्यवहार के विरोध में पार्षदों ने शांतिपूर्ण आंदोलन किया था। इसके बाद उनका स्थानांतरण कर दिया गया। इसके बावजूद कार्यालय अधीक्षक ने पार्षदों के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। स्थायी समिति सदस्य संजय सिन्हा ने कहा कि मुकदमे का आपसी सहमति से विधिवत निष्पादन नहीं होने पर सभी पार्षद आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। बैठक में मौजूद सभी पार्षदों और प्रतिनिधियों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। संघ अध्यक्ष अनिल पासवान ने कहा कि पार्षदों के स्वाभिमान से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि शहर की जनता भी पार्षदों के साथ है। आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। बैठक में स्थायी समिति सदस्य बबीता देवी, पंकज गुप्ता, नुसरत जहां, अशोक पटेल, गोपाल कुमार, शशि मोदी, संजय बॉबी, दीपू शाह, जहांगीर, प्रदीप जोशी सहित कई पार्षद मौजूद थे।

मानव शरीर में स्वयं को स्वस्थ रखने की क्षमता

भागलपुर| प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ आयुर्वेदाचार्य वैद्य लीला गुप्ता ने कहा कि मानव शरीर में स्वयं को स्वस्थ रखने और रोगों से उबरने की स्वाभाविक क्षमता होती है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग, प्राणायाम, पर्याप्त विश्राम और प्रकृति के निकट जीवनशैली अपनाए तो कई सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि भारतीय परंपरा में मानव शरीर को पंचमहाभूत आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी से निर्मित माना गया है। प्राकृतिक चिकित्सा इन तत्वों के संतुलन को बनाए रखने पर जोर देती है। उनका कहना था कि अनियमित खान-पान, तनाव और असंतुलित जीवनशैली से शरीर की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

पीएचडी और रिसर्च पेपर नहीं तो सीनियर प्रोफेसर नहीं बनेंगे

भागलपुर| प्रोफेसर बनने के बाद शिक्षक रिसर्च पेपर का प्रकाशन नहीं कराएंगे तो सीनियर प्रोफेसर नहीं बन पाएंगे। यही परेशानी पीएचडी नहीं कराने पर भी झेलनी होगी। तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) ने पेपर प्रकाशन नहीं होने पर सीनियर प्रोफेसर के ज्यादातर आवेदकों का दावा खारिज कर दिया है। अभी जिन नौ विषयों के शिक्षकों के स्केल 10 से स्केल 11 और एसोसिएट प्रोफेसर या रीडर के पद से प्रोफेसर के पद पर प्रमोशन के लिए प्रक्रिया हुई, उसके साथ ही प्रोफेसर से सीनियर प्रोफेसर के आवेदनों पर भी विचार किया था। रजिस्ट्रार प्रो. रामाशीष पूर्व ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस तरह के प्रमोशन पर विचार किया। सामने आया कि कई शिक्षक जो 2016 में प्रोफेसर के पद पर प्रमोट हुए थे, उन्होंने उसके बाद अपना एक भी रिसर्च पेपर किसी पब्लिकेशन में प्रकाशित नहीं कराया था। राज्यभर के विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को भी सीनियर प्रोफेसर बनने के लिए इस शर्त को पूरा करना होगा। बताया गया कि ऐसे शिक्षकों ने प्रोफेसर बनने के बाद पीएचडी नहीं कराया है तो उन्हें भी सीनियर प्रोफेसर बनने का मौका नहीं मिलेगा।

टीएमबीयू में सीटें खाली, 3 तक ऑन स्पॉट नामांकन

भागलपुर| टीएमबीयू में स्नातक के सत्र 2026-30 में अब ऑन स्पॉट नामांकन शुरू हो गया है। इसकी प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हुई और 3 अगस्त तक चलेगी। डीएसडब्ल्यू प्रो. अर्चना साह ने कॉलेजों को निर्देश दिया है कि ऑन स्पॉट नामांकन रिक्त सीटों पर ही होगा। किसी भी स्थिति में तय सीट से ज्यादा पर नामांकन लिया जाएगा। नामांकन उन्हीं छात्रों का होगा जो समर्थ पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। जो पहले से रजिस्टर्ड नहीं हैं उनके रजिस्ट्रेशन कराना होगा। टीएमबीयू ने कॉलेजों को स्नातक की रिक्त सीटें सार्वजनिक करने को भी कहा है। विवि ने इससे पहले चार मेरिट लिस्ट से नामांकन लिया था। चौथी मेरिट लिस्ट से 26 जुलाई तक नामांकन हुआ था। अब तक लगभग 25 हजार सीटों में नामांकन हुआ है। हालांकि इस बार विवि ने कहा है कि 3 अगस्त के बाद नामांकन की प्रक्रिया नहीं की जाएगी।

राजेश मिश्रा बने ग्रामीण अर्थशास्त्र विभाग के हेड

भागलपुर| टीएमबीयू ने प्रभारी कुलपति के आदेश पर पीजी ग्रामीण अर्थशास्त्र व सहकारिता प्रबंधन विभाग में डॉ. राजेश कुमार मिश्रा को हेड नियुक्त किया है। डॉ. मिश्रा वर्तमान में एसएसवी कॉलेज कहलगांव के प्रभारी प्राचार्य हैं। उनके विभागाध्यक्ष बनने के बाद पीबीएस कॉलेज बांका के प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह को एसएसवी कॉलेज कहलगांव के प्रभारी प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

तटबंधों की निगरानी 24 घंटे करने के निर्देश, इंजीनियर चीफ ने किया निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के नवगछिया में रोघोपुर इलाके में कटाव निरोधक कार्य को लेकर जल संसाधन विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ वरुण कुमार ने बुधवार को क्षेत्र का दौरा किया। बाढ़ सुरक्षा से जुड़े तटबंधों और कटाव निरोधी कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तटबंधों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और चल रहे बहाली कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान इंजिनियर चीफ वरुण कुमार ने अधिकारियों को तटबंधों की 24 घंटे निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 400 से 500 जियो बैग पहले से भरकर तैयार रखे जाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका तत्काल उपयोग किया जा सके।

कटाव से अभी खतरा नहीं: हाल के दिनों में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव के कारण तटबंध के एक हिस्से में कटाव की स्थिति हो गई थी। हालांकि, विभाग की कार्रवाई, लगातार निगरानी और तकनीकी उपायों के कारण कटाव पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है। तटबंध को और अधिक मजबूत बनाने के लिए बॉम्बे रोल भी लगाए जा रहे हैं। विभाग का दावा है कि वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी प्रकार का खतरा नहीं है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ मुख्य अभियंता सीताराम पासवान, अधीक्षण अभियंता सुबोध चौधरी, कार्यपालक अभियंता गौतम कुमार सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कैंप पर कार्यों की हो रही निगरानी: बाढ़ सुरक्षा अभियान में विभाग का पूरा अमला सक्रिय है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कनीय अभियंता लगातार क्षेत्र में कैंप कर कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। विशेष रूप से एसडीओ ब्रजेश कुमार भारती, मुरारी कुमार और धर्मेंद्र कुमार की देखरेख में राहत-सुरक्षा संबंधी कार्य तेज गति से संचालित किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान तटबंध संघर्ष समिति के अध्यक्ष अख्तर जमील ने अधिकारियों को क्षेत्र में बाढ़ और कटाव से जुड़ी स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया। इस पर इंजीनियर-इन-चीफ ने अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता की सुरक्षा जल संसाधन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और बाढ़ सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पर दिव्या ज्योति शिव-साईं मंदिर में विशेष आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शहर के श्री श्री 108 दिव्या ज्योति शिव-साईं मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दिनभर चले कार्यक्रमों में भगवान शिव और साईं बाबा की आराधना की गई, साथ ही जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह 6:30 बजे काकड़ आरती से हुई। इसके बाद 7:00 बजे मंगल स्नान और 8:00 बजे साईं बाबा की आरती संपन्न हुई। सुबह 10:00 बजे श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर सुख-समृद्धि की कामना की। दोपहर 3:15 बजे मध्यान आरती और शाम 4:00 बजे से शांति जाप का आयोजन हुआ। शाम 7:15 बजे धूप आरती संपन्न होगी, जिसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाभोग का वितरण किया जाएगा। देर रात 11:00 बजे सेज आरती के साथ पूरे दिन के धार्मिक कार्यक्रमों का समापन होगा। धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ मंदिर समिति ने सामाजिक सरोकार को भी प्राथमिकता दी है। रात्रि 8:00 बजे जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना और शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश देना है। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है, जिससे पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है। श्रद्धालुओं ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपने गुरु और ईश्वर के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

15 करोड़ की जमीन को लेकर 100 राउंड फायरिंग, 4 लोगों को लगी गोली, 2 अपराधियों को भीड़ ने पकड़कर पीटा, 12 बाइक बरामद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में बुधवार सुबह करीब 15 करोड़ रुपए की जमीन पर बाउंड्री बनाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। जमीन के मालिक के मुताबिक, भूमाफिया ने करीब 100 बदमाशों के साथ मिलकर 100 राउंड फायरिंग की। फायरिंग में 4 लोगों को गोली लगी है। सभी को अलग-अलग अस्पतालों में एडमिट कराया गया है। घटना के दौरान मौके पर जुटे लोगों ने 2 बदमाशों को पकड़ लिया और जमकर उनकी पिटाई कर दी। मौके से बदमाशों की कुल 12 बाइक बरामद की गई है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र में चंदवारा गांव के पास की है। गोलीबारी की सूचना के बाद SP मनीष मौके पर पहुंचे। लोगों की पिटाई से घायल 2 लोगों को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना में जिन 4 लोगों को गोली लगी है, उनमें 25 साल का सिन्धु कुमार, 26 साल का धीरज, धीरज के पिता धनवीर और 30 साल का सनोज शामिल है।

जमीन मालिक बोले- ये हमारी पुश्तैनी जमीन है: जमीन मालिक केबी यादव ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे थे। हम लोग अपना-अपना काम कर रहे थे। ब्रोकर बड़ी संख्या में बदमाशों के साथ आए और हमारी जमीन के एक हिस्से की घेराबंदी करनी शुरू की। जानकारी के बाद हम लोग वहां पहुंचे। हमने उनसे कहा कि ये हमारे

पूर्वजों की जमीन है। मैंने उनसे कहा कि कागज से जमीन होती है, अगर आपके पास कागज है तो दिखाइए, नहीं तो मेरे कागज देखिए। इसके बावजूद वो नहीं माने और जमीन पर जबरन बाउंड्री बनवाने लगे। वो अपने साथ JCB लेकर आए थे, उससे गड्ढा खोदकर पिलर गाड़ने लगे। हम लोगों ने विरोध किया तो भूमाफिया और उनके साथ आए बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। करीब 200 लोग मोटरसाइकिल से आए थे।

वो लोग पूरी प्लानिंग के साथ कब्जा करने आए थे: वहीं, जमीन मालिक राजदीप यादव ने बताया कि ये हमारे पूर्वजों की जमीन है। हम लोग कागज लेकर आए कि जमीन हमारी है बाउंड्री मत कीजिए। लेकिन वो लोग जबरदस्ती जमीन पर कब्जा करने लगे। हम लोग लड़ने वाले नहीं हैं, लेकिन वो अपराधी के साथ आए थे और जानबूझकर हमला कर दिया। 4 लोगों को गोली लगी है। यहां घर बनाकर रहे लोग भी उन्हीं लोगों के साथ हैं। कागज देखकर जमीन का फैसला होना चाहिए। घटनास्थल के आसपास घर बनाकर रह रहे लोग कुछ कहने से बच रहे हैं।

परिवार के 4 लोगों को गोली लगी, एक का सिर फटा: राजदीप यादव ने आगे बताया कि मेरे परिवार के कुल 5 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 4 को गोली लगी है, जबकि एक का सिर फटा है। जमीन पर कब्जे के लिए पहुंचे सभी बदमाशों के हाथों में पिस्टल थी। बेगूसराय के राहतपुर के रहने वाले बदमाश मुरारी सिंह की मदद से बेगूसराय बाजार का रहने वाला राजा मनोज साह मेरी जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहता है।

SP बोले- 4 लोगों को गोली लगी है: SP मनीष ने बताया कि मुफस्सिल थाने के कंकौल चंदवारा में गोलाबारी हुई है। लोगों के मुताबिक मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। इसमें एक पक्ष के 4 लोगों को गोली लगी है। भीड़ ने 2 लोगों को पीटा है। उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

युवक का शव पानी भरे गड्ढे में मिला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बांका। बांका जिले के शंभूगंज प्रखंड क्षेत्र के करसोप स्थित चैती दुर्गा मंदिर के समीप एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया। मृतक की पहचान केहनीचक गांव निवासी अजय कुमार के बेटे जीतू कुमार (28) के रूप में हुई है। युवक का शव पुलिया के समीप पानी भरे गड्ढे से बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही शंभूगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया। बुधवार की संध्या फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की और साक्ष्य एकत्र किए।

ग्रामीणों की मदद से पानी से बाहर निकाला: मृतक की मां नीरा देवी ने गांव के ही युवक पर पैसे के लेनदेन को लेकर अपने बेटे की हत्या किए जाने की आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस इस पूरी घटनाक्रम की पुष्टि नहीं कर रही है और सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। मृतक के पिता अजय कुमार और मां नीरा देवी ने बताया कि ग्रामीणों के माध्यम से सूचना मिली कि उनका पुत्र पुलिया के समीप पानी भरे गड्ढे में गिरा पड़ा है। सूचना मिलने के बाद परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से जीतू को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

चैती दुर्गा मंदिर के समीप मुर्गा पार्टी कर रहा था: परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। ग्रामीणों के अनुसार, जीतू कुमार खपड़ा निवासी सिक्का डॉन हत्याकांड के मामले में जेल में बंद था और करीब चार दिन पहले ही जमानत पर बाहर आया था। ग्रामीणों का कहना है कि जेल से लौटने के बाद भी उसके व्यवहार में कोई खास बदलाव नहीं आया था। वह नशे का आदी था और राह चलते लोगों से गाली-गलौज करने को लेकर भी चर्चा में रहता था। ग्रामीणों के बीच यह भी चर्चा है कि घटना के पहले जीतू अपने तीन साथियों के साथ चैती दुर्गा मंदिर के समीप मुर्गा पार्टी कर रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर एक साथी से उसका विवाद हो गया। आशंका जताई जा रही है कि विवाद के दौरान मारपीट हुई और चोट लगने से जीतू की मौत हो गई।

पुलिस ने घटनाक्रम की पुष्टि नहीं की: इसके बाद उसके साथियों द्वारा शव को पुलिया के नीचे पानी भरे गड्ढे में फेंककर फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने इस घटनाक्रम की पुष्टि नहीं की है और मामले की सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

30 जुलाई को जॉब कैंप, 60 पदों पर 10-12वीं पास युवा आवेदन करें

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया के युवाओं के लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध है। जिला नियोजनालय एवं संयुक्त श्रम भवन, अररिया परिसर में 30 जुलाई, गुरुवार को सुबह 10:30 बजे से एक दिवसीय जॉब कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप के माध्यम से 60 पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसमें 10वीं और 12वीं पास पुरुष अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे।

फील्ड वर्क के पदों पर होगा चयन: जिला नियोजनालय के अनुसार, स्वतंत्र माइक्रोफाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, पूर्णिया द्वारा फील्ड वर्क के पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। कैंप की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इन पदों के लिए केवल पुरुष अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों की आयु

18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता के तौर पर अभ्यर्थियों का 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

आधार कार्ड- पासपोर्ट फोटो लेकर आएं: कंपनी द्वारा कुल 60 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 12,500 रुपये का वेतन दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित समय पर जॉब कैंप में पहुंचने की अपील की गई है। उन्हें अपने साथ आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार का फोटो, नियोजनालय का निबंधन प्रमाण-पत्र तथा सभी शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक मूल प्रमाण-पत्रों की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा। अधिकारियों का कहना है कि सभी दस्तावेज उपलब्ध होने से चयन प्रक्रिया सुचारु और पारदर्शी रहेगी।

जॉब कैंप पूरी तरह निःशुल्क: जिला नियोजन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह जॉब कैंप पूरी तरह निःशुल्क है। इसमें भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का पंजीकरण या अन्य शुल्क नहीं लिया जाएगा। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी व्यक्ति या संस्था को पैसे न दें। जिला नियोजनालय इस भर्ती प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभा रहा है। नियुक्ति, सेवा की शर्तें और रोजगार से जुड़े सभी निर्णय संबंधित निजी नियोजक द्वारा लिए जाएंगे।

30 जुलाई से 29 अगस्त तक चलेगा श्रावणी मेला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय के उत्तरी सीमा पर गढ़पुरा प्रखंड मुख्यालय से महज एक किलोमीटर दूर स्थित शिवालय बाबा हरिगिरिधाम में राजकीय श्रावणी मेला की तैयारी पूरी कर ली गई है। मंदिर के सचिव विकास सिंघानिया ने बताया कि जिला प्रशासन और मंदिर कमेटी की तरफ से सुरक्षा को लेकर मंदिर परिसर में 50 CCTV लगाए गए हैं। इसके साथ ही सिमरिया गंगा घाट और झमटिया घाट पर कांवरियों के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। राजकीय श्रावणी मेला 30 जुलाई से शुरू होकर 29 अगस्त तक चलेगा। सचिव विकास सिंघानिया ने बताया कि मेले का उद्घाटन 30 जुलाई को दिन के 11 बजे किया जाएगा। मुख्य उद्घाटनकर्ता केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह हैं। जबकि विशिष्ट अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री सह सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, गन्ना मंत्री संजय कुमार, हसनपुर के विधायक राजकुमार राय एवं MLC उर्मिला ठाकुर होंगे। इस बार श्रावणी मेले में मंदिर कमेटी की ओर से कई विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। बाबा का श्रृंगार प्रतिदिन होता है, लेकिन इस बार विशेष महाश्रृंगार की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक रविवार और सोमवार को बनारस से आए 5 पंडितों की ओर से भव्य महाआरती की जाएगी। 30 जुलाई को भजन गायक सच्चिदानंद पाठक का कार्यक्रम होगा। 2 अगस्त को गायिका देवी, 9 अगस्त गायिका सानिया सरगम, 16 अगस्त को वायरल गर्ल कल्याणी मिश्रा की टीम और अंतिम सोमवारी स्थानीय गायिका आरती संगम का कार्यक्रम होगा।

कांवरिया रूट और डाक बम की परंपरा: सावन माह में यहां भक्तजनों का कारवां सिमरिया-झमटिया घाट से गंगाजल लेकर पैदल, बस, ट्रेन या निजी वाहनों से उमड़ता रहता है। सचिव विकास सिंघानिया के अनुसार सिमरिया से अधिकतर लोग डाक कांवरिया के रूप में गंगाजल लेकर आते हैं और बाबा को अर्पित करते हैं। सिमरिया गंगा घाट से जल लेकर श्रद्धालु बीहट-जीरोमाईल-बथौली ढ़ाला-वीरपुर-सिकरहुला बूढ़ी गंढ़क बांध से कोरिया चौक-सिउरी-जयमंगलागढ़ मोड़-हरसाईन पुल-रक्सी-गढ़पुरा चौक होते हुए मंदिर पहुंचते हैं। झमटिया घाट से श्रद्धालु बछवाड़ा बाजार-कादराबाद-भगवानपुर-चिल्हाय-पकठौल-वीरपुर-सिकरहुला बूढ़ी गंढ़क बांध से कोरिया चौक-गढ़पुरा चौक होते हुए हरिगिरिधाम आते हैं।

मंदिर परिसर-आसपास के स्थलों पर 50 सीसीटीवी: डीएम श्रीकांत शास्त्री ने निर्देश दिए हैं कि मेले के दौरान मंदिर परिसर-आसपास के स्थलों पर 50 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बखरी के डीएसपी और मंदिर कमेटी लगातार इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सिमरिया-झमटिया घाट पर स्नान के लिए सुरक्षा, पर्याप्त रोशनी, गोताखोर की व्यवस्था की गई है। चकिया-बछवाड़ा थानाध्यक्ष घाटों पर निगरानी रखेंगे। पीएचईडी विभाग पिछले एक महीने से कार्यरत है और मध्यवर्ती स्थलों पर पानी के टैंकर व चलंत शौचालय लगाए जा रहे हैं।

पूर्व मध्य रेल

ई—निविदा सूचना

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति/पूर्व मध्य रेल / समस्तीपुर कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे लिखे गये कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से भारतीय रेल के आई.आर.ई.पी.एस वेब पोर्टल पर खुली ई—निविदा के रूप में आमंत्रित करती है।

क्र.सं. : 1, **निविदा सूचना सं. :** SPJ-GSU-2026-27-001, **कार्य का नाम :** (1) Phase-1 Balance work of Parking, Drain, Boundary wall, Landscaping of ABSS station at SLNA, SBV, BNKI, SOU, LSI in the jurisdiction of Dy. CPM/GSU/SPJ. (2) Work of Parking, Drain, Boundary wall, Landscaping of ABSS station at JYG, JNR, SKI & Part-III station building at SKI and holding area at JYG. (3) At Jhanjharpur - Provision of new station building along with facade, CA and improved PA for development of station under ABSS., **निविदा लागत (रूपये में) :** 51,81,93,310.03, **ब्याना की राशि (रूपये में) :** 1,03,63,900.00, **कार्य की समाप्ति अवधि :** 10 माह

1. आई.आर.ई.पी.एस वेब पोर्टल पर ई—निविदा के रूप में निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर पूर्व एवं समय : 04.08.2026 को 15:00 बजे से बढ़ाकर 28.08.2026 को 14:00 बजे तक की जाती है। **2.** बोली आरंभ की तिथि को बढ़ाकर 21.07.2026 से 14.08.2026 किया जाता है। **3.** बोली—पूर्व सम्मेलन की तिथि और समय 05.08.2026 को 11:00 बजे रखा गया है। **4.** वेबसाईट की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है :— वेबसाईट **www.ireps.gov.in** उपरोक्त निविदा से संबंधित यदि कोई भी संशोधन/परिवर्तन किया जाता है तो उसकी सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जायेगी, बल्कि वेबसाईट पर अपलोड कर दी जायेगी।

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति,
पूर्व मध्य रेल/समस्तीपुर

पीआर/0636/एसपीजे/जीएस/टी/26–27/48

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-21-26, दिनांक 24.07.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-21-26 के तहत ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैं, बंद होने की तारीख/समय 17.08.2026 को 15.00 बजे। **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के अधीन जीजीएलई, जेएचबीएन, एसएएलई, एमएचटीआर, टीवाईएई, पीएनडीआई, जीएनएनडी, केएनएचआर, एलबीपी, सीडब्ल्यूटी, टीपीएफ, आरपीएच, एसडीएलई, एनएचटी, सीटीआर, एमआरआर, बीएसबीआर, आरजेजी, एनजीएफ, पीकेआर, टीबीवी, केएलपी, जीएमएएन, पीआरजीआर, एचआरएनएस, एसकेआईपी उपनगरीय स्टेशनों में पीएफ शेडों के प्रावधान के संबंध में 25 केवी ओएचई कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 95,85,465.40; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 1,91,700; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 12 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 17.08.2026 को 15.00 बजे। **निविदा खोला जाना:** निविदा बंद होने के उपरांत किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन के लिए निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (HWH-242/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

करंट के चपेट में आने से किसान की मौत

आरा। भोजपुर के बिहिया थाना क्षेत्र के कटेया गांव में मंगलवार को करंट की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिहिया थाना क्षेत्र के कटेया गांव वार्ड नंबर 4 के रहने वाले 68 साल के भागीरथी महतो के रूप में हुई है। भागीरथी महतो पेशे से किसान थे। इधर, मृतक के बेटे अक्षय कुमार ने बताया कि खेत में धान की रोपनी चल रही थी। इस दौरान पापा बिचड़ा निकालने गए थे। जब वे जब बोरिंग चालू करने गए। उसी दौरान बिजली का तार अचानक शॉर्ट सर्किट के बाद टूटकर उनके शरीर पर गिर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

खेत में बाद में पहुंचे लोगों ने देखी भागीरथी की लाशः मृतक के बेटे अक्षय कुमार ने बताया कि घटना के दौरान पिताजी खेत में अकेले थे। जब कुछ देर बाद किसान खेत की ओर गए तो पापा की लाश खेत में देखी। इसके बाद मुझे इसकी जानकारी दी। हम लोगों ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी रामकेसी देवी, तीन पुत्र रविंद्र महतो, योगेंद्र महतो, अक्षय कुमार व पुत्री सुनीता एवं मुन्नी देवी है।

छुआछूत उन्मूलन से जुड़ी थीं स्व. चिंता देवी

आरा। लोजपा (रामविलास) चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ. परवीन आरा| कुमार की माता स्वर्गीय चिंता देवी की दूसरी पुण्यतिथि मंगलवार को श्रीकृष्ण चेतना समिति सभागार में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. परवीन कुमार ने की, जबकि संचालन यादव राम सकल सिंह भोजपुरिया ने किया। विधायक राधाचरण साह ने स्व. चिंता देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक ने कहा कि स्व. चिंता देवी एक सफल गृहिणी के साथ-साथ समाजसेवी भी थीं। वे सामाजिक समरसता, छुआछूत उन्मूलन और स्वास्थ्य जागरूकता के लिए लगातार कार्य करती थीं। लोजपा (रामविलास) के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रो. विजय कुमार मुखिया ने कहा कि डॉ. परवीन कुमार अपनी माता के संस्कारों को आगे बढ़ा रहे हैं, जो उनके व्यक्तित्व में स्पष्ट दिखाई देता है। कार्यक्रम में डॉ. मंटू कुमार, निर्मल सिंह शकरवार, राम विशुन प्रसाद, डॉ. संतोष कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

लोकसभा में उठा छात्र आंदोलनों पर कार्रवाई का मुद्दा, गिरफ्तारी की मांग

आरा। लोकसभा आरा क्षेत्र के सांसद सुदामा प्रसाद ने सोमवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान छात्र-युवा आंदोलनों पर पुलिस कार्रवाई, मनमानी गिरफ्तारियों और प्रदर्शनकारियों की निगरानी के लिए फेसियल रिकग्निशन व फेसियल प्रोफाइलिंग तकनीक के उपयोग का मुद्दा उठाया। उन्होंने इन मामलों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग केंद्र सरकार से की। सांसद ने कहा कि बिहार में 22 और 25 जुलाई को हुए छात्र-युवा प्रदर्शनों के बाद बड़ी संख्या में छात्रों, युवा कार्यकर्ताओं और विभिन्न छात्र संगठनों के पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई में कई छात्र घायल हुए तथा सिवान में पुलिस फायरिंग की घटना भी सामने आई। उन्होंने कहा कि छात्र संगठनों और जनप्रतिनिधियों की मांग पर बिहार सरकार ने गिरफ्तार लोगों की रिहाई, मुकदमों की वापसी और दंडात्मक कार्रवाई समाप्त करने का निर्णय लिया, जिसका उन्होंने स्वागत किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि पुलिस की कथित ज्यादतियों और अवैध निगरानी के आरोपों की निष्पक्ष जांच अब भी आवश्यक है। सुदामा प्रसाद ने सदन में कहा कि पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी छात्र आंदोलनों के दौरान दमनात्मक कार्रवाई और गिरफ्तारियों की खबरें मिली हैं। उन्होंने कहा कि बिना स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया के फेसियल रिकग्निशन जैसी तकनीकों का उपयोग नागरिकों की निजता और संवैधानिक अधिकारों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने दोषी अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की।

गोशाला के लिए लिया सहयोग का संकल्प

आरा| अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार रमना मैदान के गायत्री प्रज्ञापीठ द्वारा गौ सम्मान संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम हुए। सैकड़ों गायत्री साधकों ने गांगी के श्रीआरा गोशाला में समूह साधना एवं भव्य दीप यज्ञ में भाग लिया। इसके बाद गोशाला के सेवकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन निशांत भारद्वाज ने किया। उन्होंने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति की मूर्तिमान प्रतीक है तथा करुणा, ममता और संवेदना का स्वरूप मानी जाती है। उन्होंने परम पूज्य पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के जीवन में गौसेवा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। निर्मल कुमार ने कहा कि देशभर में गौभक्तों द्वारा भारत सरकार से गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग की जा रही है और इसी उद्देश्य से यह जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है।

परमानंद सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

बक्सर| बक्सर में मंगलवार को समाजसेवी रामजी सिंह के पिता, स्वर्गीय परमानन्द सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर जिला दिव्यांग कार्यालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा सह प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे दिव्यांगजन, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्गीय परमानन्द सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। वक्ताओं ने उनके जीवन की प्रेरणादायक झलकियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि परमानन्द सिंह ने समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में रामजी सिंह ने कहा कि उनके पिताजी का जीवन सेवा, ईमानदारी, करुणा का जीवंत उदाहरण रहा। उन्होंने कहा कि पिता द्वारा दिए गए संस्कार और आदर्श आज भी उन्हें समाजसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सड़क जाम करनेवालों पर प्राथमिकी

बक्सर। पड़री मोड़ के समीप सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 922 को जाम कर प्रदर्शन करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सड़क जाम करने के आरोप में करीब आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस पूरे मामले का अनुसंधान कर रही है। औद्योगिक थानाध्यक्ष सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम हादसे के बाद कुछ लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 922 को जाम कर दिया था। सड़क पर प्रदर्शन के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। लंबे समय तक यातायात बाधित रहा। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक मार्ग बाधित कर आम लोगों को असुविधा पहुंचाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए करीब आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि सोमवार की शाम पड़री मोड़ के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर सड़क पार करने के दौरान साहोपारा गांव निवासी 45 वर्षीय मुकेश पांडेय बालू लदे वाहन की चपेट में आ गए थे। हादसे में उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर एनएच 922 को जाम कर टायर जलाकर प्रदर्शन किया था। अब उसी मामले में पुलिस ने सड़क जाम करने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

झारखंड से बिहार बुलाकर गर्लफ्रेंड का मर्डर

आरा। 'मैं सोशल मीडिया पर एक्टिव रहता था। अप्रैल की शुरुआत में इंस्टाग्राम स्क्रॉल कर रहा था। फ्रेंड सजेशन में एक लड़की की प्रोफाइल दिखी। मैंने रिक्वेस्ट भेजा, उसे लड़की ने एक्सेप्ट कर लिया। इसके बाद हम दोनों में बातचीत होने लगी। कुछ ही दिन में एक-दूसरे से प्यार का इजहार किया। प्यार के इजहार के बाद प्रेमिका पहले मुझसे मिलने की जिद करने लगी। मैंने कहा कि कुछ दिन समय चाहिए, लेकिन वो बार-बार मिलने की जिद कर रही थी। मैंने उसे भोजपुर बुला लिया। मुझे नहीं पता था कि वो अकेली घर से आ जाएगी। यहां आने के बाद उसने मुझसे शादी की जिद की, इसलिए मैंने उसकी हत्या कर दी।'

नगर परिषद का होगा बड़ा विस्तार 42 वार्डों का बदलेगा दायरा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर नगर परिषद का दायरा जल्द ही बढ़ने वाला है। बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग ने नगर परिषद क्षेत्र के पुनर्गठन और नए सिरे से सीमा निर्धारण (परिसीमन) की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासन विस्तारित नगर परिषद का नक्शा तैयार करने में जुट गया है। विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को 30 अगस्त तक विस्तृत नक्शा, थाना संख्या, आबादी और चौहद्दी सहित अंतिम प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

विस्तार का एक नक्शा तेजी से प्रसारित हो रहाः प्रशासन द्वारा प्रस्ताव भेजे जाने के बाद एक प्रारूप अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद आम लोगों से दावा और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी, जिसके लिए 30 दिनों का समय दिया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया को वर्ष 2026 के अंत में प्रस्तावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य प्रभावित ग्राम पंचायतों का समय पर पुनर्गठन सुनिश्चित करना है। सोशल मीडिया पर नगर परिषद के प्रस्तावित विस्तार का एक नक्शा तेजी से प्रसारित हो रहा है। इस नक्शे के अनुसार,

बक्सर सदर प्रखंड के बड़ी संख्या में गांवों को नगर परिषद में शामिल करने का प्रस्ताव है।

क्षेत्रों की पहचान और पंचायत व्यवस्था प्रभावित होगीः प्रस्तावित सूची में खुटहा, मझरिया, अर्जुनपुर, रामोबरिया, दहिबर, गड़नी, दलसागर, तिवारीपुर, परसिया, शिवपुर, हरिकिशुनपुर, नदांव, पड़री, साहोपारा, गंगौरा, चुरामनपुर, दरहपुर, शेरपुर, जगदीशपुर, पंडितपुर, सोंधिला, इजरी, हुकहा, रहसीचक, लालगंज, बटवा, मनौवरचक, सरांव, लरई, हरिपुर, उमरपुर, गोबिनापुर, पुलिया, बलिया, लक्ष्मीपुर और मिश्रवलिया जैसे कई गांव शामिल हैं। हालांकि, इस प्रस्तावित परिसीमन का विरोध भी शुरू हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रस्तावित नक्शे में सदर प्रखंड के लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्से को नगर परिषद में शामिल किया गया है। उनका तर्क है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों की पहचान और पंचायत व्यवस्था प्रभावित होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों को नगर परिषद में शामिल किया गयाः वर्तमान में बक्सर नगर परिषद में 42 वार्ड हैं। इससे पहले हुए परिसीमन में अहिरौली, जासो, नुआंव और पांडेयपट्टी जैसे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को नगर परिषद में शामिल किया गया था। बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 के अनुसार किसी क्षेत्र को नगर निकाय में शामिल करने के लिए यह आवश्यक है कि वहां कुल कार्यबल का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा गैर-कृषि गतिविधियों, जैसे व्यापार, उद्योग, सेवा या अन्य रोजगार से जुड़ा हो। प्रशासन को प्रस्तावित गांवों के संबंध में इस मानक का भी परीक्षण करना होगा। नगर परिषद का हिस्सा बनने के बाद इन क्षेत्रों में पक्की सड़कें, भूमिगत नालियां, शुद्ध पेयजल आपूर्ति, एलईडी स्ट्रीट लाइट, सफाई व्यवस्था और अन्य शहरी सुविधाओं के विस्तार की संभावना बढ़ेगी। सरकार का उद्देश्य तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना और विकास योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है।

जेजे कॉलेज में "पिच डेक प्रिपरेशन में छात्रों ने सीखे स्टार्टअप के गुर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। जगजीवन कॉलेज, आरा के स्टार्टअप सेल एवं बिहार सरकार के उद्योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार (28 जुलाई 2026) को "पिच डेक प्रिपरेशन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) आभा सिंह ने की। दीप प्रज्ज्वलन एवं बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्टार्टअप की अवधारणा, उद्यमिता तथा अपने नवाचार व व्यावसायिक विचारों को निवेशकों के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की कला से रूबरू कराना है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आईआईटी पटना के एग्जीक्यूटिव प्रदीप कुमार ने पीपीटी स्लाइड के जरिए आईआईटी पटना के पिच डेक की संरचना, प्रस्तुतीकरण के दौरान होने वाली सामान्य गलतियों तथा निवेशकों के सामने प्रभावी प्रस्तुति की तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं, जिला उद्योग केंद्र (भोजपुर) की प्रोजेक्ट मैनेजर सुश्री प्रीति कुमारी ने छात्रों को स्टार्टअप की बुनियादी समझ और निवेशकों के समक्ष अपनी बात मजबूती से रखने की बारीकियों से अवगत कराया।

हर रजिस्ट्री पर 5 से 10 हजार की वसूली

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जमीन की रजिस्ट्री कराने के लिए सरकारी शुल्क और चालान की राशि जमा करने के बाद भी कथित तौर पर ऑफिस खर्च, कंप्यूटर ऑपरेटर, भौतिक सत्यापन और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर अतिरिक्त राशि वसूले जाने का आरोप सामने आया है। एक शिकायत के बाद दैनिक भास्कर की टीम द्वारा की गई पड़ताल में कातिब और अन्य लोगों से बातचीत के दौरान अवैध वसूली के इस खेल से जुड़े कई दावे सामने आए। बातचीत में बताया गया कि सामान्य रजिस्ट्री के लिए भी चालान की राशि से अलग करीब 5 हजार रुपये से लेकर 10 हजार रुपये तक अतिरिक्त रकम मांगी जाती है। जमीन की प्रकृति या निबंधन प्रक्रिया में किसी तरह की पेचीदगी होने पर यह रकम कथित तौर पर मनमाने तरीके से बढ़ सकती है। नाम न छापने की शर्त पर कातिब से जब भास्कर संवाददाता के द्वारा अतिरिक्त राशि लिए जाने को लेकर सवाल किया गया तो उसने इसे सामान्य प्रक्रिया बताते हुए कई तरह के खर्च का हवाला दिया। उसके अनुसार जमीन की रजिस्ट्री कराने आने वाले लोगों से भौतिक सत्यापन, ओटीपी, कंप्यूटर ऑपरेटर और ऑफिस खर्च के नाम पर 7 से 8 हजार रुपये तक अतिरिक्त लिए जाते हैं। अगर जमीन की प्रकृति को लेकर कोई

पेचीदगी हो या उसे छिपाने का मामला हो तो कथित तौर पर यह रकम और बढ़ जाती है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। 76 हजार का चालान, फिर मांगे गए 13 हजार रुपये मामले की शिकायत करने वाले ज्ञानेश्वर ने बताया कि उन्होंने कथकौली मैदान के समीप जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। इसके लिए उन्हें सरकारी चालान के रूप में करीब 76 हजार रुपये जमा करने पड़े। उनका आरोप है कि चालान जमा करने के बाद रजिस्ट्री ऑफिस के कर्मियों और कातिब की ओर से 'ऑफिस खर्च' के नाम पर अतिरिक्त रकम की मांग की गई। उन्हें बताया गया कि यह राशि ऑफिस के कंप्यूटर ऑपरेटर को दी जाएगी। रजिस्ट्री कराने की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए मजबूरी में उन्हें 13 हजार रुपये अतिरिक्त देने पड़े।

गुरु पूर्णिमा पर बक्सर में आस्था का सैलाब

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। भोर होते ही रामरेखा घाट सहित विभिन्न गंगा घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में स्नान किया। स्नान के उपरांत भक्तों ने भगवान का पूजन-अर्चन किया और फिर अपने गुरुओं के दर्शन तथा आशीर्वाद लेने के लिए शहर के प्रमुख मठों, मंदिरों और आश्रमों की ओर प्रस्थान किया। पूरे दिन धार्मिक स्थलों पर भक्तिमय माहौल बना रहा।शहर के स्टेशन रोड स्थित बसांव मठ, नई बाजार के सीताराम विवाह आश्रम और श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में सुबह से ही शिष्यों की लंबी कतारें देखी गईं।

वस्त्र और दक्षिणा अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त कियाः श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में पुष्प, फल, वस्त्र और दक्षिणा अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अनेक स्थानों पर गुरु पूजन, भजन-कीर्तन, प्रवचन और प्रसाद वितरण जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। भक्तों ने गुरुओं को जीवन का मार्गदर्शक बताते हुए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दूर-दराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बक्सर पहुंचे। मठों और आश्रमों में सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा रहा। कई स्थानों पर स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, प्रसाद वितरण और कतार प्रबंधन की व्यवस्था संभाली। इस दौरान महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज

की गई।

महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी मनाया जाता हैः गंगा घाटों पर स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य भी किया। कई लोगों ने गरीबों को अन्न, वस्त्र और दक्षिणा का दान दिया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु का सम्मान करने और गंगा स्नान करने से जीवन में सुख, समृद्धि और ज्ञान की प्राप्ति होती है। इसी विश्वास के साथ लोगों ने पूरे श्रद्धाभाव से यह पर्व मनाया।भारतीय परंपरा में गुरु पूर्णिमा का विशेष महत्व है। यह पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि गुरु ही ज्ञान के प्रकाश से अज्ञान के अंधकार को दूर कर जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। इसी कारण इस दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करते हैं। बक्सर में भी यह वर्षों पुरानी परंपरा इस बार भी पूरे उत्साह, श्रद्धा और धार्मिक उल्लास के साथ निभाई गई।

भारत विकास परिषद, दक्षिण बिहार प्रांत की विश्वामित्र शाखा कर रही आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। स्वतंत्रता दिवस पर भारत विकास परिषद, दक्षिण बिहार प्रांत की विश्वामित्र बक्सर शाखा की ओर से 8 अगस्त को राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। एमवी कॉलेज, बक्सर के मानस भवन में आयोजित इस प्रतियोगिता में बक्सर जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राए भाग लेंगे। वे देशभक्ति गीतों की सामूहिक प्रस्तुति देंगे। इसी क्रम में रविवार को एक होटल में परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष वर्षा पाण्डेय ने की। बैठक में प्रतियोगिता की रूपरेखा पर चर्चा की गई। विभिन्न समितियों का गठन किया गया। कार्य-विभाजन तय किया गया। विद्यालयों से समन्वय सहित सभी आवश्यक

तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। शाखा अध्यक्षा वर्षा पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है। यह राष्ट्रभाव जागरण का सशक्त माध्यम है। आज वैश्वीकरण, सोशल मीडिया और बदलती जीवनशैली के बीच युवाओं में राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण दिख रहा है। ऐसे समय में इस प्रकार के आयोजन बच्चों और युवाओं के मन में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, सामूहिकता और भारतीय संस्कारों का बीजारोपण करते हैं। जागरूक बच्चे ही बनेंगे जिम्मेदार नागरिक बच्चे ही राष्ट्र का भविष्य हैं। यदि उनके भीतर बचपन से ही देशभक्ति, सेवा और संस्कार के भाव विकसित किए जाए, तो वे आगे चलकर समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने वाले जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। भारत विकास परिषद का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं है। उद्देश्य राष्ट्र निर्माण की भावना को नई पीढ़ी तक पहुचाना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की प्रतियोगिता में बक्सर जिले के बड़ी संख्या में सरकारी एवं निजी विद्यालयों की टीमें भाग लेंगी। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पूर्व आयोजित यह कार्यक्रम पूरे जिले में राष्ट्रभक्ति का वातावरण निर्मित करेगा। बच्चों की सामूहिक स्वर-लहरियों से बक्सर की धरती राष्ट्रीय चेतना के ओज से आलोकित होगी। बैठक में प्रतियोगिता की सफलता के लिए विभिन्न दायित्वों का वितरण भी किया गया। सचिव संजय राय, कोषाध्यक्ष मनोज दुबे, संस्कार संयोजक प्रकाश पाण्डेय, महिला एवं बाल विकास संयोजक रीना शर्मा, सेवा संयोजक मीरा सिंह, संपर्क संयोजक मंजू तिवारी, पर्यावरण संयोजक विपिन कुमार सहित भरत प्रसाद, विकास कौशिक, सरोज तिवारी, अमित पांडेय, अखिलेश, हरेंद्र पांडेय, सरोज दुबे, वार्ड पार्षद संगीता सिंह, आनंद कुमार पाण्डेय ने सुझाव दिए।

जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज में "एक्सेप्ट अस- 2026' का आयोजन, नैतिक मूल्यों के प्रति किया प्रेरित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज, आरा में एमबीए, बीबीए एवं बीसीए के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक्सेप्ट अस- 2026" ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य नए विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और नैतिक मूल्यों के प्रति प्रेरित करना था। एमबीए द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रियंशा के कुशल व प्रभावकारी संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक स्वागत गीत, मनमोहक स्वागत नृत्य, बीसीए छात्र आदित्य की प्रेरणादायक कविता और तारकनाथ के ऊर्जावान संबोधन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य कर (पटना) के संयुक्त आयुक्त नरेश कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य कर (शाहाबाद) के संयुक्त आयुक्त प्रभारी ओम कुमार मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता संस्थान के चेयरमैन डॉ. आदित्य विजय जैन ने की। इस गरिमामयी अवसर पर वाइस चेयरपर्सन डॉ. सीपी जैन तथा डायरेक्टर सिद्ध विजय जैन व अरिहंत विजय जैन भी मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि नरेश

कुमार ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में सफलता केवल प्रतिभा या बुद्धिमत्ता से तय नहीं होती, बल्कि निरंतरता, धैर्य, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही व्यक्ति को सर्वोच्च शिखर तक पहुंचाती है। उन्होंने युवाओं को मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग और डिजिटल भटकाव से बचकर अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करने, सुनने की कला विकसित करने तथा महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन से सीख लेते हुए निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि ओम कुमार ने ईमानदारी और अनुशासन पर बल देते हुए कहा कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रक्रिया है। अध्यक्षीय संबोधन में चेयरमैन डॉ. आदित्य विजय जैन ने स्पष्ट किया कि कॉलेज का ध्येय केवल सफल प्रोफेशनल तैयार करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र, नैतिक मूल्यों और सामाजिक संवेदनशीलता का निर्माण करना है।

वीर कुंवर सिंह पार्क बना शहर का नया आकर्षण

आरा। शहर की ऐतिहासिक पहचान रहे वीर कुंवर सिंह पार्क का व्यापक जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य पूरा हो गया है। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह पार्क अब नए स्वरूप में तैयार है और जल्द ही आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। पार्क को ऐसा सार्वजनिक स्थल विकसित किया गया है, जहां मनोरंजन, स्वास्थ्य, प्रकृति और विरासत का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। पुनर्विकास के तहत पार्क में अत्याधुनिक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, योगशाला, ओपन जिम, सेल्फी प्वाइंट, कैफेटेरिया, शीतल पेयजल की व्यवस्था, चिल्ड्रेन प्ले जोन, आधुनिक एक्वेरियम, आकर्षक फाउंटेन, फ्लोटिंग गार्डन और बोटिंग जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इसके अलावा बेहतर प्रकाश व्यवस्था, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था और आकर्षक लैंडस्केपिंग से पार्क की खूबसूरती में चार चांद लग गए हैं। पार्क के प्रवेश द्वार, पाथवे और अन्य संरचनाओं के निर्माण में जयपुर से मंगाए गए उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक पत्थरों का उपयोग किया गया है। इससे पार्क का स्वरूप पहले की तुलना में कहीं अधिक भव्य और आकर्षक हो गया है। पूरे परिसर में हरित क्षेत्र का विस्तार, साफ-सफाई और आधारभूत सुविधाओं का भी विकास किया गया है। जिला प्रशासन का कहना है कि पार्क बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए मॉर्निंग वॉक, इवनिंग वॉक, योग, व्यायाम और परिवार के साथ समय बिताने का आदर्श स्थान बनेगा। प्रशासन ने नागरिकों से पार्क की स्वच्छता बनाए रखने और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा में सहयोग करने को कहा है। वीर कुंवर सिंह पार्क का यह नया स्वरूप भोजपुर की ऐतिहासिक विरासत को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ते हुए शहर की नई पहचान बनने की ओर अग्रसर है। जल्द ही इसके उद्घाटन के बाद लोग इस अत्याधुनिक पार्क का आनंद ले सकेंगे। पार्क के नए स्वरूप से आरा में स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बेहतर सुविधाएं मिलने से आसपास के जिलों के लोग भी आकर्षित होंगे। इससे छोटे कारोबार, खानपान और स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं।

श्रीमद्भागवत कथा सुनने से नष्ट होते हैं पाप

बक्सर। नया बाजार स्थित श्री सीताराम विवाह महोत्सव स्थल पर चल रहे श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का मंगलवार को भव्य समापन हो गया। अंतिम दिन कथा पंडाल में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। संपूर्ण प्रांगण भक्तिमय भजनों और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गुंजायमान रहा। परम पूज्य गुरुदेव श्री नारायण दास भक्तमाली श्री मामाजी महाराज, बक्सर वाले, के शिष्य श्याम चरण दास जी महाराज ने अपनी सहज और भावपूर्ण शैली में भगवान के दिव्य चरित्रों का ऐसा आख्यान प्रस्तुत किया कि उपस्थित भक्त भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के दिव्य विवाह प्रसंग का अत्यंत मनोहारी वर्णन किया गया। विवाह झांकी और प्रसंग आते ही श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूमने लगे। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के प्रसंग का मार्मिक वर्णन किया गया। कथा व्यास ने कहा कि सच्ची मित्रता में ऊंच-नीच और धन-दौलत का कोई स्थान नहीं होता। सुदामा चरित्र के माध्यम से निष्काम भक्ति और भगवान की भक्तवत्सलता का अनुपम संदेश दिया गया। जीवन में संयम, सदाचार और आत्मचिंतन अपनाने की दी प्रेरणा कथा में भगवान दत्तात्रेय जी के 24 गुरुओं के प्रसंग की विशेष चर्चा हुई। व्यास जी ने समझाया कि यदि मनुष्य के भीतर सीखने की तीव्र इच्छा और विनम्रता हो, तो प्रकृति का प्रत्येक तत्व-चाहे वह चींटी हो, जल हो या वायु-उसका गुरु बन सकता है। उन्होंने सभी को जीवन में संयम, सदाचार और आत्मचिंतन अपनाने की प्रेरणा दी। कथा के अंतिम चरण में शुकदेव जी महाराज द्वारा राजा परीक्षित को कथा श्रवण कराने और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होने के प्रसंग का वर्णन किया गया। व्यास जी ने कहा कि जो भी मनुष्य निष्ठा, श्रद्धा और विश्वास के साथ श्रीमद्भागवत कथा का रसपान करता है, उसके जीवन के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। अंततः उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। कथा के समापन पर मुख्य यजमान व गणमान्य लोगों द्वारा महाआरती की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

हिंदी में दैनिक कामकाज को बढ़ावा देने पर जोर कार्मिक विभाग को मिली राजभाषा चल शील्ड

पूर्व मध्य रेल की 87वीं क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में बुधवार को क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में रेलवे के दैनिक कामकाज में हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग और राजभाषा संबंधी निर्देशों के प्रभावी अनुपालन पर जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने कहा कि पूर्व मध्य रेल 'क' क्षेत्र में स्थित है, इसलिए यहां अधिकांश कार्य हिंदी में ही होता है। इसके बावजूद राजभाषा से जुड़े निर्देशों का गंभीरता और दृढ़ता से पालन किया जाना जरूरी है।

उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे छोटे-छोटे आदेश और टिप्पणियां भी हिंदी में लिखने की आदत विकसित करें। इससे कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को लेकर सकारात्मक वातावरण बनेगा और अधीनस्थ कर्मचारी भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे।

अपर महाप्रबंधक ने कहा कि हिंदी की व्यापकता और उपयोगिता को सभी स्वीकार करते हैं। अब समय आ गया है कि दैनिक कार्यालयी कार्य हिंदी में किए जाएं। इसके लिए भाषा को कठिन बनाने के बजाय सरल और सहज शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए, क्योंकि भाषा मूल रूप से अभिव्यक्ति और संवाद का माध्यम है। उन्होंने सभी विभागों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए राजभाषा अधिनियम की

धारा 3(3) सहित महत्वपूर्ण निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कार्मिक विभाग को अंतर्विभागीय राजभाषा चल शील्ड प्रदान की गई। अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने यह शील्ड प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव को प्रदान की। मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर सविता गेडाम ने कहा कि हिंदी के प्रयोग और प्रचार-प्रसार को बढ़ाने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। रेलवे में कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां अभी और प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संघ की राजभाषा नीति के अनुरूप कार्यालयी कामकाज को अधिकतम स्तर तक हिंदी में किया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने राजभाषा विभाग की ओर से पिछली तिमाही में किए गए कार्यों की जानकारी भी दी। बैठक का संचालन करते हुए उप महाप्रबंधक (राजभाषा) केशव त्रिपाठी ने कहा कि राजभाषा का प्रचार-प्रसार आपसी सहयोग से ही प्रभावी ढंग से संभव है। उन्होंने कहा कि मुख्य राजभाषा अधिकारी के मार्गदर्शन और महाप्रबंधक के संरक्षण में राजभाषा विभाग हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रहा है। बैठक में पूर्व मध्य रेल के विभिन्न मंडलों, कारखानों और अन्य इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों एवं मंडलों में हिंदी के प्रयोग और राजभाषा के प्रचार-प्रसार की स्थिति से समिति को अवगत कराया। इस दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों ने राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय राजभाषा प्रतियोगिता में सफल रहे अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे कर्मचारियों को कार्यालयी कार्यों में हिंदी के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। बैठक के अंत में राजभाषा अधिकारी अनिल कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षिप्त समाचार

बंद घर में फंदे से लटका मिला सड़ा-गला शव, वैशाली में दुर्गंध आने पर ग्रामीणों को हुई आशंका

हाजीपुर। वैशाली के राजापाकर थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर गांव में अधेड़ व्यक्ति का शव उसके बंद घर में फंदे से लटका मिला। शव से तेज दुर्गंध आने के बाद ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही राजापाकर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मौजूदगी में घर का दरवाजा खोला गया। अंदर करीब 50 वर्षीय व्यक्ति का शव गले में रस्सी के सहारे फंदे से लटका हुआ था। शव काफी हद तक सड़-गल चुका था, जिससे पूरे इलाके में दुर्गंध फैल गई थी। मृतक की पहचान बैकुंठपुर निवासी स्वर्गीय जगरनाथ पासवान के बेटे गरीबन पासवान (50) के रूप में हुई है। बताया गया कि वह फेरी लगाकर ब्रेड बेचकर अपना जीवनयापन करते थे और घर में अकेले रहते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, गरीबन पासवान पिछले दो-तीन दिनों से गांव में दिखाई नहीं दे रहे थे। शुरुआत में किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब घर से बदबू आने लगी तो लोगों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। राजापाकर थाना पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

'बेटी की पीट-पीटकर हत्या, शव नदी में फेंका'

हाजीपुर। हाजीपुर, वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के नयाटोला मधुरापुर गांव में एक 35 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान सुंदरी देवी के रूप में हुई है, जो अनिल राय की पत्नी थीं। यह घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है। मृतका के पिता अशरफी राय, जो सरायपुर (गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र) के निवासी हैं, ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की पीट-पीटकर हत्या की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को सिक्स लेन पुल से नदी में फेंक दिया गया। अशरफी राय के अनुसार, मृतका का पति अनिल राय नशे का आदी था और अक्सर सुंदरी देवी के साथ मारपीट करता था। सुंदरी देवी अपने पीछे दो छोटे बच्चों, एक बेटा और एक बेटी, को छोड़ गई हैं। घटना की सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी रवि प्रकाश के नेतृत्व में पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है और मामले की गहन जांच में जुटा है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद से ससुराल पक्ष के सभी सदस्य घर छोड़कर फरार हो गए हैं। पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और अन्य जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर ही हो पाएगा। फिलहाल, मृतका के पिता के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। हत्या के आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

बिदुपुर सीएचसी से बाइक चोरी, निजी सुरक्षा गार्ड की गाड़ी ले गए चोर, 10 दिन में दूसरी घटना

हाजीपुर। बिदुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के प्रांगण से मंगलवार दोपहर करीब दो बजे एक निजी सुरक्षा गार्ड की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। चोर दिनदहाड़े घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। यह बिदुपुर CHC परिसर में 10 दिनों के भीतर हुई मोटरसाइकिल चोरी की दूसरी घटना है। जानकारी के अनुसार, खिलवत निवासी निजी सुरक्षाकर्मी मुकेश कुमार की मोटरसाइकिल चोरी हुई है। उन्होंने इस संबंध में थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। चोरी की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें चोर मोटरसाइकिल लेकर भागता हुआ स्पष्ट दिख रहा है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब बिदुपुर थाना CHC से लगभग 300-400 फीट की दूरी पर स्थित है। लगभग दस दिन पहले भी इसी परिसर से स्वास्थ्यकर्मी शंभू कुमार की मोटरसाइकिल चोरी हुई थी। इसके अतिरिक्त, पांच दिन पूर्व अंचल कार्यालय परिसर से अंचल कर्मचारी चंद्रजीत की मोटरसाइकिल भी चोरी कर ली गई थी। इससे पहले बिशनपुर राजखंड गांव में मदनेश सिंह के घर के पास से मथुरा निवासी रुदल राय की मोटरसाइकिल भी एक भोज के दौरान चोरी हो गई थी। इन लगातार हो रही चोरियों से स्थानीय लोगों में पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस अब तक इनमें से किसी भी मामले का खुलासा करने में विफल रही है।

राजमिस्त्री की 110 किमी दूर समस्तीपुर में मिली लाश

मुजफ्फरपुर। समस्तीपुर के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सिंघिया घाट के पास बुधवार सुबह बूढी गंडक नदी में उपलाता हुआ एक शव मिला। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के मिठनपुरा केएमसीएच के पास रहने वाले राम भजन भगत के बेटे 50 साल के रंजीत भगत के रूप में की गई है। शव मिलने के बाद विभूतिपुर पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। घटना के संबंध में मृतक के भतीजा राजू कुमार ने बताया कि उनके चाचा रंजीत भगत राजमिस्त्री का काम करते थे। 25 जुलाई को वह मुजफ्फरपुर के अखाड़ा घाट पर स्नान कर रहे थे। नदी में पानी बढा हुआ था। स्नान करने के दौरान वह गहरे पानी में चले गए थे। इसी दौरान डूबने से उनकी मौत हो गई। राजू ने बताया कि चाचा के डूबने की खबर के बाद हम लोग उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन कुछ पता नहीं चला। उन्होंने कहा कि घटना के बाद प्रशासनिक स्तर पर खोजबीन की गई थी, लेकिन कुछ भी पता नहीं चल रहा था। मृतक के भतीजा ने बताया कि परिवार के लोग बांध के रास्ते शव को खोजते हुए आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान पूसा के आसपास ग्रामीणों ने बताया कि नदी की तेज धारा में एक शव को बहते हुए देखा था, जो समस्तीपुर की ओर गया है। जानकारी के बाद हम लोग शव को खोजते हुए सिंघिया पहुंचे तो नदी किनारे एक शव उपला रहा था। बाहर निकाला गया तो वो मेरे चाचा का शव था। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस की ओर से शव का पंचनामा बनाया गया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

17 अगस्त को बिहार के सभी जिला मुख्यालयों पर बीएमएस का धरना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

♦ **श्रमिकों की लंबित मांगों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ होगा प्रदर्शन, मांगों का ज्ञापन सौंपेगा भारतीय मजदूर संघ**

पटना। श्रमिकों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) 17 अगस्त को बिहार के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना देगा। इस दौरान केंद्र सरकार का ध्यान श्रमिकों की समस्याओं की ओर आकृष्ट कराने के लिए मांगों से संबंधित ज्ञापन भी अधिकारियों को सौंपा जाएगा। यह निर्णय भारतीय मजदूर संघ की अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक में लिया गया है। बीएमएस के प्रदेश महामंत्री मनीष कुमार ने बताया कि 26 से 28 जुलाई तक झारखंड के रांची में भारतीय मजदूर संघ की अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक हुई थी। बैठक में श्रमिकों से जुड़े मुद्दों को लेकर 17 अगस्त को देशव्यापी धरना आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसी के तहत बिहार के सभी जिला मुख्यालयों पर भी आंदोलन किया जाएगा। बीएमएस ने श्रमिकों के हित में कई मांगों को आंदोलन का आधार बनाया है। संघ की प्रमुख मांगों में ईएसआईसी की वेतन सीमा 21 हजार से बढ़ाकर 42 हजार रुपये करना और ईपीएफ के तहत न्यूनतम पेंशन को 1 हजार से बढ़ाकर 7,500 रुपये प्रतिमाह करना शामिल है। इसके अलावा ईपीएफ की सीमा 15 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने की मांग भी की जा रही है। संघ ने सभी स्कीम वर्कर्स के वेतन में बढ़ोतरी करने तथा कॉन्ट्रैक्ट और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए 'समान काम, समान वेतन' के सिद्धांत को प्रभावी तरीके से लागू करने की मांग उठाई है। बीएमएस का कहना है कि श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए लेबर कोड में मौजूद श्रमिक विरोधी प्रावधानों को समाप्त किया जाना चाहिए। भारतीय मजदूर संघ ने देश के सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन निर्धारित करने की मांग की है। इसके साथ ही बैंक कर्मचारियों के लिए पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग भी आंदोलन के प्रमुख मुद्दों में शामिल है। प्रदेश महामंत्री मनीष कुमार ने कहा कि 17 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर धरना देने के बाद भी यदि सरकार ने श्रमिकों की मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की, तो भारतीय मजदूर संघ देशभर में बड़े जन आंदोलन की शुरुआत करेगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन के माध्यम से सरकार का ध्यान श्रमिकों की समस्याओं और उनकी लंबित मांगों की ओर आकर्षित किया जाएगा।

पीछे से ट्रक ने पुलिस वाहन में मारी जोरदार टक्कर, गश्ती टीम बाल-बाल बची

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

♦ **पटना-गया फोरलेन पर सम्मनचक के पास हादसा; वाहन क्षतिग्रस्त, ट्रक चालक हिरासत में**

मसौढ़ी। पटना-गया फोरलेन पर बुधवार दोपहर उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब सम्मनचक के समीप गश्ती कर रही पुनपुन थाना की निजी पुलिस गाड़ी में पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पुलिस वाहन को काफी झटका लगा। हालांकि, वाहन में सवार पुलिसकर्मी किसी बड़े हादसे का शिकार होने से बच गए। दुर्घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आने की बात सामने आई है। बताया जाता है कि पुनपुन थाना की पुलिस टीम निजी वाहन से इलाके में गश्ती कर रही थी। इसी दौरान सम्मनचक के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। अचानक हुई टक्कर के बाद वाहन में सवार पुलिसकर्मियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। टक्कर के बाद चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए पुलिस वाहन को नियंत्रित कर सड़क किनारे सुरक्षित रोक दिया। इससे वाहन के अनियंत्रित होकर किसी दूसरे वाहन से टकराने या बड़ा हादसा होने की आशंका टल गई।

हादसे में पुलिस का निजी वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया और उसके चालक को हिरासत में ले लिया। चालक से पूछताछ कर हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुनपुन थाना की एसएचओ बेबी कुमारी ने बताया कि दुर्घटना में पुलिस का निजी वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है।

पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं। ट्रक चालक से पूछताछ की जा रही है और मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पटना-गया फोरलेन पर लगातार वाहनों की आवाजाही के बीच तेज रफ्तार को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्राथमिक जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि ट्रक चालक की लापरवाही, तेज गति या किसी अन्य कारण से टक्कर हुई।

मॉर्निंग गश्ती से लौट रही पुलिस टीम को घेरा, धारदार हथियार से हमला; दारोगा समेत चार घायल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

♦ **लहसुना थाना क्षेत्र में गश्ती वाहन भी क्षतिग्रस्त, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर तीन आरोपितों को दबोचा**

मसौढ़ी। लहसुना थाना क्षेत्र के बांसडीह मुसहरी में बुधवार सुबह पुलिस टीम पर अचानक हमला किए जाने से अफरा-तफरी मच गई। मॉर्निंग गश्ती से लौट रही पुलिस टीम को ग्रामीणों ने कथित तौर पर रोक लिया और पुलिसकर्मियों पर धारदार हथियार तथा ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। घटना में गश्ती पदाधिकारी पु०अ०नि० सुदर्शन कुमार समेत तीन महिला पुलिसकर्मी घायल हो गईं। हमले में पुलिस का गश्ती वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। बताया गया कि पुलिस टीम बुधवार सुबह कराय पंचायत के बांसडीह मुसहरी के समीप से गश्ती कर वापस लौट रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने गश्ती वाहन को रोक लिया। पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते, इससे पहले ही उन पर हमला कर दिया गया। अचानक हुए हमले से पुलिस टीम में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हमले में गश्ती पदाधिकारी सुदर्शन कुमार के अलावा महिला पुलिसकर्मी खुशी कुमारी, पल्लवी कुमारी और प्रीति कुमारी घायल हुई हैं। हमले के दौरान वाहन को भी क्षति पहुंची।

घटना के बाद घायल पुलिसकर्मियों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल, मसौढ़ी ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों की स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने भूरा मांझी, करीबन मांझी और छोटे मांझी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद इलाके में स्थिति पूरी तरह सामान्य है। एहतियात के तौर पर पुलिस की निगरानी बढ़ाई गई है। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या पुलिस टीम पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घर में छिपाकर रखा था गांजा, पुलिस की दबिश में 1.6 किलो बरामद

कल्याणपुर गांव में गुप्त सूचना पर पिपरा पुलिस की कार्रवाई, महिला गिरफ्तार; एनडीपीएस एक्ट में केस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। पिपरा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में पुलिस ने नशीले पदार्थों की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक घर से 1.6 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से एक महिला को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कल्याणपुर गांव स्थित एक घर से गांजा की बिक्री की जा रही है। सूचना मिलने के बाद पिपरा थाना पुलिस ने पहले मामले का सत्यापन किया। सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस टीम ने संबंधित घर पर छापेमारी की। पुलिस के पहुंचने पर घर में मौजूद महिला से पूछताछ की गई। उसके जवाब से संतुष्ट नहीं होने के बाद पुलिस ने घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान घर से 1.6 किलो गांजा बरामद हुआ।

बरामदगी के बाद पुलिस ने गांजा को जब्त कर लिया और मौके पर मौजूद महिला को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। पिपरा थानाध्यक्ष प्रिंस कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई की थी। छापेमारी में 1.6 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद गांजा कहां से लाया गया था और इसकी बिक्री में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है या नहीं।

गुरु पूर्णिमा पर भक्ति में डूबा विश्वनाथ मंदिर गीता-पाठ और सुंदरकांड से भक्तिमय हुआ माहौल

ठाकुरबाड़ी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, प्रवचन में गुरु के महत्व पर हुआ विशेष प्रकाश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मसौढ़ी नगर के लखीबाग स्थित ठाकुरबाड़ी विश्वनाथ मंदिर में बुधवार को श्रद्धा और भक्ति का विशेष नजारा देखने को मिला। गुरु के प्रति आस्था और समर्पण से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। विशेष सत्संग एवं प्रवचन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और सामूहिक रूप से धार्मिक ग्रंथों का पाठ किया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर परिसर में गीता, श्रीमद्भागवत और सुंदरकांड का सामूहिक पाठ आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ पाठ में हिस्सा लिया। भजन और धार्मिक मंत्रोच्चार से पूरे परिसर का वातावरण आध्यात्मिक हो गया। कार्यक्रम में

गीता प्रवाचक विश्वरंजन सिंह ने गुरु की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि गुरु जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाकर अज्ञान के अंधकार को दूर करते हैं और व्यक्ति को सही मार्ग दिखाते हैं। गुरु के बताए रास्ते पर चलकर ही मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बना सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से गुरु के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना बनाए रखने तथा उनके बताए आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने महर्षि वेदव्यास का स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के साथ भक्ति गीतों और सत्संग में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मंदिर के पुजारी गुड्डू पांडेय, मानस प्रवक्ता रामचंद्र दास, नागेश्वर विश्वकर्मा, रामवली, ललिता देवी और माधुरी देवी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने गुरु पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास और आध्यात्मिक भाव के साथ मनाया।

अस्पताल में आग से बचाव की तैयारी परखा, फायर मॉक ड्रिल में कर्मचारियों को मिला प्रशिक्षण

केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल पटना में अग्निशमन विभाग ने किया आपात स्थिति से निपटने का अभ्यास

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हाजीपुर। केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पूर्व मध्य रेल, पटना में बुधवार को अग्निशमन विभाग, कंकड़बाग, पटना की टीम द्वारा व्यापक फायर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इसका उद्देश्य अस्पताल में आग लगने जैसी आपात स्थिति के दौरान मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सकों, नर्सिंग एवं अन्य कर्मचारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देना था। मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अस्पताल कर्मियों को आग लगने की स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों और तत्काल की जाने वाली कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। आग की स्थिति में सुरक्षित निकासी, प्राथमिक प्रतिक्रिया और आपातकालीन बचाव के विभिन्न तरीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों के प्रभावी और सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी दी गई। आग पर काबू पाने के लिए सही समय पर सही उपकरण का उपयोग करने और आपात स्थिति में घबराने के

बजाय निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। मॉक ड्रिल के जरिए अस्पताल परिसर में उपलब्ध आपदा प्रबंधन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। इस दौरान यह परखा गया कि किसी वास्तविक आपात स्थिति में अस्पताल की टीम कितनी तेजी और समन्वय के साथ बचाव एवं निकासी कार्य कर सकती है।

कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्र के अलावा सभी चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। अस्पताल कर्मियों ने मॉक ड्रिल में सक्रिय रूप से भाग लेकर अग्निशमन विभाग की टीम से आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी ली। कार्यक्रम के समापन पर चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने बिहार सरकार के अग्निशमन विभाग, कंकड़बाग, पटना की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थान में इस तरह के नियमित प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास से आपदा के समय त्वरित निर्णय लेने, सुरक्षित निकासी और प्रभावी बचाव कार्य में मदद मिलती है। इससे अस्पताल की आपदा प्रबंधन क्षमता मजबूत होने के साथ मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा भी बेहतर तरीके से सुनिश्चित की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में श्रद्धा के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

रांची। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में मंगलवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व "गुरु वंदन" कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। नमः' से हुआ। छात्रा सिद्धि प्रिया ने गुरु पूर्णिमा की तिथि के महत्व पर प्रकाश डाला, वहीं प्रतिष्ठा और श्रेया ने गुरु महिमा पर कविता पाठ किया। छात्रों ने गुरु को समर्पित नृत्य और गुरु नमन भी प्रस्तुत किया। छात्र परिषद के प्रतिनिधियों ने विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर को ग्रीटिंग कार्ड भेंट किया। इस अवसर पर परमजीत कौर ने कहा कि भारतीय शास्त्रों में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु अज्ञानता के अंधकार को दूर कर विद्यार्थियों के शैक्षणिक, आध्यात्मिक और चारित्रिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी दोनों को गुरु-शिष्य परंपरा के मूल्यों को समझकर उनका संवहन करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन बच्चों द्वारा शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

वाई.बी.एन. विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर में 26 यूनिट रक्त संग्रह, 46 स्वयंसेवकों ने लिया भाग

रांची। वाई.बी.एन. विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रकोष्ठ और माँ कालावती होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में सदर अस्पताल, रांची के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डॉ.) एस. पोद्दार ने फीता काटकर किया। इस दौरान कुलसचिव डॉ. दीप्ती भार्गव, उप कुलसचिव संजय तिवारी, डॉ. आशीष सरकार, डॉ. भास्कर कुमार, डॉ. आरती गुप्ता और एनएस समन्वयक डॉ. कौशल किशोर सहित शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि "रक्तदान महादान है" और युवाओं को समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष रामजी यादव और सीएमडी डॉ. अंकिता यादव ने रक्तदाताओं के निस्वार्थ योगदान की सराहना की। सदर अस्पताल की ब्लड कलेक्शन टीम ने शिविर में 26 यूनिट रक्त संग्रह किया। कार्यक्रम में कुल 46 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। एनएसएस समन्वयक डॉ. कौशल किशोर ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

सीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक, उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों को सम्मानित किया गया

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीएल) मुख्यालय, दरभंगा हाउस में मंगलवार को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने की। बैठक में महाप्रबंधक (राजभाषा) अशोक कुमार ने गत तिमाही की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान का दर्पण है। निदेशक (एचआर) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि राजभाषा हिंदी प्रशासनिक कार्यों को सरल और प्रभावी बनाती है। उन्होंने अधिकारियों से हिंदी को दैनिक कार्य-संस्कृति में अपनाने का आग्रह किया। इस दौरान राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए कल्याण विभाग, सामान्य प्रशासन और प्रणाली विभाग को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं बोकारो, करगली, कथारा, ढोरी क्षेत्र सहित 12 अन्य विभागों को प्रशंसा पत्र दिए गए। बैठक का समापन राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन को और मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

DSPMU में छात्रहित के मुद्दों पर प्रधान सचिव से मिली आदिवासी छात्र संघ की टीम, 3-4 माह में छात्रसंघ चुनाव का आश्वासन

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (DSPMU) के आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में सीमा मुर्मू भी शामिल थीं। अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कुड़ुख, संथाली, नागपुरी, झारखंडी विभागों और BBA, MBA, कंप्यूटर साइंस व कॉमर्स में सीट कटौती वापस लेने, शिक्षकों के पद के दुरुपयोग की जांच, बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू करने, छात्रों पर दर्ज फर्जी मामलों को वापस लेने, AICTE पाठ्यक्रमों की मान्यता और "एक व्यक्ति-एक पद" सिद्धांत लागू करने सहित 6 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रधान सचिव ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि अगले 3-4 महीनों में छात्रसंघ चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय में स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाएगी। विवेक तिर्की ने कहा कि आदिवासी छात्र संघ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पारदर्शी प्रशासन के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगा।

वी फाउंडेशन ने एरिक्सन के साथ की साझेदारी

रांची। वोडाफोन आइडिया की सीएसआर शाखा, वी फाउंडेशन ने एरिक्सन के साथ साझेदारी में एक इंटर स्कूल रोबोटिक्स प्लेटफॉर्म रोबोत्सव द फेस्टिवल ऑफ टेक्नोलॉजी की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म को युवा छात्रों में इनोवेशन, क्रिएटिविटी और स्टैम के प्रति जुनून बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रोबोटिक्स लैब प्रोग्राम के तहत आयोजित रोबोत्सव की वेबसाइट को आज हमारे नॉलेज पार्टनर मोइनी फाउंडेशन के सहयोग से लॉन्च किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को रोबोटिक्स, उडी प्रिंटिंग, प्रोग्रामिंग, वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और जनरेटिव एआई का व्यवहारिक अनुभव प्रदान करना है। ऑनलाइन और ऑफलाइन लर्निंग के अनुभवों, प्रतियोगिताओं और आपसी सहयोग से की जाने वाली गतिविधियों के जरिए, रोबोत्सव छात्रों को दिलचस्प तरीके से रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया से परिचित कराता है। ओपन डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में बनाई गई यह वेबसाइट छात्रों को अपनी गति से सीखने, जुड़ने और अपने कौशल को बेहतर बनाने का मौका देती है। आने वाले महीनों में रोबोत्सव के तहत ऑफलाइन प्रतियोगिताएं भी शुरू होंगी, जिससे छात्रों को अपना हुनर दिखाने और साथियों के साथ मिलकर काम करने के और भी मौके मिलेंगे।

छात्रों और युवाओं के मुद्दे पर कांग्रेस कर रही दोहरी राजनीति : आदित्य साहू

एजेंसी। रांची

झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी सीजीएल, उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक के मामले को लेकर झारखंड भाजपा के सांसदों ने दिल्ली के मकर द्वार के समक्ष कांग्रेस की दोहरी राजनीति के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने छात्रों एवं युवाओं के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा दोहरी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस दिल्ली में छात्रों के मुद्दे पर हाय तौबा मचा रही है, जबकि दूसरी तरफ झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी सीजीएल सहित अन्य भर्ती परीक्षा घोटाले पर उनकी जुबान पर ताला जड़ा हुआ है। उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में तो झारखंड के 19 बच्चों की मौत हो गई। कांग्रेस के नेताओं की जुबान इस मामले पर बंद क्यों है ? साहू ने कहा कि जब-जब झारखंड में कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनी है, तब तब छात्रों, युवाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है। कांग्रेस दोहरी राजनीति करती है। दिल्ली में मांग करती है कि जांच हो और झारखंड में पूरी तरह मौन है। 19 अभ्यर्थी उत्पाद सिपाही दौड़ में मारे गए हैं। कांग्रेस झारखंड में मांग करे कि उन मृत बच्चों के परिजनों को हेमंत सरकार एक-एक करोड रुपए मुआवजा तत्काल भुगतान करे। हमारी पार्टी की मांग है कि दिल्ली से कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी झारखंड की धरती पर जाएं, वहां की जनता इनका चेहरा देखना चाहती है और इनसे पूछना चाहती है कि आप लोगों का यह दोहरा चरित्र क्यों। दिल्ली के मामले में आप नंगा नाच कर रहे हो, अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों को भड़काने का काम करते हो, जबकि जहां झारखंड में कांग्रेस के समर्थन से सरकार है वहां पर आप लोगों के मुंह पर ताला बंद क्यों है। साहू ने कहा कि अब इस देश में दोहरी राजनीति चलने वाली नहीं है। भाजपा मांग करती है कि झारखंड में पिछले छह वर्षों में हेमंत सरकार में जितनी भी भर्ती परीक्षा में अनियमिताएं हुई है, पेपर लीक हुआ है, सभी मामलों की सीबीआई जांच हो। कांग्रेसी चोर झारखंड के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का काम कर रहे हैं। उनका रोजगार छीनने का काम कर रहे हैं। अगर कांग्रेस वास्तव में छात्रों के मुद्दे पर, युवाओं के मुद्दे पर गंभीर है तो कांग्रेस को आज ही हेमंत सोरेन सरकार से अपना समर्थन वापस लेना चाहिए और हेमंत सोरेन से इस्तीफा की मांग करनी चाहिए। यह राजनीति ड्रामाबाजी किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। झारखंड में हेमंत सरकार के कार्यकाल में सीआईडी जांच का रिकॉर्ड किसी से छिपा नहीं है। जेएसएससी सीजीएल वाले मामले में सीआईडी जांच एवं शराब घोटाले मामले को एसीबी जांच ने किस प्रकार मटियामेट करने का काम किया है, यह किसी से छिपा नहीं है। सीआईडी जांच से भर्ती परीक्षा गड़बड़ी, पेपर लीक मामले का हश्र भी पूर्व के घोटाले जैसा ही होना तय है। इसलिए सीबीआई जांच ही एकमात्र विकल्प है। इस दौरान प्रदर्शन के दौरान भाजपा के सांसदों ने राहुल गांधी, हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस हाय-हाय, हेमंत सोरेन इस्तीफा दो, युवाओं के भविष्य का सौदा बंद करो, युवाओं का भविष्य सुरक्षित करो, झारखंड में भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी पर राहुल गांधी चुप्पी तोड़ो, कांग्रेस दोहरी राजनीति बंद करे जैसे नारे भी लगाए। इस दौरान आदित्य साहू के अलावा निशिकांत दुबे, बीडी राम, विद्युत वरण महतो, डॉ प्रदीप वर्मा, कालीचरण सिंह, ढुल्लू महतो, मनीष जायसवाल भी उपस्थित रहे।

जेपीएससी मामले में पूर्व चेयरमैन एल ख्यांग्ते से सीआईडी कार्यालय में दूसरे दिन भी पूछताछ जारी

एजेंसी। रांची

झारखंड की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सीआईडी की कार्रवाई लगातार जारी है। 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा से जुड़े मामले में सीआईडी के समन पर झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी सीआईडी कार्यालय पहुंचे। जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। मंगलवार को एल ख्यांग्ते से आठ घंटे से ज्यादा पूछताछ हुई थी। सूत्रों के अनुसार सीआईडी परीक्षा संचालन, टेंडर आवंटन और कथित गड़बड़ियों से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर एल ख्यांग्ते से पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी का फोकस इस बात पर है कि टीडीपीएल को परीक्षा संचालन का जिम्मा किन परिस्थितियों में दिया गया। सीआईडी यह भी जानना चाहती है कि यदि एजेंसी के ब्लैकलिस्ट होने की बात सामने आई थी तो उसे जेपीएससी जैसी संवैधानिक चयन संस्था की परीक्षा का टेंडर कैसे मिला। इसके अलावा परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी,ओएमआर शीट में कथित हेराफेरी रोकने के लिए उठाए गए कदम और शिकायतों पर कार्रवाई जैसे मुद्दों पर पूर्व अध्यक्ष से जवाब मांगा जा रहा है। पूरे मामले में जांच के दायरे में परीक्षा संचालन एजेंसी टीडीपीएल का कार्यालय भी है। जहां से परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। वहीं जेपीएससी कार्यालय से भर्ती परीक्षाओं से संबंधित दस्तावेज, ओएमआर शीट और डिजिटल साक्ष्य भी सीआईडी ने अपने कब्जे में लिए हैं। उल्लेखनीय है कि इस पूरे मामले में सीआईडी अब तक उप परीक्षा नियंत्रक सहित 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें से पांच आरोपितों से रिमांड पर पूछताछ जारी है। जांच एजेंसी का कहना है कि जुटाए गए दस्तावेजों, डिजिटल साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

झारखंड के सात जिलों में 02 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना

एजेंसी। रांची

राज्य के सात जिलों में 02 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के जिन सात जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है उनमें उत्तर पूर्वी जिले (देवघर, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़) शामिल हैं। इसके अलावा 30 जुलाई से 02 अगस्त तक राज्य की विभिन्न जिलों में गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। साथ ही इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चल सकती है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव में 72 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 32.7 डिग्री डाल्टनगंज में और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और रुक-रुक कर हल्की बारिश दर्ज की गई। इस दौरान दिनभर मौसम सुहाना बना रहा। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री और न्यूनतम 22.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 30.4 डिग्री और न्यूनतम 25.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.7 और न्यूनतम 24.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 30.5 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

किडनी रोगों की समय पर पहचान से बच सकती है जान : डॉ. अशोक बैद्य

एजेंसी। रांची

पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची के रीनल साइंसेज विभाग की ओर से बुधवार को 'एशेंशियल्स ऑफ रीनल केयर' विषय पर जन-जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किडनी एवं मूत्र संबंधी रोगों की समय पर पहचान, बचाव और आधुनिक उपचार के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। नेफ्रोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अशोक कुमार बैद्य ने कहा कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा तथा बिना चिकित्सकीय सलाह के लंबे समय तक दर्द निवारक दवाओं का सेवन किडनी रोगों के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश किडनी रोग शुरुआती अवस्था में बिना किसी स्पष्ट लक्षण के विकसित होते हैं। इसलिए नियमित रूप से रक्तचाप, ब्लड शुगर, यूरिन और किडनी फंक्शन की जांच कराना बेहद जरूरी है। समय रहते बीमारी की पहचान होने पर डायलिसिस और किडनी प्रत्यारोपण जैसी गंभीर स्थिति से काफी हद तक बचा जा सकता है। कंसल्टेंट डॉ. धीरज कुमार ने क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के शुरुआती उपचार और समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. सौमिक चटर्जी और डॉ. कुणाल कुमार सिंह ने मूत्र मार्ग एवं प्रोस्टेट संबंधी रोगों की समय पर जांच और उपचार की आवश्यकता बताई। डॉ. अमित कुमार ने इस अवसर पर कहा कि यूरोलॉजिकल कैंसर की शीघ्र पहचान और समय पर उपचार से मरीजों के सफल इलाज की संभावना काफी बढ़ जाती है। उन्होंने लोगों से किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज नहीं करने और समय रहते विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने की अपील की। फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. नीतेश कुमार ने कहा कि पारस एचईसी हॉस्पिटल आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सकों और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के साथ-साथ जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए भी लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

एजेंसी। रांची

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर तथा विद्यालय के प्रेरणास्रोत स्व. बी. के. बिरला और डॉ. सरला देवी बिरला को श्रद्धांजलि देकर की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरु-वंदना, नृत्य और कविता के माध्यम से शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। गुरु के महत्व पर प्रेरक भाषण में कहा गया कि शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि संस्कार और चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्या मनीषा शर्मा ने विद्यार्थियों को अनुशासन, विनम्रता और आजीवन सीखने की भावना अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नैतिकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित कर उन्हें बेहतर नागरिक बनाते हैं। समारोह का समापन कृतज्ञता के भाव के साथ हुआ और इसने भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत करने के साथ सम्मान और उत्कृष्टता के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

कार्यालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, पलामू।
(समाज कल्याण शाखा)
Email ID - dswopalamau@gmail.com
GeM Portal से दिव्यांग यंत्र/उपकरण क्रय हेतु
अल्पकालीन निविदा से संबंधित सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में अन्य क्षेत्रीय उपयोजनान्तर्गत तथा अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजनान्तर्गत प्राप्त आवंटन से पलामू जिला के दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांग यंत्र/उपकरण मुहैया कराने के लिए यंत्र/उपकरण का क्रय GeM Portal से कराने हेतु निविदा दिनांक 13.08.2026 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा GeM Portal पर Upload करना अनिवार्य होगा। अन्य माध्यम से प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी पलामू जिले के अधिकारिक वेबसाईट www.palamu.nic.in पर देखा जा सकता है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
पलामू।

PR 386195 District(26-27)D

कार्यालय चास नगर निगम, चास–बोकारो।
E-mail.Id :- chasmunicipalcorporation@gmail.com.
Phone No-06542-265416

—:आम सूचना:—

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चास नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत खाली जमीन/Vacant Land, Independent Building/स्वतंत्र मकान, Flats/Units in Multistoried Building /बहुमंजिला बिल्डिंग में फ्लैट/इकाइयों एवं Superstrulure/ विशिष्ट संरचना का होल्डिंग नं0 प्राप्त करने हेतु जिन दस्तावेजो की आवश्यकता है वो निम्नवत हैः–

Sl. No.	Property Type	Documents to be attached
01	Vacant Land	1. निबंधित विक्रय पत्र/निबंधित दान पत्र/लीज पत्र/वसीयतनामा/खतियान/न्यायालय डिक्री/बंटवारानामा। 2. लगान शुद्धि पत्र/भु–लगान रसीद/होल्डिंग रसीद 3. खाली जमीन Mutation के लिए Sl No- 1 में उल्लेखित दस्तावेजो के साथ लगान शुद्धि पत्र/भू–लगान रसीद अनिवार्य है।
02	Independent Building	1. निबंधित विक्रय पत्र/निबंधित दान पत्र/लीज पत्र/वसीयतनामा/खतियान/न्यायालय डिक्री/बंटवारानामा। 2. लगान शुद्धि पत्र/भु–लगान रसीद/होल्डिंग रसीद 3. Independent Building Mutation के लिए Sl No- 1 में उल्लेखित दस्तावेजो के साथ लगान शुद्धि पत्र/भू–लगान रसीद अनिवार्य है।
03	Flats/Units in Multistoried Building	1. विक्रय पत्र/दखल प्रमाण–पत्र
04	Superstrulure	1. बिजली बिल/ आधार कार्ड

अतः आप सभी नगरवासियों को सूचना दी जाती है की चास नगर निगम क्षेत्रांर्तगत अपनी सम्पति का होल्डिंग नं0 प्राप्त करने हेतु उपरोक्त सभी प्रकार की सम्पति के लिए उल्लेखित दस्तावेज अपने स्व–कर निर्धारण प्रपत्र के साथ जमा करे। इसके अलावा अन्य कोई भी दस्तावेजों की आवश्यकता नही है। खाली जमीन/Vacant Land का होल्डिंग नं0 प्राप्त करने हेतु अपने SAF प्रपत्र के साथ उपरोक्त लिखित दस्तावेजो की आवश्यकता होती है। **खाली जमीन का होल्डिंग नं0 प्राप्त करने हेतु LPC की आवश्यकता नही है।** यदि Sri Publication and Stationers pvt. Ltd. के किसी भी कर संग्रहकर्ताओ एवं जन सुविधा केन्द्र पर खाली जमीन के होल्डिंग नं0 निर्गत करने हेतु LPC की माँग की जाती है तो तुरंत निगम कार्यालय को सूचित करे। सभी नगरवासी अपना होल्डिंग नं0 प्राप्त करने हेतु Online प्रक्रिया के माध्यम से **Suda.jharkhand.gov.in** में आवेदन कर सकते है।

अपर नगर आयुक्त,
चास नगर निगम, चास।

PR 386182 (Urban Development) 26-27 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा
सहिजना मोड़, गढ़वा (झारखण्ड) पिन नं0 822114
Email : eedwsd.garhwa1@gmail.com

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या DWSD/GAR-RM-04/2026-27 (1st Call)

दिनांक–27.07.2026

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, रॉची
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा।
3. परिमाण विपत्र BOQ प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 01.08.2026 को 12:30 बजे अपराह्न से
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 10.08.2026 को 03:30 बजे अपराह्न तक
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 10.08.2026 को 04:30 बजे अपराह्न में
6. परिमाण विपत्र BOQ प्राप्ति का स्थान :– विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in/office of the Executive Engineer, D.W & S. Division, Garhwa से प्राप्त किया जाना है।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा। (2) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर।
8. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा।
9. कार्य का नाम :– नलकूपों के साधारण मरम्मति कर चालू करने का कार्य (स्पेयर पार्टस की आपूर्ति प्रमण्डल स्तर से की जायेगी।
10. कार्य का विवरण :–

क्र0	प्रखण्ड का नाम	ग्रुप सं0	नलकूपों की संख्या (अनुमानित)	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य(रू0 में)	कार्य की अवधि
1	गढ़वा एवं डंडा	GAR/RM-01	125 Nos	1,23,750.00	2,500.00	500.00	04 Months
2	रंका, रमकंडा एवं चिनियां	GAR/RM-02	125 Nos	1,23,750.00	2,500.00	500.00	04 Months
3	मेराल एवं डंडई	GAR/RM-03	125 Nos	1,23,750.00	2,500.00	500.00	04 Months
4	मझिऑव, बरडीहा एवं कांडी	GAR/RM-04	110 Nos	1,08,900.00	2,200.00	500.00	04 Months
5	नगर उँटारी, रमना एवं विशुनपुरा	GAR/RM-05	110 Nos	1,08,900.00	2,200.00	500.00	04 Months
6	भवनाथपुर, केतार एवं खरौन्धी	GAR/RM-06	100 Nos	99,000.00	2,000.00	500.00	04 Months
7	भण्डरिया एवं बड़गड़	GAR/RM-07	100 Nos	99,000.00	2,000.00	500.00	04 Months
8	धुरकी एवं सगमा	GAR/RM-08	100 Nos	99,000.00	2,000.00	500.00	04 Months

नोट :– (1) निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, अग्रधन की राशि देय होगा।
(2) निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in तथा कार्यालय के सूचना पट्ट से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा

PR 386156 Drinking Water and Sanitation(26-27)#D

एनसीपी विलय की खबरों के बीच शरद पवार ने पीएम मोदी को दिया बारामती आने का न्योता, महाराष्ट्र में बदलेगी सियासी हवा?

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में एक ही दिन हुए दो घटनाक्रमों के कारण सूबे के सियासी पंडित सकते में पड़ गए हैं। राकां के वरिष्ठ नेता शरद पवार इसकी वजह हैं। एक ओर बड़े पवार ने राकां के दोनों गुटों के विलय की संभावनाओं को पूरी तरह खारिज कर दिया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बारामती आने का निमंत्रण देकर सियासी हलकों में नई अटकलों को जन्म दे दिया। विपक्षी राजनीति के बीच पवार के इन कदमों को लेकर अलग-अलग राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं।

शरद पवार की अध्यक्षता वाले विद्या प्रतिष्ठान में नक्षत्र गार्डन के भीतर स्थापित 9 फुट ऊंची गौतम बुद्ध की प्रतिमा के अनावरण के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में विद्या प्रतिष्ठान की बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया। कार्यक्रम 2 अक्टूबर या 16 अक्टूबर को आयोजित करने की योजना है, हालांकि अंतिम तारीख पर प्रधानमंत्री कार्यालय की मंजूरी अभी बाकी है। इसके बावजूद आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

डोम में होंगे 13 महान विभूतियों के चित्र: विद्या प्रतिष्ठान के डोम में गौतम बुद्ध की प्रतिमा के साथ महात्मा गांधी, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, छत्रपति शाहू महाराज सहित 13 महान विभूतियों के चित्र भी लगाए जा रहे हैं। शरद पवार ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और बताया गया है कि वह स्वयं प्रधानमंत्री को आमंत्रण पत्र सौंपने के लिए दिल्ली भी जाएंगे।

विलय की अटकलों पर लगाया विराम

बारामती में पत्रकारों से बातचीत के दौरान शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के विलय की संभावना को सिरे से नकार दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोनों दलों के एक होने का कोई संबंध नहीं है। उनके इस बयान को पिछले कुछ दिनों से चल रही अटकलों पर सीधा जवाब माना जा रहा है।

मुलाकातों के बाद तेज हुई थीं चर्चाएं

हाल के दिनों में शरद पवार की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात, पार्थ पवार और प्रफुल पटेल की उनसे भेंट तथा दोनों गुटों के नेताओं की केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात के बाद विलय और एनडीए में शामिल होने की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब एक तरफ विलय से साफ इनकार और दूसरी तरफ प्रधानमंत्री को बारामती बुलाने की पहल ने बड़े पवार की राजनीतिक रणनीति को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

पीएम मोदी ने गुरु पूर्णिमा की बधाई दी, लिखा- गुरु ज्ञान के साथ ही सुसंस्कारों से सुशिक्षित करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बुधवार को सुभाषित शेयर किया है। उन्होंने देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'गुरु पूर्णिमा की सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। गुरु ज्ञान के साथ ही अपने शिष्यों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर उन्हें सुविचार और सुसंस्कारों से सुशिक्षित करते हैं। आइए, उनके आदर्शों को अपने जीवन का संबल बनाएं।' पीएम की ओर से सोशल मीडिया पर एक श्लोक, 'प्रेरकः सूचकश्चैव वाचको दर्शकस्तथा। शिक्षकः बोधकश्चैव षडेते गुरवः स्मृताः॥' भी साझा किया गया है। जिसका हिंदी अर्थ है कि जो जीवन में प्रेरणा का संचार करे, सही दिशा का संकेत दे, ज्ञान और सत्य का उपदेश करे, उचित मार्ग दिखाए, शिक्षा प्रदान करे तथा जीवन में सत्य का बोध कराकर आत्मविकास का मार्ग प्रशस्त करे, ये गुरु के छह स्वरूप बताए गए हैं।

बीते दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा गया था, 'प्रकृति के संरक्षण और सम्मान में ही मानवता का कल्याण निहित है। हमारी परंपरा भी हमें इसी धर्मसम्मत आचरण की प्रेरणा देती है।' उन्होंने संस्कृत श्लोक, 'लोकपालाश्च ते सर्वे वासवप्रमुखास्तथा। ऋतवः षट् च ते सर्वे मासाः संवत्सराः क्षपाः॥ दिनानि च मुहूर्ताश्च स्वस्ति कुर्वन्तु ते सदा। श्रुतिः स्मृतिश्च धर्मश्च पातु त्वां पुत्र सर्वतः॥' भी साझा किया था।

जिसका हिंदी अर्थ है कि प्रकृति और धर्म के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन ही सुख, सुरक्षा और मंगल का आधार है। अतः दिशाओं के रक्षक देवता, इंद्र आदि प्रमुख देवगण, छह ऋतुएं, सभी मास, वर्ष, रात्रियां, दिन और शुभ मुहूर्त सदैव कल्याणकारी हों। वेद, स्मृतियां और धर्म भी सभी प्रकार से सर्वत्र सबकी रक्षा करें।

सोमवार को प्रधानमंत्री की ओर से 'एक्स' पोस्ट में संस्कृत श्लोक, शीलवान् पूजितो लोके, शीलवान् साधुसम्मतः। शीलवान् सर्वकर्मार्हः, शीलवान् प्रियदर्शनः॥ शेयर किया गया था।

जिसका हिंदी अर्थ है, 'सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है। उत्तम चरित्र से युक्त व्यक्ति अपने सत्यनिष्ठा, विनम्र, और मर्यादित आचरण के कारण प्रत्येक उत्तरदायित्व के योग्य माना जाता है; उसका व्यक्तित्व सभी के लिए आकर्षक और अनुकरणीय होता है। वास्तव में, सफलता, प्रभावी नेतृत्व, और अटूट विश्वास का वास्तविक आधार उत्तम चरित्र ही है। '

राजनीतिक हितों के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती सरकार: सीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि सरकार अपने राजनीतिक हितों के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती और न ही अदालत के आदेशों को अपने फायदे के लिए हथियार की तरह प्रयोग किया जाना चाहिए। सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'प्रदर्शनकारियों के संबंध में देश के सामने एक स्पष्ट सार्वजनिक वादा किया गया था, जिसका सम्मान होना चाहिए। सरकार को शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस लेनी चाहिए और अपने आश्वासनों पर अमल करना चाहिए।' सीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि यदि कोई वास्तविक अपराधी खुलेआम घूम रहा है तो पुलिस को उसके पुराने मामलों में कानूनी प्रक्रिया के तहत जमानत रद्द कराने के लिए अदालत का रुख करना चाहिए। ऐसे मामलों में यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि संबंधित व्यक्ति अब तक बिना किसी कार्रवाई के कैसे घूम रहा था।

जंतर-मंतर वाले बयान पर महबूबा मुफ्ती का यू-टर्न

कश्मीर के लोगों से मांगी माफी; कहा- अनजाने में छूटे अहम शब्द

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग वाली अपनी टिप्पणी के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों से माफी मांगी। उन्होंने माना कि मीडिया से बात करते समय अनजाने में उनसे एक महत्वपूर्ण वाक्यांश छूट गया था। मुफ्ती ने कहा कि जब वह केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री के तौर पर उमर अब्दुल्ला के कार्यकाल का जिक्र कर रही थीं, तो उनका मकसद कश्मीर में सुरक्षा बलों की कार्रवाई का बचाव करने के बारे में एक खास बात कहना था। हालांकि, उन्होंने माना कि बयान देते समय अनजाने में उनसे ये शब्द छूट गए थे, 'सुरक्षा बलों को बनाए रखने का बहाना बनता है।' पीडीपी प्रमुख ने माना कि इन शब्दों के छूटने से उनकी बात का संदर्भ बदल गया और उन्होंने इस गलती की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि मैं इस गलती के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों से माफी मांगती हूं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए जंतर-मंतर वाले उनके बयान के वीडियो क्लिप से जुड़े विवाद पर महबूबा मुफ्ती ने उन दावों को खारिज कर दिया कि फुटेज के साथ छेड़छाड़ की गई थी या उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके बनाया गया था। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो असली और सही है। उन्होंने साफ किया कि विवाद इसलिए हुआ क्योंकि पत्रकारों से बातचीत के दौरान अनजाने में उनसे एक वाक्यांश छूट गया था।

रेलवे में मिशन मोड पर भर्ती, 12 वर्षों में 5.56 लाख नियुक्तियां

2024-25 के भर्ती चक्र में करीब 4.5 करोड़ अभ्यर्थियों ने दी कंप्यूटर आधारित परीक्षा, 150 से अधिक शहरों में 15 भाषाओं में आयोजित हुए एग्जाम

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रेल में मानव संसाधन को मजबूत करने के लिए मिशन मोड में भर्ती प्रक्रिया जारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, वर्ष 2014-15 से जून 2026 तक भारतीय रेलवे में 5.56 लाख नियुक्तियां की गई हैं। इनमें दक्षिण रेलवे की 50,485 नियुक्तियां भी शामिल हैं। इसके मुकाबले 2004-05 से 2013-14 के बीच रेलवे में 4.11 लाख भर्तियां हुई थीं। रेल मंत्रालय के अनुसार, रेलवे जैसे विशाल संगठन में कर्मचारियों की नियुक्ति एक सतत प्रक्रिया है। परिचालन की जरूरत, नई तकनीक, मशीनीकरण और बदलती कार्यप्रणाली के अनुसार पर्याप्त और उपयुक्त मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाता है। रिक्तियों को भरने के लिए रेलवे की जरूरत के आधार पर भर्ती एजेंसियों को मांग भेजी जाती है। रेल मंत्रालय ने भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए वर्ष 2024 से विभिन्न गैर-राजपत्रित ग्रुप 'सी' पदों के लिए वार्षिक भर्ती कैलेंडर शुरू किया है। इससे अभ्यर्थियों को हर साल भर्ती के अधिक अवसर, पात्र होने पर परीक्षा देने का भरोसा, परीक्षा की निश्चितता और भर्ती, प्रशिक्षण व नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी का लाभ मिल रहा है। वर्तमान में वार्षिक भर्ती कैलेंडर 2024, 2025 और 2026 के तहत रेलवे में गैर-राजपत्रित पदों की 1,61,889 रिक्तियों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इनमें दक्षिण रेलवे की 11,387 रिक्तियां भी शामिल हैं। वर्ष 2024 के दौरान 10 केंद्रीयकृत रोजगार अधिसूचनाओं (CEN) के माध्यम से 92,116 पदों पर भर्ती निकाली गई। इनमें असिस्टेंट लोको पायलट, टेक्नीशियन, जूनियर इंजीनियर, आरपीएफ सब-इंस्पेक्टर और कांस्टेबल, पैरामेडिकल स्टाफ, नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी, मिनिस्ट्रियल एवं आइसोलेटेड कैटेगरी तथा लेवल-1 के पद शामिल थे। इन पदों के लिए आयोजित प्रथम चरण/सिंगल स्टेज कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं (CBT) में कुल 3.58 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया। परीक्षाएं देशभर के करीब 140 से अधिक शहरों में 15 भाषाओं में आयोजित की गईं। दूसरे चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं में भी 5.57 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। वहीं कंप्यूटर आधारित एप्टीट्यूड टेस्ट और स्किल टेस्ट में करीब 1.90 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। वार्षिक भर्ती कैलेंडर 2025 के तहत रेलवे ने नौ केंद्रीयकृत रोजगार अधिसूचनाओं के जरिए 51,970 रिक्तियों की घोषणा की। इनमें 3,412 पद दक्षिण रेलवे के लिए थे। इन पदों में असिस्टेंट लोको पायलट के 10,970, टेक्नीशियन के 6,238, पैरामेडिकल के 434, सेक्शन कंट्रोलर के 368, जूनियर इंजीनियर के 2,585 और लेवल-1 के 22,195 पद शामिल हैं। इनमें से 29,775 पदों के लिए प्रथम चरण/सिंगल स्टेज CBT पूरा हो चुका है, जिसमें 90.96 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। वहीं दूसरे चरण की CBT में 1.26 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। वर्ष 2026 के वार्षिक भर्ती कैलेंडर के तहत अब तक तीन केंद्रीयकृत रोजगार अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। इनके माध्यम से कुल 17,803 पदों पर भर्ती की जा रही है। इनमें 11,127 असिस्टेंट लोको पायलट, 6,557 टेक्नीशियन और 119 सेक्शन कंट्रोलर के पद शामिल हैं। दक्षिण रेलवे के लिए इनमें 1,048 पद हैं।

वित्त वर्ष 2026-27 में 30 जून 2026 तक विभिन्न पदों के लिए 3,300 से अधिक अभ्यर्थियों के पैनल को अंतिम रूप दिया जा चुका है। इनमें टेक्नीशियन, जूनियर इंजीनियर, पैरामेडिकल, मिनिस्ट्रियल एवं आइसोलेटेड कैटेगरी और असिस्टेंट लोको पायलट जैसे पद शामिल हैं। इनमें अधिकांश पद रेलवे की सुरक्षा से सीधे जुड़े हैं। रेल मंत्रालय का कहना है कि भर्ती परीक्षाएं बड़े पैमाने पर संसाधनों, कर्मचारियों और प्रशिक्षण की मांग करती हैं। इसके बावजूद रेलवे ने भर्ती परीक्षाओं को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार पारदर्शी तरीके से आयोजित किया है।

रेलवे भर्ती परीक्षाओं को देशभर के अभ्यर्थियों के लिए अधिक सुलभ बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं 150 से अधिक शहरों और 15 भाषाओं में आयोजित की जा रही हैं। इससे अलग-अलग राज्यों और भाषाई क्षेत्रों के उम्मीदवारों को अपने नजदीकी केंद्र पर परीक्षा देने तथा अपनी सुविधा की भाषा में परीक्षा देने का अवसर मिल रहा है। रेलवे के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में तकनीक और वार्षिक कैलेंडर के इस्तेमाल से न केवल रिक्तियों को समयबद्ध तरीके से भरने में मदद मिल रही है, बल्कि रेलवे के परिचालन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए जरूरी मानव संसाधन भी तेजी से उपलब्ध कराया जा रहा है।

1 करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा गिरफ्तार, झारखंड में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी, 2 दशकों से था फरार

रांची, एजेंसी। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को इस साल की सबसे बड़ी कामयाबी मिली है। भाकपा (माओवादी) संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा को उसके दो प्रमुख सहयोगियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। सुरक्षा एजेंसियां इसे राज्य में माओवादियों के खिलाफ चल रहे अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक मान रही हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कोबरा बटालियन ने खुफिया सूचना के आधार पर मंगलवार देर रात धनबाद और गिरिडीह जिले के सीमावर्ती इलाके में संयुक्त अभियान चलाकर मिसिर बेसरा को दबोचा।

उसके साथ 15 लाख रुपए के इनामी माओवादी संगठन के रीजनल कमेटी सदस्य मेहनत उर्फ मोछू उर्फ विभीषण मुर्मू और गौरव उर्फ सौरभ को भी गिरफ्तार किया गया।

16 माओवादी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण : अभियान के दौरान दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी के पहले मंगलवार को रांची में 16 माओवादी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। आत्मसमर्पण करने वालों में मिसिर बेसरा का करीबी अंगरक्षक देवान मुर्मू उर्फ शनिचरवा भी शामिल था। सुरक्षा एजेंसियों को उससे मिसिर बेसरा की गतिविधियों और संभावित ठिकाने की महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके आधार पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर, उर्फ सुनिर्मल, उर्फ सागर, गिरिडीह जिले के पीरटांड़ क्षेत्र का रहने वाला है। वह करीब चार दशक पहले माओवादी संगठन से जुड़ा था और बाद में संगठन के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले पोलित ब्यूरो का सदस्य बना।

हरपाल का हठयोग! घुटनों के बल गंगाजल लेने हरिद्वार पहुंचा कांवड़िया, 2400 किमी चलकर पशुपतिनाथ में करेंगे जलाभिषेक

हरिद्वार, एजेंसी। 30 जुलाई से कांवड़ मेले की विधिवत शुरुआत होगी, लेकिन उससे पहले ही बड़ी संख्या में कांवड़िए गंगा जल लेने हरिद्वार पहुंच रहे हैं. भगवान शिव में आस्था रखने वाले कांवड़ियों की भक्ति के अलग-अलग रंग भी देखने को मिल रहे हैं. मेरठ के रहने वाले 53 वर्षीय हरपाल नाथ रामराज घुटनों के बल कांवड़ लेकर हरिद्वार पहुंचे, जिसकी हर तरफ चर्चा की जा रही है. हरपाल नाथ हरिद्वार से गंगाजल लेकर नेपाल पहुंचेंगे और उनकी मनोकामना, नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में जलाभिषेक के बाद ही पूरी होगी. हालांकि उनकी कोई खास मनोकामना तो नहीं है लेकिन वो भगवान शिव के परम भक्त हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए कठिन कांवड़ यात्रा पर निकले हैं. गंगाजल लेकर वो हरिद्वार से रवाना हो गए हैं.दरअसल, सावन का कांवड़ मेला है और इसमें कोई खड़ी कांवड़ लेकर जा रहा है तो कोई लेटी कांवड़ लेकर जा रहा है. कोई मटकों में सैकड़ों लीटर जल भरकर जा रहा है. इन सबके बीच एक अनोखी कांवड़ भी हरिद्वार पहुंची, जिसे एक 53 वर्षीय व्यक्ति घुटनों के बल चलकर लेकर जा रहा है. यह व्यक्ति है हरपाल नाथ रामराज जो मेरठ का रहने वाले हैं और ये हरिद्वार से गंगाजल लेकर पशुपतिनाथ मंदिर (नेपाल) तक घुटनों के बल ही

गंगाजल लेकर जाएगा. करीब 2400 किलोमीटर की ये यात्रा हरपाल 411 दिन में पूरी करेंगे और यह उनकी तीसरी कांवड़ यात्रा है. इससे पहले वह हरिद्वार से सोनभद्र तक की 1800 किलोमीटर की यात्रा भी कर चुके हैं.

पांच वर्षों में सीबीएसई स्कूल हिमाचल के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में होंगे शामिल- मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला, एजेंसी। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि, प्रदेश में सीबीएसई से संबद्ध सरकारी विद्यालय आगामी पांच वर्षों में राज्य के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों के रूप में उभरेंगे. शिमला स्थित एक स्कूल के स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करना है. इसी दृष्टिकोण के तहत सरकारी विद्यालयों में पहली कक्षा से अंग्रेजी मीडियम शुरू किया गया है और 156 सरकारी विद्यालयों को सीबीएसई से संबद्ध किया गया है. इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और सरकारी विद्यालयों में 24,000 से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ा है.

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि, 'हिमाचल प्रदेश शिक्षा के आदर्श केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है, क्योंकि यहां के शैक्षणिक वातावरण में विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए श्रेष्ठ अवसर प्राप्त हो रहे हैं. छात्र केवल सफलता प्राप्त करने का लक्ष्य न रखें, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करें जो समाज में सार्थक परिवर्तन ला सके. विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज, प्रदेश और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देना चाहिए, यही हमारा ध्येय होना चाहिए. शिक्षा की मजबूत नींव पर प्रगतिशील समाज का निर्माण होता है. इसी संकल्पना के साथ वर्तमान राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है. '

'हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के लिए आदर्श वातावरण': सीएम ने कहा कि, यह गर्व का विषय है कि हिमाचल प्रदेश ने 99.30 फीसदी साक्षरता दर के साथ पूर्ण साक्षर राज्य बनने का ऐतिहासिक गौरव प्राप्त किया है. यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है. विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है. शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण सुधार किए हैं.

'प्रदेश के बच्चों में पढ़ने की सर्वश्रेष्ठ क्षमता': मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने कहा कि, असर रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल प्रदेश के बच्चों ने देश में पढ़ने की सर्वश्रेष्ठ क्षमता का प्रदर्शन किया है.

रेल सुरक्षा को मिली बड़ी मजबूती, 2026-27 में अब तक सिर्फ 2 बड़ी ट्रेन दुर्घटनाएं

कवच 4.0 का 2,569 रूट किलोमीटर पर सफल संचालन, दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे व्यस्त मार्ग भी शामिल

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रेल में तकनीकी सुधार, बेहतर रखरखाव और आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों के व्यापक इस्तेमाल से ट्रेन दुर्घटनाओं में लगातार कमी आई है। रेलवे के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में जून 2026 तक देश में केवल 2 परिणामी ट्रेन दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। वर्ष 2014-15 में यह संख्या 135 थी, जो 2025-26 में घटकर 16 रह गई। इस तरह 2014-15 की तुलना में 2025-26 में दुर्घटनाओं में करीब 88 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। रेल सुरक्षा के क्षेत्र में कवच 4.0 को भी महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। व्यापक परीक्षणों के बाद 20 जुलाई 2026 तक कवच 4.0 को 2,569 रूट किलोमीटर पर सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। इसमें दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा के उच्च घनत्व वाले रेल मार्ग शामिल हैं। दिल्ली-मुंबई मार्ग पर 1,423 किलोमीटर और दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर 1,146 किलोमीटर में कवच 4.0 का संचालन शुरू हो चुका है।

रेल परिचालन में सुरक्षा सुधार का एक महत्वपूर्ण संकेतक परिणामी दुर्घटना सूचकांक है। वर्ष 2014-15 में यह सूचकांक 0.11 था, जो 2025-26 में घटकर 0.01 रह गया। यानी इसमें करीब 91 प्रतिशत की कमी आई है। यह सूचकांक ट्रेनों के कुल परिचालन किलोमीटर के अनुपात में परिणामी दुर्घटनाओं को दर्शाता है। रेलवे ने सुरक्षा संबंधी गतिविधियों पर खर्च में भी लगातार वृद्धि की है। वर्ष 2013-14 में सुरक्षा संबंधी गतिविधियों के लिए 39,200 करोड़ रुपये खर्च/बजट का प्रावधान था, जो 2025-26 में बढ़कर 1,17,693 करोड़ रुपये और 2026-27 में 1,20,389 करोड़ रुपये हो गया है। मानवीय त्रुटियों से होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने के लिए 30 जून 2026 तक 6,671 स्टेशनों पर इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाए जा चुके हैं। इसके अलावा 10,395 लेवल क्रॉसिंग गेटों पर इंटरलॉकिंग की व्यवस्था की गई है। 6,671 स्टेशनों पर ट्रैक सर्किटिंग भी उपलब्ध कराई गई है। रेलवे द्वारा ट्रैक की सुरक्षा के लिए उच्च गुणवत्ता वाली रेल, प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर, आधुनिक फास्टनिंग और आधुनिक टर्नआउट का इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रैक बिछाने और नवीनीकरण में पीक्यूआरएस, टीआरटी और टी-28 जैसी मशीनों के इस्तेमाल से मानवीय त्रुटियों को कम किया जा रहा है। पटरियों और वेल्ड में खामियों की पहचान के लिए अल्ट्रासोनिक दोष पहचान (यूएसएफडी) परीक्षण किए जा रहे हैं। इसके अलावा ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम और ट्रैक रिकॉर्डिंग कार के जरिए पटरियों की निगरानी की जा रही है। रेलों में दरार और वेल्ड की खराबी का पता लगाने के लिए नियमित गश्त और जांच की जाती है। इन प्रयासों का असर भी सामने आया है।

वर्ष 2013-14 में जहां 3,699 वेल्ड विफलताएं दर्ज हुई थीं, वहीं 2025-26 में यह संख्या घटकर 272 रह गई। इसी तरह रेल पटरियों में दरार के मामले 2,548 से घटकर 208 रह गए। रेल सुरक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि यह भी है कि ब्रॉड गेज मार्गों पर सभी मानवरहित लेवल क्रॉसिंग को जनवरी 2019 तक समाप्त कर दिया गया। वर्ष 2014 में जहां ऐसी 8,948 क्रॉसिंग थीं, वहीं अब इनकी संख्या शून्य है। रेलवे पुलों का नियमित निरीक्षण किया जाता है और निरीक्षण में सामने आने वाली स्थिति के आधार पर उनकी मरम्मत एवं पुनर्वास का कार्य किया जाता है। पारंपरिक आईसीएफ डिजाइन के कोचों की जगह एलएचबी डिजाइन के कोचों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। कवच भारत में विकसित स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है। यह लोको पायलट को निर्धारित गति सीमा के भीतर ट्रेन चलाने में सहायता करती है और आवश्यकता पड़ने पर स्वतः ब्रेक लगाकर ट्रेन को सुरक्षित करने में सक्षम है। खराब मौसम में भी यह ट्रेन संचालन को अधिक सुरक्षित बनाने में मदद करती है। कवच 4.0 में स्थान की सटीकता बढ़ाने, बड़े यार्ड में सिग्नल की बेहतर जानकारी, स्टेशन-टू-स्टेशन कवच इंटरफेस और मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ सीधे इंटरफेस जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं। वर्तमान में भारतीय रेल के विभिन्न हिस्सों में 21,858 रूट किलोमीटर पर ट्रैक किनारे कवच लगाने का काम शुरू किया गया है। इसके अलावा 7,327 लोकोमोटिव और 1,200 ईएमयू/एमईएमयू में भी कवच लगाने का कार्य शुरू हो चुका है। कवच परियोजनाओं के तहत अब तक 11,253 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल, 1,668 दूरसंचार टावर और 988 स्टेशन डेटा सेंटर तैयार किए जा चुके हैं। 7,726 रूट किलोमीटर में ट्रैक किनारे उपकरण लगाए गए हैं। कवच तकनीक के सफल संचालन के लिए रेलवे के केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अब तक 94,000 से अधिक तकनीशियनों, ऑपरेटरों और इंजीनियरों को कवच तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

नीट 2026 विवाद के बाद शिक्षा व्यवस्था में सुधार की चुनौती

जरूरत इस बात की है कि न केवल परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने, बल्कि व्यापक शैक्षिक सुधारों के प्रति ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ सरकार कदम आगे बढ़ाए। एक स्वस्थ लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि अगर किसी मसले पर सरकार के रुख की वजह से जनता के बीच असंतोष और विरोध की भावना बढ़ रही हो, तो सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। इस लिहाज से देखें तो पिछले कुछ समय से नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मसले पर लोगों के भीतर उभरे व्यापक क्षोभ और विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आखिर इस्तीफा देना लोकतांत्रिक परंपरा की ही अगली कड़ी है। हालांकि सरकार ने अगर इस संबंध में समय रहते ठोस फैसला किया होता और जनता के बीच स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की होती, तो शायद लोगों के बीच आक्रोश का दायरा इतना नहीं फैलता, जिसने सरकार की मंशा पर गहरे सवाल उठाए।प्रश्नपत्र लीक होने की घटना के उजागर होने के बाद से ही समूचा सरकारी तंत्र एक तरह से कठघरे में खड़ा था और लोगों ने सरकार से जिम्मेदारी तय करने के साथ-साथ ठोस कार्रवाई की मांग की थी। मगर सरकार ने इस मसले पर तब तक उपेक्षा और उदासीनता का रुख अपनाए रखा, जब तक काकरोच जनता पार्टी के आह्वान के बाद दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में इस मुद्दे पर व्यापक जनांदोलन नहीं खड़ा हो गया।विचित्र यह भी है कि प्रश्नपत्र लीक होने की घटना की गंभीरता और उस पर लोगों के बीच पसरते आक्रोश की तीव्रता का अंदाजा होने के बावजूद सरकार ने न तो ठोस कार्रवाई करने का संकेत दिया और न ही आंदोलन के लिए सड़क पर उतरे विद्यार्थियों से संवाद कायम करने की कोशिश की। इसके उलट जंतर मंतर पर जमे प्रदर्शनकारियों ने जब 'संसद मार्च' के आह्वान के जरिए अपनी मांग और आवाज को आगे बढ़ाना चाहा, तो उन्हें रोकने के लिए सरकार ने एक तरह पुलिस को खुला छोड़ दिया गया। नतीजतन, पुलिस ने हर मानवीय तकाजे को ताक पर रख कर प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और बेरहमी से लाठीचार्ज किया।सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों को चोट पहुंचाने वाला था। इसी के बाद न केवल दिल्ली में, बल्कि देश के कई राज्यों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। यह एक तरह से इस समूचे मुद्दे पर सरकार के अपरिपक्व रवैये का सबूत था, जिसके तहत आंदोलनकारियों से संवाद करके समस्या का समाधान निकालने के बजाय बल प्रयोग के जरिए उनका दमन करने की कोशिश की गई।जाहिर है, सरकार का यह रुख एक और अलोकतांत्रिक तथा गैरजिम्मेदार कदम के रूप में देखा गया और सवाल उठे कि क्या इस तरह असहमत होने और विरोध करने के संवैधानिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है। जबकि विद्यार्थियों के असंतोष की अभिव्यक्ति दरअसल लंबे समय से इस मसले पर सरकार की उदासीनता और बार-बार परीक्षाओं के आयोजन में गड़बड़ी से लेकर समावेशी शिक्षा के सिद्धांत की अनदेखी से उपजी स्थिति थी।अब देर से सही, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा आना जिम्मेदारी तय किए जाने की प्रक्रिया का एक उदाहरण है। इसके बाद अब शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी प्रल्हाद जोशी को सौंपी गई है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि न केवल परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने, बल्कि व्यापक शैक्षिक सुधारों के प्रति ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ सरकार कदम आगे बढ़ाए। इसके अलावा, आंदोलन और विरोध प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का स्वाभाविक हिस्सा मानते हुए सरकार अब आगे परीक्षाओं के आयोजन में सभी स्तर पर शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के मामले में कोई समझौता न करे।

कृषि का जीडीपी में योगदान लगभग सोलह फीसद है, जबकि करीब 46 फीसद आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। इसी कारण भारतीय किसान गरीब हैं। इसके अलावा अधिकांश किसान छोटे और सीमांत हैं, वे पहले से ही बढ़ती लागत, सिंचाई, उर्वरक, बीज, मौसम और बाजार की अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि मात्र छह फीसद किसान ही अपनी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच पाते हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता- क्या पांच सौ अरब डॉलर के लक्ष्य की कीमत भारतीय किसान चुकाएंगे?

(पीएस वोहरा)

तीन कृषि कानूनों को लेकर आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया था कि कृषि से जुड़े निर्णय किसानों का विश्वास जीतकर ही सफल हो सकते हैं। सरकार का पहला दायित्व है कि वह पूर्ण पारदर्शिता अपनाए, किसानों को विश्वास में ले और यह स्पष्ट करे कि भारतीय कृषि हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। देश का किसान एक बार फिर चिंता में है। तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध लगभग डेढ़ वर्ष तक चले ऐतिहासिक आंदोलन के बाद यह उम्मीद जगी थी कि सरकार और किसानों के बीच विश्वास का नया अध्याय शुरू होगा। मगर आज भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर हो रही चर्चा और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत से व्यापार को पांच सौ अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य ने देश के किसानों की आशंकाओं को फिर से जिंदा कर दिया है। प्रश्न सीधा है- यदि इस विशाल व्यापारिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत के कृषि और डेयरी बाजार में रियायतें दी जाती हैं, तो क्या इसकी सबसे बड़ी कीमत किसानों को चुकानी पड़ेगी? अमेरिका की महत्त्वाकांक्षा भारत और अमेरिका के बीच पिछले कई महीनों से अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। दोनों देशों के अधिकारियों के सार्वजनिक बयानों और विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अधिकांश मुद्दों पर सहमति बनने की दिशा में प्रगति हुई है। दरअसल, बीते फरवरी में अंतरिम समझौते के तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के अमेरिका से आयात को आगामी कुछ वर्षों में पांच सौ अरब डॉलर तक पहुंचाने की महत्त्वाकांक्षा सार्वजनिक रूप से व्यक्त की थी। वर्तमान में अमेरिका से भारत का आयात लगभग 45-50 अरब डॉलर के आसपास है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि व्यापार को कई गुना बढ़ाना है, तो अमेरिका किन क्षेत्रों के लिए भारत से उसका बाजार खुलवाना चाहता है? इस प्रश्न का उत्तर कृषि और डेयरी क्षेत्र की ओर संकेत करता है। अब तक भारत ने इन दोनों क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए संरक्षणात्मक उपाय अपनाए हुए हैं। यही नीति देश के करोड़ों किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हितों की रक्षा का आधार रही है। मगर व्यापार वार्ताओं से जुड़ी सार्वजनिक चर्चाओं और रिपोर्टों में संकेत मिले हैं कि इन क्षेत्रों में अमेरिका के लिए विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो अमेरिकी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में प्रवेश कर जाएंगे और यहां के घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा के कारण स्थानीय किसानों के हित प्रभावित होना तय माना जा रहा है। अमेरिका की कृषि व्यवस्था पूंजी-प्रधान और अत्यधिक संरक्षित कृषि व्यवस्थाओं में गिनी जाती है। वहां कृषि का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान एक फीसद से भी कम है और कृषि पर निर्भर आबादी भी बहुत सीमित है। एक सच्चाई यह भी है कि अमेरिकी सरकार अपने किसानों को हर वर्ष अरबों डॉलर की सबसिडी और वित्तीय सहायता देती है। वर्तमान में यह राशि करीब तीस अरब डॉलर है। अब ट्रंप सरकार इस पर मुनाफा चाहती है और अपने कृषि निर्यात पर ध्यान केंद्रित कर रही है। यही कारण है कि ट्रंप बार-बार भारत-अमेरिका व्यापार को तेज गति से बढ़ाने की बात कर रहे हैं। मगर, इतना बड़ा व्यापारिक लक्ष्य तभी व्यावहारिक होगा, जब भारत जैसे विशाल उपभोक्ता बाजार में अमेरिकी कृषि एवं डेयरी उत्पादों की पहुंच बढ़ेगी। इसलिए यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि प्रस्तावित व्यापार समझौते के पीछे अमेरिकी कृषि उत्पादों के निर्यात को भारत के विशाल बाजार तक पहुंचाने का उद्देश्य मुनाफे की रणनीति हो सकती है। इसके विपरीत भारत की वास्तविकता बिल्कुल अलग है। यहां कृषि का जीडीपी में योगदान लगभग सोलह फीसद है, जबकि करीब 46 फीसद आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। इसी कारण भारतीय किसान गरीब हैं। इसके अलावा अधिकांश किसान छोटे और सीमांत हैं, वे पहले से ही बढ़ती लागत, सिंचाई, उर्वरक, बीज, मौसम और बाजार की अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि मात्र छह फीसद किसान ही अपनी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच पाते हैं। शेष को तो अपनी उपज खुले बाजार में अपेक्षाकृत कम कीमतों पर बेचनी पड़ती है। ऐसी स्थिति में यदि अत्यधिक प्रतिस्पर्धी, आधुनिक तकनीक से लैस और सरकारी सहायता प्राप्त अमेरिकी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में प्रवेश करते हैं, तो यहां के किसानों की आय पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। यह केवल मूल्य प्रतिस्पर्धा का प्रश्न नहीं होगा, बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि आधारित उद्योगों के भविष्य का सवाल बन जाएगा। इसका प्रभाव खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, डेयरी सहकारी संस्थाओं, ग्रामीण व्यापार, परिवहन तथा लाखों छोटे व्यवसायों तक पहुंच सकता है। इसलिए कृषि और डेयरी से जुड़े किसी भी निर्णय का मूल्यांकन केवल व्यापारिक लाभ या आयात-निर्यात के आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर यह प्रतिस्पर्धा किसके बीच होगी? एक ओर विश्व की सबसे समृद्ध अर्थव्यवस्था अमेरिका है, जहां के किसानों को व्यापक सरकारी संरक्षण और अरबों डॉलर की सबसिडी प्राप्त है। दूसरी ओर भारत है, जहां करोड़ों छोटे और गरीब किसान खेती को अपनी आजीविका का एकमात्र आधार मानते हैं। ऐसे में दुनिया की सबसे संपन्न कृषि व्यवस्था और कमजोर किसानों के बीच प्रतिस्पर्धा कराना न तो आर्थिक न्याय है और न ही दूरदर्शी नीति। यदि भारतीय किसान आर्थिक रूप से समृद्ध होते, तो उनकी आय स्थिर होती और वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होते, तब मुक्त व्यापार का तर्क स्वीकार किया जा सकता था। मगर जब भारतीय किसान स्वयं लागत और आय के संकट से जूझ रहा हो, तब उसे दुनिया की सबसे अधिक सबसिडी प्राप्त कृषि व्यवस्था के सामने खड़ा कर देने को न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। भारत पहले ही विनिर्माण क्षेत्र में ऐसी असंतुलित प्रतिस्पर्धा का अनुभव कर चुका है। वर्षों से चीन के सस्ते उत्पादों ने भारतीय बाजार में गहरी पैठ बनाई है। परिणामस्वरूप अनेक घरेलू उद्योग कमजोर पड़ गए, कई सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम विनिर्माण इकाइयां संघर्ष करती रहीं और 'मेक इन इंडिया' जैसी महत्त्वाकांक्षी पहल के बावजूद भारत अभी तक अपेक्षित औद्योगिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए प्रयासरत है। जब विनिर्माण क्षेत्र में चीन के साथ असंतुलित प्रतिस्पर्धा के दुष्परिणामों से हम आज तक पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं, तो क्या वही गलती अब कृषि और डेयरी जैसे कहीं अधिक संवेदनशील क्षेत्रों में अमेरिका के साथ दोहराई जानी चाहिए? तीन कृषि कानूनों को लेकर आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया था कि कृषि से जुड़े निर्णय किसानों का विश्वास जीतकर ही सफल हो सकते हैं। सरकार का पहला दायित्व है कि वह पूर्ण पारदर्शिता अपनाए, किसानों को विश्वास में ले और यह स्पष्ट करे कि भारतीय कृषि हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। भारत को अमेरिका के साथ व्यापार अवश्य बढ़ाना चाहिए, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका भी लगातार मजबूत होनी चाहिए, मगर किसी भी व्यापार समझौते की सफलता का पैमाना केवल आंकड़ों का लक्ष्य नहीं हो सकता। उससे कहीं बड़ा प्रश्न यह है कि उस लक्ष्य की कीमत कौन चुकाएगा? यदि इसकी कीमत भारत के गरीब किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़े, तो यह केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं होगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा का शाश्वत सियासी संदेश

(कमलेश पांडे)

देखा जाए तो जिस तरह से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा तुरंत स्वीकार कर शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार कर्नाटक मूल के भाजपा नेता प्रह्लाद जोशी को सौंप दिया है, उसके निहितार्थ को भी समझे जाने की जरूरत है। ऐसा इसलिए कि यह सबकुछ अनायास नहीं बल्कि सुनियोजित तरीके से संपन्न हुआ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से कद्दावर ओबीसी नेता धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को केवल भाजपा के एक व्यक्ति का इस्तीफा मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऐसा इसलिए कि वह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नवरत्नों में शुमार किये जाते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्वास भी उन्हें हासिल था। बावजूद इसके भारी जनदबाव के बीच यदि उन्हें इस्तीफा देना पड़ा तो इसे कई स्तरों पर भाजपा/ आरएसएस के राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि लोकतांत्रिक राजनीति में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए जवाबदेही, पारदर्शिता और प्रभावी शासन सबसे महत्वपूर्ण पूंजी हैं। देखा जाए तो जिस तरह से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा तुरंत स्वीकार कर शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार कर्नाटक मूल के भाजपा नेता प्रह्लाद जोशी को सौंप दिया है, उसके निहितार्थ को भी समझे जाने की जरूरत है। ऐसा इसलिए कि यह सबकुछ अनायास नहीं बल्कि सुनियोजित तरीके से संपन्न हुआ। थोड़ी नरमी सीजेपी के आंदोलनकारियों यथा- सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके ने दिखाई और थोड़ी भाजपा सरकार के जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह जैसे सिपहसालार ने। वास्तव में, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भारतीय राजनीति में तीन बड़े संदेश देता है– जवाबदेही, जनदबाव की प्रभावशीलता और शिक्षा-युवा मुद्दों की बढ़ती राजनीतिक अहमियत। लेकिन इसके दीर्घकालिक राजनीतिक प्रभाव इस बात पर निर्भर करेंगे कि सरकार परीक्षा प्रणाली में कितने प्रभावी सुधार करती है और विपक्ष इस मुद्दे को कितनी देर तक राजनीतिक रूप से जीवित रख पाता है। सच कहूं तो 12 वर्षों में पहली बार केंद्र सरकार धर्मसंकट में फंसी थी, इसलिए उसने इंद्रप्रस्थ के इतिहास से सबक लेते हुए धृतराष्ट्र हठ का परित्याग किया और राष्ट्रवादी सूझबूझ प्रदर्शित किया। क्योंकि छात्र आंदोलन और जनदबाव को शांत करना, संसद और विपक्ष के साथ टकराव कम करना, शिक्षा मंत्रालय में नई शुरुआत का संदेश देना और सरकार की व्यापक राजनीतिक छवि को होने वाले नुकसान को सीमित करना, उसका तात्कालिक कर्तव्य समझा गया। जो एक हदतक सही भी है। जानकारों की मानें तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्र आंदोलनों, विपक्ष के दबाव और परीक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवालों के बीच आया है। चूंकि अपने पत्र में धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट कहा कि वे छात्रों का भविष्य प्रभावित नहीं होने देना चाहते और स्थिति का दुरुपयोग न हो, इसलिए उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ा। इस अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम के बारे में राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि किसी बड़े जनदबाव के बाद मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ है, तो यह अनायास नहीं है, बल्कि भाजपा की सोची, समझी व गुनी हुई राजनीति है। इससे भाजपा सहित सभी दलों और सभी सामाजिक समूहों के नेताओं के लिए कुछ स्थायी सीख निकलती है और इसे सभी को समय रहते ही समझना होगा। पहला, सरकार की डैमेज कंट्रोल रणनीति- यदि सरकार को लगा कि विवाद पूरे शासन की छवि पर भारी पड़ रहा है।

आज का राशिफल

मेष

पैसों के मामले में आज आपका दिन काफी स्थिर रहेगा। दिन के शुरुआती हिस्से में उत्साह में आकर कोई भी बड़ा फैसला लेने से बचें। शाम के समय जब चंद्रदेव मकर राशि में जाएंगे, तब अपनी बचत और आगे के निवेश का जायजा लेना बहुत फायदेमंद रहेगा। आपका कोई अटका हुआ पैसा या पुरानी देनदारी आज आगे बढ़ सकती है।

वृष

आज अपने पैसों का सही तरीके से हिसाब लगाने और बजट बनाने का बहुत अच्छा दिन है। छोटी-छोटी पर नियम से की गई बचत आगे चलकर आपको बड़ी सुरक्षा देगी। दूसरों के दबाव में आकर पैसों से जुड़ा कोई फैसला न लें। काम की बारीकियों पर ध्यान देने की आपकी आदत दफ्तर की मुश्किल उलझनों को सुलझा देगी।

मिथुन

आज खुश रहेंगे और जीवन के सुखों का आनंद देंगे। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। बस दूसरों को प्रभावित करने या दिखावे के लिए पैसे खर्च करने से बचें। शाम के समय अपने बजट को सही करने और बार-बार होने वाले खर्चों पर रोक लगाने का प्रयास करें।

तुला

आज पैसों से जुड़े फैसलों में आपकी सोच को बहुत तेज और साफ बनाएंगे। जान-पहचान और बातचीत के जरिए धन लाभ के अच्छे मौके मिल सकते हैं। शाम का समय बीमा, टैक्स और पुरानी आर्थिक जिम्मेदारियों को दोबारा देखने के लिए बढ़िया है। आज आपकी बातचीत ही दफ्तर में आपकी सबसे बड़ी ताकत बनी रहेगी।

वृश्चिक

आज आपकी कमाई धीरे-धीरे और मजबूत होगी। आपकी नियमित आय स्थिर बनी रहेगी। घर-परिवार के लोगों के लिए जज्बाती होकर बहुत ज्यादा पैसे खर्च करने से बचें। शाम का समय अपनों के साथ बैठकर भविष्य की आर्थिक सुरक्षा पर बात करने के लिए बहुत ही उत्तम है। आज काम में आपकी जिम्मेदारी निभाने की कला सबको साफ दिखाई देगी।

धनु

आज आपके पक्के इरादों को और मजबूत बना रहे हैं। इससे आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। शाम के समय चंद्रदेव का गोचर लंबी अवधि के निवेश और बजट को सलीके से लगाने में मदद करेगा। अपने खर्चों को संभालकर रखें और फालतू की सुख-सुविधाओं की चीजों पर बिना वजह पैसे खर्च करने से बचें। दफ्तर में आपकी प्रगति लगातार बनी रहेगी।

कर्क

धन लाभ आज आपको अचानक मिलने के बजाय धीरे-धीरे और नियम से मिलेगा। मीन राशि में वक्री शनिदेव यह सलाह दे रहे हैं कि अपनी पुरानी आर्थिक जिम्मेदारियों को देखें और पुरानी भूलों को सुधारें। बिना कई जगह रेट जांचे कोई बड़ी खरीदारी न करें। आपकी निरंतरता ही आपको बढ़िया फल देगी।

सिंह

आज पैसों को नियम से चलाने और भविष्य की योजना बनाने पर आपका पूरा ध्यान रहेगा। अपने निवेश और बचत को दोबारा देखने के लिए यह बहुत शुभ समय है। बिना वजह कर्ज लेने या किसी से उधार मांगने से पूरी तरह बचें। आपका दफ्तर में आपका भरोसा काफी बढ़ जाएगा। अचानक से आगे बढ़कर काम संभालने के मौके मिल सकते हैं।

कन्या

आज का दिन आपको पैसों के मामलों में बहुत ही संभलकर चलने और पुरानी योजनाओं को जांचने की सलाह दे रहे हैं। आज अपने पुराने बजट, बचत और लंबी अवधि के निवेश का दोबारा जायजा लेने के लिए बहुत ही बढ़िया दिन है।

मकर

आज पैसों के मामलों में सही संतुलन और सूझबूझ की जरूरत रहेगी। दिन के पहले हिस्से में मन ज्यादा खर्च करने का हो सकता है, लेकिन शाम होते-होते आप समझदारी भरे फैसले लेंगे। घर-परिवार से जुड़े कुछ खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए अपने बजट को थोड़ा संभालकर ही चलाएं। आपकी शांत बातचीत से दफ्तर के रिश्ते और काम करने का माहौल बहुत बढ़िया हो जाएगा।

कुंभ

आज जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा, पैसों के मामले में आपका अनुशासन और मजबूत होगा। शाम को चंद्रदेव का मकर राशि में जाना संभलकर चलने और सुरक्षित निवेश करने में मदद करेगा। किसी कम जान-पहचान वाले इंसान के कहने पर जोखिम भरे कामों में पैसे न फंसाएं। परिवार के साथ बैठकर की गई चर्चा से आगे के आर्थिक लक्ष्य साफ होंगे। आपका पक्का इरादा आज दफ्तर की चुनौतियों को दूर करने में मदद करेगा।

मीन

आज पैसों के मामलों में मन में बहुत भरोसा रहेगा। हालांकि, जल्दबाजी में आकर कोई खरीदारी या निवेश करने से बचें। आपका ध्यान अपने आप भविष्य के लिए मजबूत बचत बनाने पर चला जाएगा। दफ्तर में अपनी जिम्मेदारियां बढ़ाने को लेकर आज आप काफी उत्साहित रहेंगे। अगर आप अपने नए विचारों को सही योजना के साथ रखेंगे, तो सबको पसंद आएंगे।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6167

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6166

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

वर्ग पहेली 6167

1	2	3	■	4	5	6	■
7			■	8			■
	■	9			■	10	11
12			■	■	13		
	■	■	14	15		■	
16		17			■	18	
■	■	19		■	20		
21			■	22			■

संकेतः बाएं से दाएं

1. 28 मई 2008 को भारत के इस पडौसी देश ने 240 साला पुरानी राजशाही का अवसान हुआ (3)
4. विश्व में गेंहू की मंडी के नाम से विख्यात विनिपेग नाग इस देश में स्थित है (3)
7. मूल्य, दाम, मोल (3)
8. नापने का मापदंछ, रूप (3)
9. आवरण या अवरोध हटाना, बंधन रहित करना (3)
10. जिसके अवयव पास-पास सट हो, सघन (2)
12. गति, चाल (3)
13. उत्कृष्ट, नितांत, पराकाष्ठात्मक (3)
14. भिन्न अर्थ वाला, अर्थहीन (3)
16. मुख्य लोगों का दरबार (5)
18. आर्द्रता युक्त, अधिक गीला (2)
19. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
20. गुजरात का एक प्रसिद्ध व्यंजन (3)
21. यह लेबनान की राजधानी है (3)
22. यह महर्षि परशुराम का शस्त्र है (3)

ऊपर से नीचे

1. निर्देशक केदार शर्मा ने राकेश रोशन के पिता संगीतकार रोशन को इस फिल्म (1949) में मौका दिया था (6)
2. हथेली को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
3. हमेशा लातें खाने वाला (4)
4. श्रमादि करके धन उपार्जि करना (3)
5. तंदूर में पकाई जाने वाली मोटी खमीरी रोटी (2)
6. पोस्टऑफिस, डाकखाना (4)
11. हिंदुओं के सोलह संस्कारों में से एक जिसमें बालक का नाम रखा या स्थिर किया जाता है (5)
13. पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर (2)
14. प्राकृतिक झील, खाड़ी (3)
15. रक्त वाहिनी नली, रग (2)
17. ईश्वर का दिया हुआ धन आदि (3)
18. टौंस नामक नदी (3)
20. कड़ा, तीक्ष्ण, गधा (2)

वर्ग पहेली 6166 का हल

ज	वा	ह	र	ला	ल	■	स्व
न	ह	र	■	ल	ब	रे	ज
क	■	जा	पा	न	■	व	न
सु	ना	ना	■	पा	व	ती	■
ता	न	■	कि	ल	य	■	बे
■	का	बा	■	न	■	गु	रू
अ	र	ब	■	■	ज	मा	त
र्थ	■	र	घु	नं	द	न	■

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

मनु भाकर कांस्य जीतकर भी पूरी तरह खुश नहीं हैं, खुद किया खुलासा

हांगझोउ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने हांगझोउ में हाल ही में समाप्त हुए आईएसएसएफ विश्व कप की 25

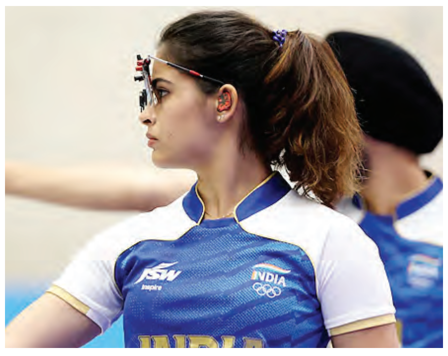

मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बावजूद कहा कि उनके मन में इस प्रदर्शन को लेकर मिली-जुली भावनाएं हैं। इस स्पर्धा में भारत की ईशा सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर देश के लिए शानदार सफलता हासिल की।

मनु अब भी 2026 में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश में हैं। इससे पहले उन्होंने म्यूनिख विश्व कप में सम्राट राणा के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था, जबकि एशियाई चैंपियनशिप में भी टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

'मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी'

विश्व कप में कांस्य पदक जीतने के बाद मनु भाकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा, 'एक और कांस्य पदक। इस पदक को लेकर मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रदर्शन में सुधार कर पाई, लेकिन साथ ही मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी।

ज्ञानेश्वरी की कहानी: गरीबी के बीच रह कर पूरा किया पिता का सपना

नई दिल्ली। एक प्रसिद्ध कहावत है, 'जिसमें कुछ करने का जुनून होता है वह किसी भी परिस्थिति में अपनी राह बना लेता है।' इसी कहावत को सच कर दिखाया है भारतीय वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने। परिवार की आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, कोरोना जैसी महामारी और कई तमाम तरह की परेशानियों का सामना करते हुए ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने सपने को साकार किया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने सोमवार (27 जुलाई) को राष्ट्रमंडल खेलों में 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता और अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक यादव बिजली मिस्त्री हैं, जिन्होंने कभी बॉडी बिल्डर बनने का सपना देखा था लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका सपना अधूरा रह गया। अपनी बेटी के जन्म के साथ ही दीपक ने यह निश्चय कर लिया था कि वह अपनी बेटी को एक स्पोर्ट्सपर्सन ही बनाएंगे। 13 साल की ज्ञानेश्वरी को उनके पिता दीपक ने पहली बार पॉवर लिफ्टिंग से परिचय कराया। ज्ञानेश्वरी के प्रतिभा को देखते हुए दीपक उनको वेटलिफ्टिंग कोच अजय लोहार विश्वकर्मा के पास ले गए, जो इस युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को देखकर तुरंत प्रभावित हो गए।

कम संसाधनों में की कड़ी मेहनत- कोच लोहार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया,'ड्राई लिफ्टिंग के पहले दिन ही उन्होंने 15 किलोग्राम के लकड़ी के तख्ते को आसानी से उठा लिया। मुझे उस एहसास हो गया कि वह एक अच्छी वेटलिफ्टर बनेंगी। उनमें संतुलन और शारीरिक ताकत शुरू से ही अच्छी थी। इसलिए उन्होंने खेल की बुनियाद को जल्दी सीख लिया। वेटलिफ्टिंग के सफर की शुरुआत के साथ ही ज्ञानेश्वरी को संसाधनों की कमी से जुझना पड़ा।

ज्ञानेश्वरी के पिता ने कहा, ज्ञानेश्वरी भीषण गर्मी में बिना पंखे वाले हॉल में अभ्यास किया करती थीं। ज्ञानेश्वरी यादव ने एक दिन के लिए भी अपने अभ्यास में कमी नहीं की। कोरोना महामारी के दौरान जब सब कुछ ठप हो चुका था, ऐसे समय में भी ज्ञानेश्वरी ने बिना संसाधनों के ही अपने अभ्यास को जारी रखा। छह महीने से अधिक तक जिम बंद रहने की वजह से ज्ञानेश्वरी ने घर को ही प्रशिक्षण स्थल बना लिया। पिता दीपक ने सीमेंट की पट्टियां बनाईं और गैस सिलेंडर का इंतजाम किया ताकि वह बिना किसी रुकावट के प्रशिक्षण कर सके।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक ने बताया, 'ज्ञानेश्वरी के जन्म के साथ ही मैंने और उसकी मां दुर्गा ने यह फैसला ले लिया था कि हम उसे खिलाड़ी बनाएंगे। जब उसने रजत पदक जीता तो मुझे खुद को पोडियम पर देखने का मौका मिला। वह 14 साल की उम्र में भी आसानी से बेंच प्रेस कर लिया करती थी। चाहे बारिश हो या गर्मी उसने अभ्यास कभी नहीं छोड़ा। जहां वह प्रशिक्षण करती थी वहां पंखा भी नहीं था।

सीडब्ल्यूजी 2026

पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की जंप

ग्लासगो । भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने सोमवार को पुरुषों की लॉन्ग जंप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.01 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर ने ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को आसानी से पार कर लिया। क्वालीफाइंग 'ग्रुप-ए' में 27 वर्षीय एथलीट को फाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए कम से कम 8.00 मीटर की छलांग लगाने की जरूरत थी। श्रीशंकर ने यह लक्ष्य केवल एक प्रयास में हासिल कर लिया, जिसके बाद उन्होंने अपना क्वालिफिकेशन राउंड समाप्त कर दिया और बुधवार को होने वाले मेडल इवेंट के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखी। केरल के इस एथलीट ने अपने पहले प्रयास से ही 'ग्रुप-ए' में शीर्ष स्थान हासिल किया।

श्रीशंकर मुरली ने हासिल किया फाइनल का टिकट

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

ग्लासगो। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ष्ट्ठ्ठत्न 2026) के छठे दिन भारत के स्टार धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुलवीर ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स की इस स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं। 27 मिनट 49.78 सेकंड में पूरा किया ऐतिहासिक सफर 27 वर्षीय गुलवीर सिंह ने ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार और धैर्य का परिचय देते हुए 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकाला और दूसरा स्थान हासिल किया।

● **गोल्ड मेडल :** ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। ● **सिल्वर मेडल :** भारत के गुलवीर सिंह (27 :49.78) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। ● **कांस्य पदक :** डेविड मुलार्की ने कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि लंबी दूरी की दौड़ में पारंपरिक रूप से दबदबा रखने वाले कीनिया और युगांडा के दिग्गज धावक इस बार पोडियम (शीर्ष तीन) में जगह बनाने में नाकाम रहे।

'मेरे को नंगी कर के सड़क पर फेंक दिया था'

● **कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली एथलीट शर्मीला धनकड़ की प्रेरक कहानी**

नई दिल्ली। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में पहले 5 दिन के बाद भारत ने 10 पदक जीत लिए हैं। भारत की बेटियों ने स्कॉटलैंड में तिरंगे का मान बढ़ाया है। उसमें से कई खिलाड़ियों की कहानी ऐसी है जिसमें उन्होंने बेहद कठिनाइयों का सामना किया है। ऐसी ही प्रेरक कहानी है भारत के लिए पैरा एथलेटिक्स में इतिहास रचने वाली शर्मीला धनकड़ की। उन्होंने 40 साल की उम्र में गोला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया। आज इस स्वर्ग जैसी जिंदगी में नजर आ रहीं शर्मीला का जीवन 14 साल पहले किसी नर्क से कम नहीं था। उनके पहले पति ने उन पर इस कदर यातनाएं की थीं कि उन्हें बिना कपड़ों के सड़क पर बेटियों के साथ फेंक दिया था। ग्लासगो में सोमवार रात गोल्ड मेडल जीतने के बाद शर्मीला ने इंडियन एक्सप्रेस और अपनी 14 साल पहले की दर्द भरी कहानी को भी सबके सामने बताया। वहीं इ्ल्ल द्वारा आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में जनसत्ता के सवालों का भी जवाब दिया और यह भी बताया कि दूसरे पति अजीत सिंह का उनकी जिंदगी में बेहद खास रोल रहा।

उन्होंने बताया कि 2012 में उनके नशेड़ी पति ने रेवाड़ी में उनको दो बेटियों के साथ निर्वस्त्र करके सड़क पर फेंक दिया था। यह मामला रेवाली के गुरकावास गांव का था। इसके बाद पड़ोसियों ने उन्हें कंबल और रजाई से लपेटा। फिर शर्मीला के माता-पिता जय लाल और सरोज उन्हें अपने महेंद्रगढ़ स्थित गांव छिथरौली ले गए। इस हादसे के 14 साल बाद अब भारत की इस बेटी ने ग्लासगो में गोल्ड मेडल जीता और अपनी मां व दूसरे पति अजीत सिंह को साथ सेलिब्रेट करने के लिए सबके सामने बुलाया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

नई दिल्ली । कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13 गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं।

5 ओवर में 5 विकेट और रन दिए 0

● **पाकिस्तान पर कहर बरपा जस्टिन ग्रीव्स ने रचा इतिहास**

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने सोमवार को (27 जुलाई) को पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास रच दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में लगातार पांच विकेट मेडन करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। ग्रीव्स ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 2016 में जोहान्सबर्ग में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के लगातार चार मेडन विकेट के रिकॉर्ड को तोड़ा। पाकिस्तान ने 38 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। ग्रीव्स ने त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन लंच से

पहले और बाद के स्पेल में कहर बरपाया। पाकिस्तान पहली पारी में अच्छी बढ़त बनाने की राह पर था। एक समय उसका स्कोर 244/3 था। पूर्व कप्तान शान मसूद ने शतक पूरा किया।

पाक 282 रन पर ऑल आउट

इसके बाद ग्रीव्स ने उन्हें आउट किया। फिर लगातार ओवरों में आमिर जमाल, अली उस्मान और मोहम्मद रिजवान को बिना कोई रन दिए आउट कर दिया। इससे पाकिस्तान का स्कोर लंच तक 267/8 हो गया। ग्रीव्स ने लंच के बाद अपने पहले ओवर में मोहम्मद अब्बास को विकेट के पीछे कैच कराया और लगातार पांच विकेट मेडन किए। इससे पाकिस्तान 282 रन पर ऑल आउट हो गया।

इंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ाई

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ा गई है। उसने 43 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन बनाए हैं। उसके पास 155 रनों की बढ़त है। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद अब्बास ने 14 रन देकर 3 विकेट झटके। केमार रोच 5 और शमार जोसेफ 13 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर। कैरेबियाई टीम के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा तेगनरायण चंद्रपाल ने 35 रन बनाए हैं। तीसरे दिन 14 विकेट गिरे।

चारा काटते-काटते मजबूत हुए हरजिंदर कौर के हाथ, अब दिलाया रजत

ग्लास्गो। गले में कॉमनवेल्थ गेम्स का रजत पदक... चेहरे पर सुकून भरी मुस्कान... और आंखों में उन वर्षों के संघर्ष की चमक, जिन्हें शायद सिर्फ हरजिंदर कौर ही महसूस कर सकती हैं। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जब हरजिंदर ने 69 किलोग्राम वर्ग में 227 किलोग्राम (101 किग्रा स्नैच और 126 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर रजत पदक जीता, तब दुनिया ने एक चैंपियन देखा, लेकिन इस चमकदार पल के पीछे मिट्टी से सनी हथेलियां, खेतों की मेहनत और गरीबी से भरा बचपन छिपा था। आइए हरजिंदर की भावुक कर देने वाली कहानी जानते हैं...

जहां सपनों से पहले जिम्मेदारियां थीं

14 अक्तूबर 1996 को पंजाब के नाभा के पास मेहस गांव में जन्मी हरजिंदर एक साधारण किसान परिवार से हैं। पिता साहिब सिंह परिवार के इकलौते कमाने वाले थे। घर की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि खेलों पर खुलकर खर्च किया जा सके। स्कूल से लौटने के बाद हरजिंदर का समय मैदान में नहीं, बल्कि खेतों में बीतता था। वह पिता के साथ खेती का काम करतीं और भैंसों के लिए चारा काटतीं। गांव में 'टोका' नाम की हाथ से चलने वाली मशीन से चारा काटना आसान काम नहीं था। भारी लोहे के पहिए को लगातार घुमाने में काफी ताकत लगती थी। उन्हें तब नहीं पता था कि यही मेहनत एक दिन उनकी सबसे बड़ी ताकत बन जाएगी।

लेकिन किस्मत में था वेटलिफ्टिंग

हरजिंदर को बचपन से कबड्डी बेहद पसंद थी। वह कई किलोमीटर साइकिल चलाकर अभ्यास के लिए जाती थीं। कॉलेज पहुंचीं तो कबड्डी खेलीं, फिर रस्साकशी (टग ऑफ वॉर) में भी हिस्सा लेने लगीं। यहीं उनकी ताकत पर पंजाब के पूर्व राष्ट्रमंडल चैंपियन और कोच परमजीत शर्मा की नजर पड़ी। उन्होंने हरजिंदर से कहा कि अगर वह वेटलिफ्टिंग अपनाएं तो अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकती हैं। शुरुआत में हरजिंदर तैयार नहीं थीं। उन्हें यह खेल पसंद भी नहीं था, लेकिन कोच ने हार नहीं मानी। आखिरकार 2016 में उन्होंने वेटलिफ्टिंग शुरू की और यहीं से उनकी जिंदगी बदल गई।

जब जेब में सिर्फ 700 रुपये होते थे

खेल की राह आसान नहीं थी। घर से मिलने वाले पैसे इतने कम होते थे कि कई बार उन्हें खर्च सोच-समझकर करना पड़ता था। हरजिंदर ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'मेरे पिता मुझे नाभा से कॉलेज हॉस्टल आने-जाने के लिए 350 रुपये और 350 रुपये जेब खर्च के

लिए देते थे। मुझे उनसे ज्यादा पैसे मांगने में शर्म आती थी।' परिवार ने कई बार कर्ज लेकर भी उनका साथ दिया। जब कोरोना महामारी के दौरान ट्रेनिंग सेंटर बंद हो गए, तब कोच परमजीत शर्मा ने उन्हें अपने घर में रखा ताकि अभ्यास न रुके। यही भरोसा आगे चलकर भारत के लिए पदकों में बदल गया।

चारा काटने से बनी मजबूत भुजाएं

हरजिंदर अक्सर अपनी सफलता का श्रेय खेतों की मेहनत को देती हैं। उन्होंने कहा था, 'अगर मैं पदक जीतूंगी तो कहूंगी कि टोका पर चारा काटने से मेरी भुजाएं मजबूत हुईं और उसी ने मुझे वेटलिफ्टिंग में मदद की।' शायद यही वजह है कि उनकी ताकत सिर्फ जिम में नहीं, बल्कि खेतों की मिट्टी में तैयार हुई थी।बर्मिंघम 2022 में हरजिंदर ने 71 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों के पोडियम पर जगह बनाई थी। चार साल बाद ग्लासगो में उन्होंने खुद को और बेहतर साबित किया। उन्होंने स्नैच में पहले 99 किलोग्राम और फिर 101 किलोग्राम वजन उठाकर दो बार गेम्स रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में 123 और फिर 126 किलोग्राम उठाकर कुल 227 किलोग्राम के साथ करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। हालांकि कनाडा की चार्लोट सिमोनो ने 240 किलोग्राम के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, लेकिन हरजिंदर का रजत किसी स्वर्ण से कम नहीं था।आज हरजिंदर सिर्फ एक पदक विजेता नहीं हैं। वह उन लाखों बेटियों की उम्मीद हैं, जो छोटे गांवों से बड़े सपने देखती हैं। वह बताती हैं कि हालात चाहे कितने भी मुश्किल क्यों न हों, अगर मेहनत और धैर्य साथ हो तो मंजिल जरूर मिलती है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

बरौली के एक एकड़ तालाब में मत्स्य पालन के लिए निविदा आमंत्रित

बारूण (औरंगाबाद) (नि. सं.)। ग्राम पंचायत पिपरा की ओर से ग्राम बरौली स्थित एक एकड़ क्षेत्रफल वाले तालाब में मत्स्य पालन के लिए निविदा आमंत्रित की गई है। पंचायत ने इच्छुक व्यक्तियों से निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन जमा करने की अपील की है। जारी सूचना के अनुसार, निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि 31 जुलाई 2026 तक निर्धारित की गई है। आवेदन शुल्क 1,000 रखा गया है। इच्छुक आवेदक पंचायत भवन, पिपरा में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। पंचायत की ओर से बताया गया है कि संबंधित तालाब की नीलामी 6 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी। पंचायत ने सभी इच्छुक मत्स्य पालकों एवं आवेदकों से समय पर आवेदन जमा करने की अपील की है।

बीईओ ने किया एमडीएम किचेन शेड का निरीक्षण

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि. सं.) रामनगर स्थित मध्याह्न भोजन किचन शेड का प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विकास कुमार ने बुधवार को निरीक्षण किया। इस दौरान चावल, दाल, मसाला एवं साफ सफाई की जांच की गई। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि जांच में कुछ बैग में चावल की गुणवत्ता संतोषजनक एवं कुछ बैग में निम्न कोटी की पाई गई। एमडीएम प्रभारी अभय कुमार एवं किचन मैनेजर शैलेन्द्र पासवान को निम्न कोटी चावल को अविलंब गोदाम से रिप्लेस करने हेतु निदेशित किया गया।

श्रावणी मेला की तैयारी की व्यापक समीक्षा

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.) समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद, श्रीमती अभिलाषा शर्मा (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर आयोजित होने वाले श्रावणी मेला की तैयारियों, विधि-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली आवश्यक सुविधाओं के संबंध में विस्तृत समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को जिले के प्रमुख शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है।

सड़क हादसे में बाइक सवार अवकाश प्राप्त शिक्षक की मौत

पत्नी को ट्रेनिंग सेंटर छोड़कर लौट रहे थे, एनएच-139 पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को 200 मीटर तक घसीटा, आक्रोशित लोगों ने तीन घंटे तक किया सड़क जाम, मोहल्ले में मातम

- हादसे में शिक्षक विजय सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

निज संवाददाता | दाउदनगर (औरंगाबाद)

फाइल फोटो

दाउदनगर थाना क्षेत्र के औरंगाबाद-पटना मुख्य मार्ग एनएच-139 पर बुधवार की सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक अवकाश प्राप्त शिक्षक की मौत हो गई। मृतक अपनी शिक्षिका पत्नी को प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में छोड़कर घर लौट रहे थे। कुर्बान बिगहा के समीप पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान दाउदनगर शहर के रमनगर वार्ड-16 निवासी 64 वर्षीय विजय सिंह के रूप में हुई है। वह करीब दो वर्ष पहले शिक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी पत्नी ओबरा प्रखंड के जमुहारा प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं और इन दिनों दाउदनगर बीआरसी में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रही हैं। बुधवार सुबह विजय सिंह उन्हें प्रशिक्षण केंद्र छोड़कर लौट रहे थे। रास्ते में उन्होंने घर के लिए सब्जी और फल भी खरीदे थे, लेकिन कुछ ही देर बाद हादसे का शिकार हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 9:34 बजे पटना की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक ट्रक में फंस गई और चालक वाहन रोकने के बजाय करीब 200 मीटर तक उसे घसीटता रहा। इस दौरान विजय सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक का पीछा कर उसे कुछ दूरी पर पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही दाउदनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आक्रोशित लोगों ने शव को सड़क पर रखकर एनएच-139 जाम कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग सड़क सुरक्षा की मांग पर अड़े रहे। हादसे की सूचना मिलते ही बीआरसी में प्रशिक्षण ले रहीं विजय सिंह की पत्नी बदहवास हो गईं। परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि मृतक अपने पीछे शिक्षक पत्नी और एक पुत्र को छोड़ गए हैं। उनका पुत्र दीपक कुमार इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर चुका है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और मोहल्ले में शोक है। इस हादसे के बाद एक बार फिर एनएच-139 की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर लगातार हो रहे सड़क हादसों को रोकने के लिए फोरलेन निर्माण, प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन, गति नियंत्रण और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

औरंगाबाद में जाम से मिलेगी राहत, 1.54 करोड़ की लागत से तीन जगह लगेंगे आधुनिक ट्रैफिक सिग्नल

- रमेश चौक, धर्मशाला मोड़ और कर्मा मोड़ पर बदलेगी यातायात व्यवस्था, तीन माह में काम पूरा करने का लक्ष्य

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

शहर में लगातार बढ़ते वाहनों के दबाव और प्रमुख चौक-चौराहों पर लगने वाले जाम से अब जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। नगर परिषद ने यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए करीब 1.54 करोड़ रुपये की लागत से तीन प्रमुख स्थानों पर आधुनिक ट्रैफिक सिग्नल लगाने की योजना शुरू की है। इसके लिए ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से निविदा जारी कर दी गई है। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित एजेंसी को कार्यादेश दिया जाएगा। नगर परिषद ने सभी कार्यों को पूरा करने के लिए तीन महीने की समय-सीमा निर्धारित की है।

तीन स्थानों पर खर्च होंगे 1.54 करोड़

योजना के तहत रमेश चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने के लिए 56.81 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं धर्मशाला मोड़ से सिन्हा कॉलेज मोड़ तक यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए 48.08 लाख रुपये की लागत आएगी। इसके अलावा कर्मा मोड़ से कारगिल चौक तक भी 48.08 लाख रुपये खर्च कर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे।

जाम के साथ दुर्घटनाओं पर भी लगेगा अंकुश

शहर के रमेश चौक, धर्मशाला मोड़, कर्मा मोड़ और कार्यालय चौक समेत कई प्रमुख स्थानों पर दिनभर वाहनों का दबाव बना रहता है। खासकर सुबह स्कूल-कॉलेज के समय और शाम को बाजार के दौरान सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। ट्रैफिक सिग्नल नहीं होने के कारण वाहनों के आवागमन में अव्यवस्था रहती है, जिससे जाम के साथ सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। आधुनिक ट्रैफिक सिग्नल शुरू होने के बाद अलग-अलग दिशाओं से आने वाले वाहनों को निर्धारित संकेतों के अनुसार नियंत्रित किया जा सकेगा। इससे जाम कम होने के साथ पैदल यात्रियों को भी सड़क पार करने में सुविधा मिलेगी।

नगर परिषद ने योजना में पारदर्शिता के लिए ई-निविदा प्रक्रिया शुरू की है। निविदा पूरी होने के बाद तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन के आधार पर एजेंसी का चयन किया जाएगा। चयनित एजेंसी को कार्यादेश मिलने के बाद तीन महीने के भीतर सभी स्थानों पर सिग्नल लगाने और उन्हें चालू करने का लक्ष्य है।

मुख्य पार्षद ने बताया महत्वपूर्ण कदम

नगर परिषद के मुख्य पार्षद उदय गुप्ता ने बताया कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाना नगर परिषद की महत्वपूर्ण योजना है। इससे जाम की समस्या कम करने, सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और लोगों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने का प्रयास किया जाएगा।

विधायक प्रमोद कुमार सिंह के हस्तक्षेप से उत्तरी कोयल नहर का गेट खुला, किसानों को मिली राहत

- सात पंचायतों के किसानों की शिकायत पर अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे विधायक, सिंचाई के लिए तत्काल बहाल कराया पानी

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रमोद कुमार सिंह ने बुधवार को किसानों की सिंचाई संबंधी समस्या का त्वरित समाधान कराते हुए उत्तरी कोयल नहर का बंद गेट खुलवाया। इससे क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, उत्तरी कोयल नहर के कई स्थानों पर अधिकारियों द्वारा नहर का गेट बंद कर दिए जाने से उमगा, बनिया, घाटराइन, मदनपुर, महुआ समेत सात पंचायतों के किसानों को सिंचाई में परेशानी हो रही थी। किसानों ने टेलीफोन के माध्यम से विधायक प्रमोद कुमार सिंह को अपनी समस्या से अवगत कराया।

शिकायत मिलते ही विधायक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों की मौजूदगी में पूरे मामले की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से बातचीत कर बंद नहर का गेट तत्काल खुलवाया, जिससे खेतों तक पानी की आपूर्ति फिर से शुरू हो गई।

नहर का गेट खुलने के बाद किसानों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि वह स्वयं किसान परिवार से आते हैं और किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र की किसी भी जनसमस्या के समाधान के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के हर क्षेत्र में कार्य कर रही है और किसानों को समय पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों की समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

डेंगू का खतरा रोकने को प्रशासन अलर्ट, स्कूलों में मनेगा 'ड्राई डे'

डीएम ने दिए जलजमाव खत्म करने और फॉगिंग तेज करने के निर्देश, घर-घर जागरूकता पहुंचाने पर रहेगा जोर

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मानसून के दौरान डेंगू और चिकनगुनिया के बढ़ते खतरे को देखते हुए औरंगाबाद जिला प्रशासन ने एहतियाती तैयारियां तेज कर दी हैं। बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए प्रशासन ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई, जलजमाव की रोकथाम, फॉगिंग और जागरूकता अभियान को एक साथ चलाने की रणनीति बनाई है। इसी सिलसिले में बुधवार को समाहरणालय में जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग ने जिले में डेंगू की मौजूदा स्थिति की जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, 2026 में अब तक डेंगू के सात पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। पिछले वर्ष 2025 में जिले में 58 डेंगू मरीज मिले थे। इस साल संख्या कम होने के बावजूद मानसून में मच्छरों के प्रजनन की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने का फैसला किया है। डीएम ने नगर निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में जलजमाव वाले स्थानों की पहचान कर तत्काल पानी निकालने का निर्देश दिया। कबाड़ की दुकानों, निर्माणाधीन भवनों और ऐसे अन्य स्थानों पर भी विशेष निगरानी रखने को कहा गया, जहां बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रह सकता है।

नगर निकायों को नियमित फॉगिंग और एंटी-लार्वा छिड़काव कराने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही साफ-सफाई व्यवस्था को भी लगातार दुरुस्त रखने को कहा गया है। डेंगू के खिलाफ जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों को भी जोड़ा जाएगा। शिक्षा विभाग को जिले के सभी विद्यालयों में हर शनिवार 'ड्राई डे' मनाने का निर्देश दिया गया है। इस दौरान स्कूलों में मच्छरों के प्रजनन स्थल और डेंगू से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों के माध्यम से उनके परिवारों तक भी यह संदेश पहुंचाया जाएगा कि घर के आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान को व्यापक बनाने के लिए पंचायती राज विभाग, जीविका और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। इन माध्यमों से ग्रामीणों को डेंगू के लक्षण, बचाव के उपाय और जलजमाव रोकने के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि गांवों में भी मच्छरों के प्रजनन स्थलों की समय रहते पहचान कर उन्हें खत्म किया जाए। बैठक में पीएचईडी को पाइपलाइन लीकेज वाले स्थानों की पहचान कर उनकी तत्काल मरम्मत कराने को कहा गया। प्रशासन का मानना है कि पाइपलाइन से लगातार पानी रिसने के कारण भी कई जगह जलजमाव की स्थिति पैदा होती है, जो मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल वातावरण बनाती है। स्वास्थ्य विभाग को संदिग्ध मरीजों की पहचान के लिए जांच और सर्वेक्षण अभियान तेज करने का निर्देश दिया गया है। डेंगू की आशंका वाले मरीजों की समय पर जांच कराने और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। डीएम ने फॉगिंग मशीन, डेंगू जांच किट, टेमीफॉस और ब्लीचिंग पाउडर समेत जरूरी संसाधनों की उपलब्धता की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को स्टॉक अपडेट रखने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने कहा कि डेंगू की रोकथाम केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें आम लोगों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

जमीन विवाद सुलझाने पहुंची पुलिस पर ही टूट पड़े ग्रामीण, थानाध्यक्ष समेत चार घायल

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

जम्होर थाना क्षेत्र के बलिकरना गांव में जमीन विवाद को लेकर मंगलवार रात शुरू हुआ विवाद उस समय गंभीर हो गया, जब दोनों पक्षों के बीच चल रही मारपीट को रोकने पहुंची पुलिस टीम पर ही ग्रामीणों ने हमला कर दिया। अचानक हुए पथराव और लाठी-डंडे के हमले में जम्होर थानाध्यक्ष सूर्यवीर गुप्ता समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है। बताया जाता है कि गांव में अजय पासवान और मिश्री भुइयां के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। मंगलवार रात दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। सूचना मिलने के बाद जम्होर थानाध्यक्ष सूर्यवीर गुप्ता पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। पुलिसकर्मी दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति शांत कराने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान विवाद ने अचानक नया मोड़ ले लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने एक पक्ष के लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसको लेकर मौके पर मौजूद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग पुलिस टीम के सामने जमा हो गए और लाठी-डंडे तथा ईंट-पत्थर से हमला शुरू कर दिया। अचानक हुए हमले में थानाध्यक्ष सूर्यवीर गुप्ता, एसआई अजय खरवार, दारोगा पुष्पा कुमारी और एक महिला सिपाही घायल हो गईं। हमले के दौरान पुलिस टीम को पीछे हटना पड़ा।

1420 करोड़ रुपए पेयजल परियोजना की समीक्षा, प्रभारी मंत्री ने समय पर कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

- औरंगाबाद, सासाराम व डेहरी को मिलेगा शुद्ध पेयजल, परियोजना की वित्तीय प्रगति 71.67% और भौतिक प्रगति 81.18%

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

समाहरणालय सभाकक्ष में बुधवार को पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की मंत्री सह औरंगाबाद की प्रभारी मंत्री श्रीमती रमा निषाद की अध्यक्षता में जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत सोन नदी के सतही जल पर आधारित औरंगाबाद, सासाराम एवं डेहरी नगरों की महत्वाकांक्षी पेयजलापूर्ति परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने परियोजना की अद्यतन प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 1420.75 करोड़ की लागत से संचालित इस परियोजना का उद्देश्य तीनों नगरों के लोगों को सोन नदी के सतही जल से शुद्ध एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि परियोजना की वित्तीय प्रगति 71.67 प्रतिशत तथा भौतिक प्रगति 81.18 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने एनिकट के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण, इंटेक वेल, 206 एमएलडी क्षमता के जल शोधन संयंत्र (वाटर ट्रीटमेंट प्लांट), पंप हाउस, विभिन्न संरचनाओं के निर्माण और पेयजल पाइपलाइन बिछाने के कार्यों की अलग-अलग समीक्षा की। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि अधिकांश प्रमुख निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं तथा पाइपलाइन और अन्य सहायक कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना के शेष कार्यों में और तेजी लाई जाए तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद औरंगाबाद, सासाराम और डेहरी के लाखों लोगों को स्वच्छ, सुरक्षित और नियमित पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने संबंधित विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी बाधाओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने श्री सीमेंट और एनपीजीसीएल के प्रतिनिधियों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्देश भी दिया। जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी एजेंसी को नियमित अनुश्रवण, गुणवत्ता नियंत्रण और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन परियोजना की लगातार निगरानी कर रहा है और आम लोगों को जल्द से जल्द पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, कार्यपालक अभियंता सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं परियोजना से जुड़े तकनीकी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध वसूली के विरोध में एबीवीपी ने किया कॉलेज प्राचार्य का पुतला दहन

निज संवाददाता | दाउदनगर (औरंगाबाद)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, दाउदनगर इकाई ने बुधवार को दाउदनगर कॉलेज परिसर में इंटर्नशिप, सपोर्ट नामांकन और पत्रिका शुल्क के नाम पर हो रही अवैध वसूली के विरोध में जोरदार प्रदर्शन कर प्राचार्य का पुतला दहन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व ओमकार कुमार ने किया।

जिला संयोजक प्रभात कुमार ने बताया कि कई दिनों से छात्रों के फोन के माध्यम से कॉलेज प्रशासन की शिकायतें मिल रही थीं। आरोप है कि कॉलेज प्रशासन छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है। कहा कि इंटर्नशिप में भ्रष्टाचार हो रहा है। बिना पारदर्शी प्रक्रिया के चयन कर छात्रों से 500 से 1000 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। नामांकन में धांधली हो रही है। मेरिट को दरकिनार कर कैपिटेशन फी लेकर एडमिशन किया जा रहा है। सपोर्ट्स नामांकन में भी गड़बड़ी का आरोप है। पत्रिका के नाम पर लूट जारी है। हर छात्र से 500 -700 रुपये जबरन वसूले जा रहे हैं, जबकि पिछले 2 वर्षों से पत्रिका का प्रकाशन ही नहीं हुआ है।

गुरु पूर्णिमा पर संगीत से सजे सुर, विद्यार्थियों ने गुरुओं को किया नमन

- हसपुरा के आनंद संगीत महाविद्यालय में आयोजित हुआ समारोह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए गुरु-शिष्य परंपरा को किया गया याद

निज संवाददाता | हसपुरा

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को हसपुरा स्थित आनंद संगीत महाविद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने गुरुओं के प्रति सम्मान प्रकट किया और गुरु की महिमा का गुणगान किया। कार्यक्रम की शुरुआत दिवंगत संगीत गुरु अर्जुन सिंह आनंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र और कलम भेंट कर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्राचार्य अशोक कुमार सिंह और निदेशक अरविंद कुमार वर्मा के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का मन मोह लिया।

गुरु के मार्गदर्शन को बताया सफलता की नींव

कार्यक्रम का संचालन करते हुए विपिन कुमार ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा के दिन हम अपने गुरुओं को विशेष रूप से याद करते हैं, लेकिन गुरु का महत्व जीवन के हर दिन बना रहता है। वक्ताओं ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में गुरु का मार्गदर्शन उसे सही दिशा देने के साथ सफलता की राह भी दिखाता है।

कार्यक्रम में हसपुरा आईटीआई के निदेशक श्रीकांत प्रसाद, साहित्यकार शंभु शरण सत्यार्थी, पत्रकार सत्यदेव सिंह, बीरेंद्र खत्री, विजय कर्ण, प्रेम सिंह और राजु भारती समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में आदित्य कुमार, चंदन कुमार, ज्ञान रंजन, अंशु कुमारी, सपना कुमारी, सुहानी, सुजीत, अमित, सुशील, सोनू और मनीष सहित कई छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कुत्ते को बचाने में अनियंत्रित हुई बाइक पिता के सामने बेटी की दर्दनाक मौत

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 28 वर्षीय विवाहिता की मौत हो गई, जबकि उसके पिता घायल हो गए। बताया जाता है कि बाइक के सामने अचानक एक कुत्ता आ जाने से उसे बचाने के प्रयास में चालक ने ब्रेक लगा दिया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान मदनपुर थाना क्षेत्र के शिवनाथ बिगहा निवासी भरत पासवान की पुत्री अंजली कुमारी (28) के रूप में हुई है। अंजली की शादी करीब एक वर्ष पूर्व देव थाना क्षेत्र के बनिया गांव निवासी चंदन कुमार से हुई थी। चंदन डेहरी में सरकारी नौकरी करते हैं और वहीं किराये के मकान में रहते हैं।

परिजनों के अनुसार अंजली अपनी दादी से मिलने मायके शिवनाथ बिगहा आई थी। बुधवार को उसके पिता भरत पासवान उसे बाइक से डेहरी स्थित पति के पास छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान मदनपुर थाना क्षेत्र में सड़क पर अचानक एक कुत्ता आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाइक असंतुलित होकर गिर गई। तेज रफ्तार होने के कारण अंजली गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने अंजली को मृत घोषित कर दिया, जबकि भरत पासवान का उपचार किया गया। सूचना मिलने पर मदनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवाओं ने लिया महिलाओं की सुरक्षा और कानून के सम्मान का संकल्प

- कुसमा बसडीहा विद्यालय में 'ऑपरेशन विधि पालक युवक' के तहत शपथ समारोह, सैकड़ों विद्यार्थियों ने लिया अपराध के खिलाफ आवाज उठाने का संकल्प

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

कुटुंबा प्रखंड के सिमरा थाना क्षेत्र स्थित उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुसमा बसडीहा में 'ऑपरेशन विधि पालक युवक' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में शपथ समारोह हुआ, जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में कानून के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के साथ महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना था। विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं अपराधमुक्त समाज के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों को महिलाओं और बालिकाओं के साथ होने वाली छेड़खानी, अभद्र टिप्पणी और किसी भी तरह के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। बच्चों से अनुशासित, जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनकर समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। सिमरा थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने कहा कि युवा समाज का भविष्य हैं। यदि बच्चे और युवा नैतिक मूल्यों, कानून के पालन तथा महिलाओं के सम्मान को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तो भयमुक्त और अपराधमुक्त समाज की मजबूत नींव रखी जा सकती है।